# FOCUS NEWS
# फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
x.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in
www.focusnews.co.in
@FocusnewsIn

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। सोमवार 20 जनवरी 2025। षष्ठी, पौष मास, शुक्ल पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 12। अंक : 185


### महाराष्ट्र में 60 लाख परिवारों को स्वामित्व योजना का लाभ मिलेगा : फडणवीस

देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि स्वामित्व योजना से राज्य के 60 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। इस योजना की सं. कल्पना राष्ट्रीय प्रगति की नींव के रूप में ग्रामीण विकास के महत्व को मान्यता देते हुए की गई है।

### ओलंपिक पदक की गुणवत्ता उच्च कोटि की होनी चाहिए: मनु भाकर

भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिए ओलंपिक पदक से बड़ा कोई स्मृति चिन्ह नहीं है इसलिये इसकी गुणवत्ता उच्च कोटि की होनी चाहिए।

### मुक्त विश्वविद्यालय ने महाकुंभ अध्ययन के लिए प्रवेश शुरू किया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने महाकुंभ अध्ययन के लिए छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है।

### दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर भारत!

हाल ही में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अध्यक्ष ने यह बात कही है कि पिछले तीन वर्षों से मजबूती से आगे बढ़ने वाला भारत अगले साल यानी कि वर्ष 2026 तक जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

### पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं निक्की तंबोली

'बिग बॉस 14' की प्रतियोगी रह चुकी ग्लैमर वर्ल्ड की खूबसूरत एक्ट्रेस निक्की तंबोली, जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि लीड रोल वाली पंजाबी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'बदनाम' के जरिए पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं।

### किसानों को धान का बोनस देने से पहले ड्रोन से सर्वेक्षण कराएंगे: मप्र मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में किसानों को धान का बोनस जारी करने से पहले सर्वेक्षण करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा।

### बीएमडब्ल्यू को भारत में इस साल भी दहाई अंकों में वृद्धि की उम्मीद

जर्मनी की लक्जरी वाहन कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वर्ष 2024 की शानदार बिक्री से उत्साहित होकर इस साल भारत में दहाई अंकों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद लगाई है।


लक्ष्य के **आधे** रास्ते पर जाकर
कभी वापस न लौटें...
क्योंकि **वापस जाने** पर भी
**आधा** रास्ता पार करना पड़ता है..!


### फनी जोक्स

एक सिपाही ने मौका-ए-वारदात से थानेदार को फोन किया -
जनाब, यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी...!
थानेदार - क्यों...?
सिपाही - क्योंकि आदमी पोंछा मारे हुए फर्श पर चढ़ गया था...!
थानेदार - गिरफ्तार कर लिया औरत को...?
सिपाही - नहीं साहब, अभी पोंछा सूखा नहीं है...!

# स्टार्ट-अप इंडिया केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं; आधे से अधिक दूसरी, तीसरी श्रेणी के शहरों से: मोदी

**विज्ञान जगत की उपलब्धियां भावी चुनौतियों के समाधान की वैज्ञानिकों की दूरदृष्टि को दर्शाती हैं: पीएम**

**। कृष्णा अग्रवाल ।**

**नयी दिल्ली, फोकस न्यूज,** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि स्टार्ट–अप इंडिया कार्यक्रम केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है और आधे से अधिक स्टार्ट–अप दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों से संचालित हो रहे हैं। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 118वीं और वर्ष 2025 की पहली कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन, गैर–नवीकरणीय ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्टार्ट–अप देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि अंबाला, हिसार, कांगड़ा, चेंगलपत्तू, बिलासपुर, ग्वालियर और वाशिम में कई स्टार्ट–अप काम कर रहे हैं और पिछले वर्ष नागालैंड में स्टार्ट–अप पंजीकरण में दो सौ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। कुछ दिन पहले स्टार्ट–अप इंडिया के नौ साल पूरे होने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा, ''हमारे देश में जितने स्टार्ट–अप नौ साल में बने हैं, उनमें से आधे से ज्यादा दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों से हैं। जब यह सुनते हैं तो हर हिन्दुस्तानी का दिल खुश हो जाता है। यानि हमारी स्टार्ट–अप संस्कृति बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है।'' उन्होंने कहा कि आपको यह जानकर हैरानी होगी कि छोटे शहरों के स्टार्ट–अप में आधे से ज्यादा का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''जब यह सुनने को मिलता है कि अंबाला, (शेष पेज दो पर)

# राहुल गांधी ने न्याय, समानता के लिए सफेद टी–शर्ट मुहिम शुरू की

**नयी दिल्ली, फोकस न्यूज,** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आम लोगों के अधिकारों की वकालत करते हुए रविवार को 'सफेद टी–शर्ट मुहिम' शुरू करने की घोषणा की और केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर गरीबों से मुंह मोड़ने का आरोप लगाया। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, यह मुहिम शुरू करने की घोषणा की और लोगों से इसका हिस्सा बनने का आग्रह किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक वीडियो 'वॉयसओवर' में कहा, ''यदि आप आर्थिक न्याय में विश्वास (शेष पेज दो पर)

# दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में राहुल, प्रियंका गांधी सक्रिय रूप से हिस्सा लेंगे: देवेंद्र यादव

**नयी दिल्ली, फोकस न्यूज,** कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और मल्लिकार्जुन खरगे सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेंगे। यादव ने यह भी कहा कि इन नेताओं ने पांच फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले पार्टी की ओर से शुरू की गई (शेष पेज दो पर)

# दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुकाबले में 1,040 उम्मीदवार

**नयी दिल्ली,** दिल्ली में पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कुल 1,040 उम्मीदवार मैदान में हैं। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, 1,522 उम्मीदवारों ने चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था। जांच के दौरान 477 नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 जनवरी थी, जिस दिन सबसे अधिक 680 नामांकन दाखिल हुए जबकि 16 जनवरी को 500 नामांकन दाखिल हुए थे। नामांकन पत्रों की जांच शनिवार को पूरी हो गई, जबकि 20 जनवरी तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकते हैं। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव में कड़ी टक्कर होने की संभावना है, जिसमें सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। वहीं, भाजपा दिल्ली में 25 साल से अधिक समय तक सत्ता से बाहर रहने के बाद वापसी के प्रयास में है।

# महाकुंभ का एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश: योगी

**महाकुंभ नगर, फोकस न्यूज,** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि महाकुंभ का एक ही संदेश है कि एकता से ही यह देश अखंड रहेगा। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में मौनी अमावस्या स्नान की तैयारियों की समीक्षा के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह टिप्पणी की। आदित्यनाथ ने कहा, "देश और दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुंभ में आ रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी संगम में स्नान कर अभिभूत नजर आ रहे हैं। यूरोप से जुड़े कुछ पर्यटक मिलने आए थे और प्रयागराज की महिमा का जिस भाव से गान कर रहे थे, वह अभिभूत करने वाला है।" उन्होंने कहा कि ये पर्यटक हिंदी नहीं जानते, (शेष पेज दो पर)

# केजरीवाल ने सरकारी कर्मचारियों के लिए केंद्र के साथ संयुक्त आवास योजना का प्रस्ताव किया

**नयी दिल्ली,** आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर दिल्ली में सरकारी कर्मचारियों, खासकर सफाई कर्मचारियों के लिए एक संयुक्त आवास योजना का प्रस्ताव किया है। दिल्ली में पांच फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। केजरीवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने कर्मचारियों के आवास के लिए प्रधानमंत्री से दिल्ली सरकार को ''अत्यधिक रियायती'' दरों पर जमीन उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी आवास के लिए अपनी सेवा अवधि के अंतिम चरण के दौरान आसान किश्तों का भुगतान कर सकते हैं। केजरीवाल ने सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी कर्मचारियों, खासकर सफाई कर्मचारियों द्वारा सामना की जाने वाली (शेष पेज दो पर)

# दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों में 'ऑफलाइन' कक्षाएं फिर से शुरू करने का आदेश दिया

**नयी दिल्ली, (भाषा)** दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण रोधी उपाय हटाए जाने के बाद सभी स्कूलों को एक नोटिस जारी कर ऑफलाइन कक्षाएं फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है। शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने 17 जनवरी को एक नोटिस में कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के चरण तीन के तहत उपायों को तत्काल प्रभाव से उठाने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि इसके परिणामस्वरूप निजी और सरकारी दोनों स्कूलों में सभी कक्षाएं तत्काल प्रभाव से ऑफलाइन मोड में संचालित की जाएंगी। डीओई ने नोटिस में कहा, ''...डीओई, एनडीएमसी (नई दिल्ली नगर पालिका परिषद), एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) और दिल्ली छावनी बोर्ड के सभी सरकारी, सरकारी गैर सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को सूचित किया जाता है कि ऑफलाइन कक्षाएं फिर से शुरू करें। इस प्रकार सभी स्कूलों में सभी कक्षाएं तत्काल प्रभाव से प्रत्यक्ष तरीके से आयोजित की जाएंगी।'' नियमित कक्षाओं के सोमवार से बहाल होने की उम्मीद है।

# आइये कुछ करें ऐसा कि लहराने लगें बाल

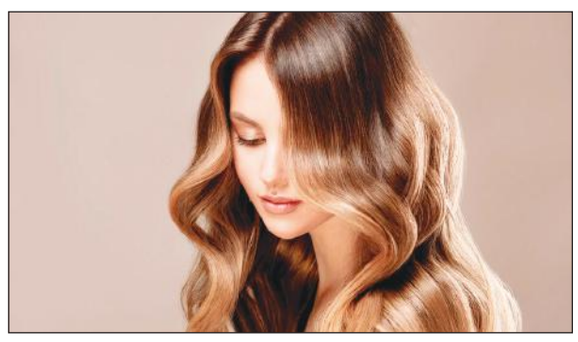

केशसज्जा नारी के श्रृंगार का एक हिस्सा माना गया है मगर केश सज्जा का मन भी तभी बनता है जब बाल खूबसूरत, स्वस्थ और लहराते हुए हों। बाल न सिर्फ चेहरे की खूबसूरती बढ़ाते हैं बल्कि चेहरे को खास आकार में बांधते हैं।

अपने बालों को सुन्दर, स्वस्थ और रेशमी बनाने के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करती मगर बालों को अपने अनुसार वे फिर भी नहीं ढाल पातीं। वास्तविकता तो यह है कि जो प्रकृति की देन है, उसमें फेर बदल की ही नहीं जा सकती।

प्रकृति ने आपके बालों को जैसा बनाया है, उसमें आप किसी प्रकार का फेरबदल कर ही नहीं सकती। यदि आपके बाल रूखे हैं, तब आप उन्हें नार्मल भी नहीं बना सकती। यदि आपके बाल तैलीय हैं तब आप उन्हें रूखे अथवा तैलीय नहीं बना सकती।

सच पूछिये तो पूरी तरह से कोई भी महिला अपने बालों से संतुष्ट नहीं हो सकती। कोई न कोई बालों की समस्या हर किसी को घेरे रहती है। विभिन्न प्रकार के साबुन, शैंपू और तेल लगाने के बावजूद आप अपने बालों को मनचाहा नहीं बना सकती।

किसी के बाल बहुत जल्दी बढ़ते हैं और (शेष पेज दो पर)

# नींद कब नहीं आती

– बीमारी में नींद नहीं आती। – चिंतित व्यक्ति को बेचैनी से नींद नहीं आती। चटपटे मसालेदार, गरिष्ठ, तले पदार्थ खाने से नींद नहीं आती। तंग कसे वस्त्रों में नींद नहीं आती। देरी से भोजन करने से भोजन पच नहीं पाता इसलिए नींद नहीं आती। दैनिक दिनचर्या की समस्याओं से मन में टेंशन रखने से नींद नहीं आती। अधिक चाय, कॉफी सेवन करने वाले को अच्छी नींद नहीं आती। मदिरापान, पान मसाले, तंबाकू, जर्दा खाने वाले को नींद अच्छी नहीं आती। विद्यार्थियों को परीक्षा की चिंता में नींद नहीं आती। मन में प्रतिशोध की भावना हो तो नींद नहीं आती।

# पार्टी में जाने से पहले

ज़िन्दगी की इस भाग दौड़ में जहां लाइफ इतनी तेज़ रफ्तार से चल रही है, ऐसे में एक ही जैसे जीवन के साथ बोरियत होने लगती है। मनोरंजन के नाम पर बाहर घूमने के अलावा और कोई चारा नहीं होता। 'पार्टियों' में जाना हर किसी को अच्छा लगता है लेकिन अगर आप प्रयास करें तो उस शाम को एक यादगार शाम बना सकती हैं।

– सबसे पहले तो यह तय कर लें कि पार्टी में क्या पहनना है। कपड़ों का चुनाव पार्टी में आ रहे लोगों के अनुसार करें। घरेलू फंक्शन में आप ज़री वाले सूट पहन सकती हैं और अगर बाहर जा रही हैं तो केवल साड़ी ही पहनें क्योंकि यह फॉरमल वेशभूषा है।

– अगर पार्टी ऑफिशियल है तो ध्यान रखें कि कपड़े ज़्यादा भड़कीले न हों। शालीन वस्त्रों को ही धारण करें। – मेकअप और ज्वैलरी का खास ख्याल रखें। गले और कानों में हल्की ज्वैलरी ही पहनें। मेकअप ज्यादा डार्क न करें क्योंकि ज्यादा डार्क मेकअप करने के बाद आपका ध्यान इसी में लगा रहेगा कि कहीं चेहरे से मेकअप उतर तो नहीं गया। – पार्टी में जाते ही जोर–जोर से बोलना व हंसना न शुरू कर दें। शिष्टाचार के साथ आहिस्ते से सबसे मिलें और बात करें। – एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि ज्यादा न बोलें। ज्यादा बोलने वाले लोग प्रायः नापसंद किये जाते हैं। सामने वाले की भी उतनी ही सुनें जितना आप अपनी कह रहे हैं। आते ही अपना व अपने कपड़ों का गुणगान न शुरू कर दें। शायद सामने वाले को आपसे भी ज्यादा दिया हो ऊपरवाले ने। अपने आप को ऐसा प्रस्तुत करें कि आपके जाने के बाद लोग आपकी तारीफ करें न कि बुराई।

**स्टार्ट-अप...** (पेज एक का शेष) हिसार, कांगड़ा, चेंगलपट्टु, बिलासपुर, ग्वालियर और वाशिम जैसे शहर स्टार्ट–अप के केंद्र बन रहे हैं तो मन आनंद से भर जाता है।'' मोदी ने कहा, ''अपशिष्ट प्रबंधन, गैर–नवीकरणीय ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और लॉजिस्टिक्स ऐसे क्षेत्र हैं, जिनसे जुड़े स्टार्ट–अप सबसे ज्यादा देखे जा रहें हैं। ये पारंपरिक क्षेत्र नहीं हैं लेकिन हमारे युवा–साथी भी तो परंपरा से आगे की सोच रखते हैं, इसलिए, उन्हें सफलता भी मिल रही है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 साल पहले जब कोई स्टार्ट–अप की बात करता था तो उसे तरह–तरह के ताने सुनने को मिलते थे और लोग कहते थे कि इससे कुछ होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब देखिए, एक दशक में कितना बड़ा बदलाव आ गया।'' प्रधानमंत्री ने इस दौरान स्वामी विवेकानंद की चर्चा की और उल्लेख किया कि उन्होंने कहा था कि जिस व्यक्ति में अपने विचारों के प्रति जुनून होता है, वही अपने लक्ष्य को हासिल कर पाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी विचार को सफल बनाने के लिए जुनून सबसे ज़रुरी होता है और निष्ठा तथा उत्साह से नवाचार, सृजनात्मकता और सफलता का रास्ता अवश्य निकलता है। प्रधानमंत्री ने अन्य प्राणियों के साथ मनुष्य के जुड़ाव के संबंध में कहा कि भारतीय संस्कृति और विरासत आसपास के पशु–पक्षियों के साथ प्यार से रहना सिखाती है। उन्होंने असम के नौगांव का उदाहरण दिया, जहां ग्रामीणों ने हाथियों के भोजन लिए 800 बीघा परती भूमि पर नेपियर घास उगाई है। मोदी ने छत्तीसगढ़ में गुरु घासीदास तमोर पिंगला बाघ अभयारण्य और मध्यप्रदेश में रातापानी बाघ अभयारण्य की स्थापना पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के योगदान को याद करते हुए 23 जनवरी को उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाए जाने का उल्लेख किया और युवाओं से अपील की कि वे नेताजी के बारे में अधिक से अधिक पढ़ें और उनके जीवन से निरंतर प्रेरणा लें। उन्होंने अरूणाचल प्रदेश के दीपक नाबाम की चर्चा की जो एक ऐसा लिविंग–रूम चलाते हैं जहां शारीरिक और मानसिक दिव्यांगों के अलावा बुजुर्गों और नशे के शिकार लोगों की देखभाल की जाती है। उन्होंने लक्षद्वीप के कवारत्ती में कार्यरत नर्स के हिंडुम्बी और के जी मोहम्मद के कार्यों की भी प्रशंसा की। मोदी ने निकोबार जिले में नारियल तेल के लिए जीआई–टैग मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इस तेल के उत्पादन से जुड़ी महिलाओं के स्व–सहायता समूह बनाए जा रहे हैं और उन्हें इस तेल की मार्केटिंग और ब्रांडिंग के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''ये हमारे आदिवासी समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुझे विश्वास है कि भविष्य में निकोबार का यह तेल दुनिया–भर में धूम मचाने वाला है और इसमें सबसे बड़ा योगदान अंडमान और निकोबार के महिला स्व सहायता समूह का होगा।''

**राहुल गांधी...** (पेज एक का शेष) करते हैं, संपत्ति की बढ़ती असमानताओं का विरोध करते हैं, सामाजिक समानता के लिए लड़ते हैं, सभी प्रकार के भेदभाव को अस्वीकार करते हैं और हमारे देश में शांति एवं स्थिरता के लिए प्रयासरत हैं, तो सफेद टी–शर्ट पहनें और मुहिम में शामिल हों।'' गांधी ने कहा, ''आज मोदी सरकार ने गरीबों और श्रमिक वर्ग से मुंह मोड़ लिया है और उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया है। सरकार का पूरा ध्यान कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों को और समृद्ध बनाने पर है।'' उन्होंने कहा कि इसके कारण असमानता लगातार बढ़ रही है और ''अपने खून–पसीने से देश को सींचने वाले'' श्रमिकों की स्थिति खराब होती जा रही है और वे विभिन्न प्रकार के अन्याय और अत्याचार सहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा, ''ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम उन्हें न्याय और अधिकार दिलाने के लिए आवाज उठाएं। इसी सोच के साथ हम 'सफेद टी–शर्ट मुहिम शुरू कर रहे हैं।'' कांग्रेस सांसद ने कहा, ''मैं युवाओं और मजदूर वर्ग के साथियों से इस मुहिम में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील करता हूं।'' उन्होंने लोगों से इस मुहिम में शामिल होने की अपील करते हुए, इसके बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए एक मोबाइल नंबर और एक वेबसाइट का लिंक भी साझा किया। 'व्हाइट टी–शर्ट मूवमेंट' (सफेद टी–शर्ट मुहिम) की वेबसाइट के अनुसार, 'सफेद टी–शर्ट' पार्टी के पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों –– करुणा, एकता, अहिंसा, समानता और सभी के लिए प्रगति –– का प्रतीक है।

**दिल्ली विधानसभा...** (पेज एक का शेष) गारंटी को अपना मजबूत समर्थन दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने 'पीटीआई–भाषा' को दिये साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि इन योजनाओं का उद्देश्य वंचितों को समान अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हर सरकार का यह कर्तव्य है कि वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारी पूरी करे। पिछले 10 वर्षों में, मुद्रास्फीति और बेरोजगारी बढ़ने के कारण महिलाओं को अपना घर चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनकी चिंताओं का समाधान करें, ताकि वे अपने परिवारों का भरण–पोषण कर सकें।'' यादव ने कहा, ''ऐसी स्थिति में मैं इसे मुफ्तखोरी या 'रेवड़ी' नहीं कहूंगा, यह उनका अधिकार है। यह उनका अधिकार है, क्योंकि संविधान में वंचितों को समान अवसर प्रदान करने का प्रावधान है और ये योजनाएं उन्हें उचित अवसर प्रदान करने का एक साधन हैं।'' उन्होंने कहा कि इस दिशा में कांग्रेस ने सत्ता में आने पर पांच गारंटी सुनिश्चित करने का वादा किया है, जिनमें महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक, 500 रुपये में गैस सिलेंडर और राशन किट तथा 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा शामिल है। यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार संभालने के एक साल से भी कम समय में यह दूसरा चुनाव होगा। लोकसभा चुनाव के दौरान चुनौतियां अलग थीं और उस वक्त उनके पास पंजाब का भी प्रभार था। उन्होंने कहा, ''उस समय मेरे पास सीमित दायरा था, और हमने उस समय पूरी कोशिश की। चुनाव के बाद, हमने विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया, जिसकी वजह से हम अब बेहतर स्थिति में हैं। हम ब्लॉक और जिला स्तर पर गए, अपने संगठन को बेहतर बनाया और लोगों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाई।''

**आइये कुछ...** (पेज एक का शेष) घुटनों से भी नीचे हो जाते हैं और उन्हें (उन महिलाओं को) यदि छोटे बाल पसंद हों तो बालों को बार–बार कटवाना उनके लिए महंगा पड़ सकता है। बार–बार ब्यूटीपार्लर के चक्कर लगाना वे पसंद नहीं करेंगी। उनके बाल और न बढ़ें, इनके लिए वे बालों की देखभाल करना बंद कर देंगी। शायद इससे उनके बालों की चमक ही खो जाये और बाल बढ़ने फिर भी कम न हों। प्राकृतिक बाल जैसे हैं, वैसे ही रहेंगे। थोड़ी–सी लापरवाही से आप उनकी सुंदरता भी खो बैठेंगी। किसी भी प्राकृतिक चीज को आप बदल नहीं सकती मगर आप उसे संवार जरूर सकती हैं। यदि आपके बाल रूखे हैं तो बालों को प्राकृतिक तेल में डुबो कर मालिश करें। यदि आपके बाल सामान्य हैं तो उन्हें हफ्ते में एक बार तेल लगायें और यदि आपके बाल तैलीय हैं तो भी अपने बालों में कभी–कभी तेल लगाना न भूलें।

हां, बालों को तेल में तर तभी करें जब वे नार्मल या रूखे हों, तैलीय नहीं। उसी शैंपू और उसी तेल का इस्तेमाल करें जो आपके बालों के अनुकूल हो।

यदि आपके बाल झड़ते हैं तो इसका इलाज कोई दवाई, खास शैंपू या साबुन नहीं बल्कि संतुलित भोजन है। भोजन में यदि आप प्रोटीन संतुलित मात्रा में लेती हैं तो आपके बालों का झड़ना निश्चित ही कम हो जायेगा। बालों को भी भोजन की जरूरत होती है और उनका भोजन है प्रोटीन। बाल क्योंकि निर्जीव होते हैं, सो जरूरी है उन्हें ज्यादा देखभाल की। आप अगर बालों को ज्यादा कंघी करेंगी तो बाल झड़ेंगे ही। बालों में रूसी और बालों का सफेद होने का कारण संतुलित भोजन की कमी है। अपने बालों को गंदा न होने दें। सप्ताह में दो बार बालों को जरूर धोएं। बालों में रोज कंघी करें। इससे बालों की गंदगी दूर होगी। बालों पर ज्यादा समय के लिए स्कार्फ भी नहीं ओढ़े रहना चाहिए। इससे बालों के टूटने की समस्या ज्यादा बन जाती है। बालों की साफ–सफाई से भी बहुत फर्क पड़ता है। फिर क्यों नहीं पाएंगी आप लहराते हुए बाल।

**केजरीवाल ने...** (पेज एक का शेष) कठिनाइयों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने संयुक्त आवास योजना का प्रस्ताव यह सुनिश्चित करने के लिए किया है कि वे सम्मान के साथ रहें। केजरीवाल ने कहा कि प्रस्तावित योजना को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के कर्मचारियों के साथ शुरू किया जा सकता है तथा उसके बाद इस योजना को दिल्ली के सभी सरकारी कर्मचारियों तक विस्तारित किया जा सकता है। 'आप' सुप्रीमो नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, जो एनडीएमसी के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्होंने कहा कि सत्ता में लौटने के बाद 'आप' केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली भूमि पर किफायती आवास इकाइयों का निर्माण करेगी क्योंकि दिल्ली सरकार के पास राष्ट्रीय राजधानी में ऐसी कोई भूमि नहीं है। केजरीवाल ने कहा, "दिल्ली में खासकर गरीबों के लिए आवास एक बड़ी समस्या है। घर का मालिक होना या किराए पर रहना लगभग असंभव है।" उन्होंने कहा, "उनकी (सरकारी कर्मचारियों की) पेंशन किराए के घर का खर्च उठाने के लिए पर्याप्त नहीं है और न ही उनके पास अपने लिए घर खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे हैं।" पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "मैंने कई सफाई कर्मचारियों को देखा है, जो सेवानिवृत्ति के बाद झुग्गी–झोपड़ियों में रहने को मजबूर हैं।" केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से इस योजना को शुरू करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, "इसकी शुरुआत एनडीएमसी और एमसीडी के सफाई कर्मचारियों से की जा सकती है, जो अपने सेवा काल के अंतिम चरण के दौरान आसान किश्तों का भुगतान करके इसका लाभ उठा सकते हैं।" 'आप' संयोजक ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार इस योजना पर सहमत होंगे क्योंकि यह गरीबों के कल्याण के लिए है। केजरीवाल ने कहा, "शुरुआत में इसका लाभ सफाई कर्मचारियों को मिलेगा और बाद में इसे अन्य सरकारी कर्मचारियों तक भी पहुंचाया जा सकता है। यह पूरी तरह से कल्याणकारी योजना है।"

**महाकुंभ का...** (पेज एक का शेष) संस्कृत नहीं जानते, लेकिन हिंदी की चौपाई, संस्कृत के मंत्रों, अवधी की चौपाइयों, सनातन धर्म से जुड़े स्त्रोत और मंत्रों को सस्वर गा रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां गंगा और यहां के धामों के प्रति एक श्रद्धा का भाव उनमें देखने को मिल रहा था। आदित्यनाथ ने कहा, "महाकुंभ के लिए प्रधानमंत्री जी ने जो विजन दिया है उसको स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए सभी लोग पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के मुख्य स्नान संपन्न हो चुके हैं और अब मौनी अमावस्या 29 जनवरी और बसंत पंचमी तीन फरवरी को दो बड़े महास्नान होने हैं।" उन्होंने कहा कि सात हजार से अधिक संस्थाएं अब तक यहां पर आ चुकी हैं और आज पूरे महाकुंभ क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्नानार्थियों और यहां रह रहे कल्पवासियों के साथ ही अन्य संस्थाओं से जुड़े लोगों की पूरी संख्या देखेंगे तो लगभग एक करोड़ से अधिक लोग यहां मौजूद हैं। उन्होंने कहा, "इन्हीं सब व्यवस्थाओं को देखने के लिए मैंने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को यहां भेजा था। मुझे पूरा विश्वास है कि भगवान प्रयागराज और मां गंगा की कृपा से हम लोग यहां पर इन दोनों स्नानों को सकुशल संपन्न करने में सफल होंगे।" आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। उन्होंने कहा, "कई राज्यों के राज्यपाल व मुख्यमंत्री लगातार यहां आ रहे हैं। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति भी लगातार यहां आकर स्नान कर रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा, "मकर संक्रांति और पौष पूर्णिमा के दिन हमें यह सौभाग्य नहीं मिल सका कि हम भी यहां स्नान कर सकें, क्योंकि हम लोगों ने खुद को प्रतिबंधित कर रखा था। केवल संतों और श्रद्धालुओं के लिए यह सुविधा थी।"

## हजारों लोगों ने नागा साधुओं के अखाड़ों में शामिल होने को आवेदन किया

**महाकुम्भ नगर, (भाषा)** सनातन धर्म की रक्षा के लिए हजारों लोगों ने नागा साधु के तौर पर दीक्षा लेने के लिए अखाड़ों में आवेदन किया है और तीन स्तरों पर इन आवेदनों की जांच कर दीक्षा देने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। निरंजनी अखाड़ा के महंत रवींद्र पुरी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि निरंजनी में प्रथम चरण में 300–400 लोगों को नागा संन्यासी के तौर पर दीक्षा दी जा रही है और 13 अखाड़ों में सात शैव अखाड़े हैं, जिनमें से छह अखाड़ों में नागा साधु के तौर पर दीक्षा दी जाती है। उन्होंने बताया कि इनमें निरंजनी, आनंद, महानिर्वाणी, अटल, जूना और आह्वान अखाड़ों में नागा साधु बनाए जाते हैं जबकि अग्नि अखाड़े में ब्रह्मचारी होते हैं, वहां नागा नहीं बनाए जाते हैं। शंकराचार्य ने नागा साधु बनाने की जो परंपरा डाली थी, वह संन्यासी अखाड़ों के लिए है। जूना अखाड़ा के महामंत्री हरि गिरि महाराज ने बताया कि जूना अखाड़े में नागा साधुओं को दीक्षा के लिए जगह का अभाव है, इसलिए कई चरणों में इन्हें नागा साधु की दीक्षा दी जाएगी और हजारों की संख्या में नागा साधु के लिए आवेदन आए हैं। महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत यमुनापुरी महाराज ने बताया कि महानिर्वाणी में 300–350 लोगों को नागा साधु के तौर पर दीक्षा दी जा रही है जिसके लिए पहले से काफी लोगों के आवेदन आए थे। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने बताया कि विभिन्न अखाड़ों में नागा साधु के तौर पर दीक्षा के लिए हजारों की संख्या में लोगों ने आवेदन कर रखा है जो सनातन धर्म के लिए अपना सब कुछ बलिदान करके नागा साधु बनना चाहते हैं। एक आवाहन अखाड़े के महामंडलेश्वर ने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और पर्चियां जारी की जा रही हैं, साथ ही गोपनीय ढंग से आवेदकों के साक्षात्कार लिए जा रहे हैं, सभी पात्रता पूरी करने वाले लोगों को ही नागा साधु के तौर पर दीक्षा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि गंगा नदी के किनारे नागा साधुओं के संस्कार किए जा रहे हैं, इसमें मुंडन संस्कार और पिंडदान शामिल है, ये संन्यासी अपना स्वयं का पिंडदान कर यह घोषणा करते हैं कि उनका भौतिक दुनिया से अब कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि इन सभी अनुष्ठान के बाद मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के साथ नागा साधु बनने की प्रक्रिया पूरी होती है। महामंडलेश्वर ने बताया कि ये सभी लोग धर्म ध्वजा के नीचे नग्नावस्था में खड़े होंगे और आचार्य महामंडलेश्वर उन्हें नागा बनने की दीक्षा देंगे। उन्होंने कहा कि सभापति उन्हें अखाड़े के नियम आदि बताएंगे और उन्हें नियमों का पालन करने की शपथ दिलाएंगे, यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद हर किसी को अमृत स्नान के लिए भेजा जाएगा। एक अन्य अखाड़े के महंत ने बताया कि ऐसा नहीं है कि हर उम्मीदवार को नागा साधु बनाया जाएगा क्योंकि जांच के दौरान कई लोग अपात्र पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि तीन चरणों में आवेदनों की जांच की गई और यह प्रक्रिया छह महीने पहले शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि अखाड़ा के थानापति ने उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि और गतिविधियों की जांच की और इसकी रिपोर्ट आचार्य महामंडलेश्वर को दी गई और आचार्य महामंडलेश्वर ने अखाड़े के पंचों से पुनः इसकी जांच कराई जिसके बाद ही नागा साधु बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

## ओमान के साथ एफटीए में शराब, सिगरेट पर शुल्क रियायत नहीं मांग रहा भारतः सूत्र

**नयी दिल्ली, (भाषा)** ओमान के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में भारत शराब और सिगरेट जैसे 100 से अधिक उत्पाद श्रेणियों पर सीमा शुल्क रियायत की मांग नहीं कर रहा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारत और ओमान के बीच एफटीए पर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि एफटीए वार्ताएं संपन्न हो गई हैं, ओमान ने कुछ उत्पादों पर अपने बाजार पहुंच प्रस्तावों में संशोधन की मांग की है।




Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

# महाराष्ट्र में 60 लाख परिवारों को स्वामित्व योजना का लाभ मिलेगा : फडणवीस

**मुंबई, (भाषा)** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि स्वामित्व योजना से राज्य के 60 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। इस योजना की संकल्पना राष्ट्रीय प्रगति की नींव के रूप में ग्रामीण विकास के महत्व को मान्यता देते हुए की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शनिवार को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री फडणवीस महानगर के सह्याद्री गेस्ट हाउस से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इस कार्यक्रम में शामिल हुए। फडणवीस ने कहा, ''यह पहल केवल एक सरकारी परियोजना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण भारत के सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक ढांचे के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि स्वामित्व को लेकर अनिश्चितता और विवाद कम होंगे।'' उन्होंने कहा, ''भूमि का स्वामित्व साबित करना अक्सर कठिन हो जाता है, जिससे कानूनी मामलों में वृद्धि होती है और विकास प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है। स्वामित्व योजना इन चुनौतियों का समाधान करेगी। इस योजना के तहत, गांवों में भूमि का सर्वेक्षण करने के लिए आधुनिक ड्रोन तकनीक का उपयोग किया जाता है, और व्यक्तियों को कानूनी स्वामित्व प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं।'' फडणवीस ने कहा कि ये प्रमाण पत्र न केवल स्वामित्व के प्रमाण के रूप में काम करते हैं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण अवसर भी पैदा करते हैं। स्वामित्व योजना के तहत ये संपत्ति कार्ड 10 राज्यों – छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख के 50,000 से अधिक गांवों के लाभार्थियों को वितरित किए जा रहे हैं।

## सोनोवाल करेंगे मैरीटाइम इंडिया कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो के तीसरे संस्करण का उद्घाटन

**मुंबई, (भाषा)** मैरीटाइम इंडिया कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो का तीसरा संस्करण 22 जनवरी से यहां शुरू होगा। इसका उद्घाटन केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल करेंगे। इस सम्मेलन और प्रदर्शनी का आयोजन उद्योग मंडल फेडरेशन फिक्की कर रहा है। भारतीय बंदरगाह संघ द्वारा समर्थित इस परियोजना में स्मार्ट प्रौद्योगिकियों और पर्यावरण अनुकूल गतिविधियों के माध्यम से बंदरगाहों में बदलाव सहित प्रमुख रणनीतिक विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस आयोजन में समुद्री क्षेत्र के 7,500 से अधिक लोगों के आने का अनुमान है।

## कैदियों के सम्मानजनक जीवन को सुनिश्चित करने के लिए जेल प्रशासन में सुधार की जरूरतः न्यायालय

**नयी दिल्ली, (भाषा)** उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कारागार में बेहतर माहौल के लिए जेल प्रशासन में सुधार की जरूरत है ताकि कैदियों को संविधान के तहत सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार मिल सके। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने 'फ्योदोर दोस्तोवस्की' की प्रसिद्ध पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कहा, "किसी समाज में सभ्यता का अंदाजा उसकी जेलों में प्रवेश करके लगाया जा सकता है।" पीठ ने कैदियों के साथ सम्मान और मानवीय परिस्थितियों के अधिकार वाले मनुष्य के रूप में व्यवहार करने के महत्व को रेखांकित किया। पीठ ने यह टिप्पणी झारखंड उच्च न्यायालय के उस फैसले को खारिज करते हुए की। उच्च न्यायालय ने विकास तिवारी नाम के एक अपराधी को राज्य के एक जेल से दूसरे जेल में स्थानांतरित करने के फैसले को रद्द कर दिया था। पीठ ने जेल सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित गिरोह हिंसा को रोकने की आवश्यकता का हवाला देते हुए जेल महानिरीक्षक के आदेश को बहाल कर दिया। उच्चतम न्यायालय के इस फैसले ने भारत के जेल प्रशासन में प्रणालीगत कमियों को रेखांकित किया और कैदियों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया।

## नई दिल्ली से वैष्णों देवी जाने वालों को अगले कुछ दिनों तक होगी असुविधा, जानिए क्यों

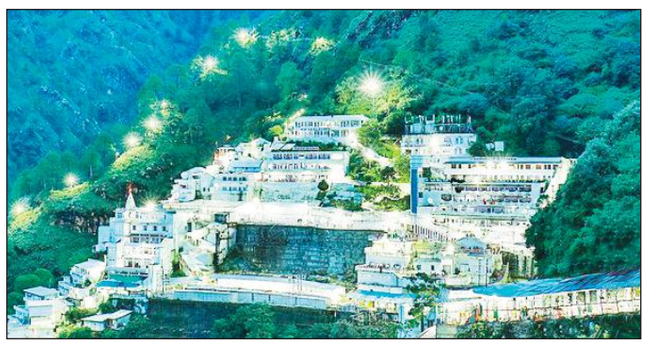

**नई दिल्ली।** अगर आप दिल्ली में रहते हैं या दिल्ली से ट्रेन पकड़कर माता वैष्णों देवी के दर्शन करने के लिए कटरा जाने का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। रेलवे ने नई दिल्ली से श्रीमाता वैष्णों देवी कटरा स्टेशन के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को अगले 50 दिनों के लिए कैंसिल कर दिया है। आज यानी 16 जनवरी से 6 मार्च 2025 तक वंदे भारत ट्रेन संख्या (22439/40) रद्द रहेगी। रेलवे ने इसके पीछे जम्मू तवी यार्ड के रीमॉडलिंग का कारण बताया है। हालांकि यात्रियों को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि दूसरी वंदे भारत ट्रेन जिसका नंबर (22477/78) है वो सुचारू रूप से चलती रहेगी। अभी नई दिल्ली से कटरा और कटरा से नई दिल्ली के लिए बुधवार का दिन छोड़कर पूरे हफ्ते दो वंदे भारत ट्रेनें चलती हैं। इनमें से ट्रेन संख्या (22439/40) को रद्द कर दिया है। ट्रेन संख्या 22439 नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से सुबह 6 बजे चलकर दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर श्रीमाता वैष्णों देवी कटरा स्टेशन पहुंचती है। अंबाला कैंट, लुधियाना, पठानकोट और जम्मू तवी स्टेशनों पर इस ट्रेन का ठहराव है। वहीं वापसी में ट्रेन संख्या 22440 दोपहर 2 बजकर 55 मिनट पर श्रीमाता वैष्णों देवी कटरा स्टेशन से चलकर रात 11 बजे नई दिल्ली पहुंचती है। रेलवे ने इस ट्रेन की दोनों को रद्द कर दिया है।

नई दिल्ली से वैष्णों देवी जाने और वहां से वापसी के लिए फिलहाल अब एक ही वंदे भारत ट्रेन संख्या (22477/78) बची है। ट्रेन संख्या 22478 सुबह 5 बजकर 50 मिनट पर कटरा स्टेशन से छूटकर दोपहर 2 बजे नई दिल्ली पहुंचती है। नई दिल्ली से ट्रेन संख्या 22477 दोपहर 3 बजे छूटती है और रात 11 बजकर 15 मिनट पर कटरा पहुंचाती है। इस ट्रेन के शेड्यूल में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उधर, माता वैष्णी देवी के रास्ते में इस मौसम की पहली बर्फबारी शुरू हो गई है। बर्फ की फुहारों के बीच श्रद्धालु माता रानी के दर्शन को भवन पहुंच रहे हैं।

## पद्म पुरस्कार से सम्मानित ओडिशा के लोगों को 30,000 रुपये का मासिक मानदेय मिलेगा

**भुवनेश्वर, (भाषा)** ओडिशा सरकार पद्म पुरस्कार से सम्मानित राज्य के प्रत्येक व्यक्ति को इस महीने से 30,000 रुपये का मासिक मानदेय प्रदान करेगी। ओडिया भाषा साहित्य एवं संस्कृति विभाग ने बृहस्पतिवार को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की। अधिसूचना में कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों में समाज के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए राज्य सरकार ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तियों को 30,000 रुपये का मानदेय प्रदान करने का निर्णय लिया है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मार्च 2024 में पूर्ववर्ती बीजद सरकार ने 25,000 रुपये मासिक मानदेय की घोषणा की थी। हालांकि, इसे अब तक लागू नहीं किया गया है।

# सातवीं दिल्ली विधानसभा पांच साल में 74 दिन ही चली : रिपोर्ट

**नयी दिल्ली, (भाषा)** सातवीं दिल्ली विधानसभा अपने पांच साल के कार्यकाल में सिर्फ 74 दिन ही चली, जो पिछली सभी विधानसभाओं की तुलना में सबसे कम आंकड़ा है। यह जानकारी 'थिंक टैंक' 'पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च' की एक रिपोर्ट में दी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विधानसभा सत्र हर साल बुलाए जाते थे और कई भागों में विभाजित किए जाते थे। प्रत्येक वर्ष, सत्रों को बिना सत्रावसान के स्थगित कर दिया जाता था और उन्हें कई हिस्सों में विभाजित कर दिया जाता था। रिपोर्ट के अनुसार, इसके परिणामस्वरूप कई मौकों पर सदन की बैठक सिर्फ एक या दो दिन ही हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि उपराज्यपाल सत्र बुलाते और स्थगित करते हैं, लेकिन सत्र के दौरान बैठक बुलाने का काम अध्यक्ष का होता है। सातवीं दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र 20 फरवरी, 2020 को शुरू हुआ था और पांच भागों में आयोजित होने के बाद तीन मार्च, 2021 को इसका सत्रावसान कर दिया गया था। दूसरा सत्र तीन मार्च, 2021 को शुरू हुआ और चार भागों के बाद आठ मार्च, 2022 को इसका सत्रावसान किया गया। तीसरा सत्र आठ मार्च, 2022 को ही शुरू हुआ और चार भागों में सदन चलने के बाद नौ मार्च, 2023 को इसका सत्रावसान कर दिया गया। चौथा सत्र नौ मार्च, 2023 को बुलाया गया और सात फरवरी, 2024 को इसका सत्रावसान हुआ। इस बार भी चार भागों में ही इसे आहूत किया गया। पांचवां सत्र सात फरवरी, 2024 को आहूत किया गया और अभी तक इसका सत्रावसान नहीं किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पांच वर्षों में केवल 14 विधेयक पारित किए गए, जो इसके पिछले सभी कार्यकालों के बाद से सबसे कम संख्या है। चौदह विधेयकों में से पांच विधायकों के वेतन से संबंधित थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी विधेयक या तो उसी दिन या अगले दिन पारित किए गए। कुल 74 दिनों के सत्र के दौरान प्रश्नकाल केवल नौ दिन ही हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2025 के बीच दिल्ली के विधायकों ने हर साल औसतन 219 सवाल पूछे। इसके विपरीत, 2019 से 2024 के बीच लोकसभा में सांसदों ने हर साल औसतन 8,200 सवाल पूछे। दिल्ली में पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को मतों की गिनती होगी।

## सुरक्षा संवर्ग कर्मियों को वेतनमान पर ध्यान दिये बिना रात्रि ड्यूटी भत्ता दिया जायेः रेलवे यूनियन

**नयी दिल्ली, (भाषा)** सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दिये जाने के बाद रेलवे यूनियनों के एक वर्ग ने सरकार से रात्रि ड्यूटी भत्ते को लेकर अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने 13 जुलाई, 2020 को एक कार्यालय ज्ञापन जारी किया था, जिसके अनुसार अन्य शर्तों के साथ–साथ ''रात्रि ड्यूटी भत्ते की पात्रता के लिए मूल वेतन की अधिकतम सीमा 43,600 रुपये प्रति माह होगी''। पूर्वोत्तर रेलवे मेंस कांग्रेस के सहायक महासचिव विवेक मिश्रा ने कहा, ''डीओपीटी ओएम (कार्यालय ज्ञापन) के अनुसार, यदि किसी कर्मचारी का मूल वेतन 43,600 रुपये से अधिक है, तो उसके रात्रि ड्यूटी भत्ते (एनडीए) की गणना उसके मूल वेतन को 43,600 रुपये मानकर की जाएगी, जो अनुचित और तर्कहीन है।'' रेलवे बोर्ड ने हालांकि 29 सितंबर, 2020 को एक निर्देश जारी किया था और कहा था कि एनडीए उन कर्मचारियों को ही दिया जायेगा, जो केवल वेतन स्तर सात तक हैं। इससे उच्च वेतन स्तर आठ और नौ के कर्मचारियों को एनडीए का कोई भी लाभ मिलने की सम्भावना समाप्त हो गई। मिश्रा ने कहा, ''रेल मंत्रालय ने भी इस तरह का प्रतिबंध लगाने के लिए कोई तर्क नहीं दिया। यह हतोत्साहित करने वाला है। क्योंकि सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की है, मैं डीओपीटी के साथ–साथ रेल मंत्रालय से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि वे इस पहलू पर अलग से विचार करें क्योंकि रेलवे का कामकाज अन्य सरकारी विभागों की तरह नहीं है।'' यूनियनों के अनुसार, "2020 से पहले, सभी सरकारी कर्मचारियों को उनके पदक्रम वेतन की परवाह किए बिना रात 10 बजे से सुबह छह बजे के बीच काम करने के लिए उक्त भत्ता मिलता था। लेकिन सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट के बाद जब कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर अधिकतम सीमा तय कर दी, तो सुरक्षा विभाग के कई कर्मचारी अब एनडीए से वंचित हो गए हैं।'' 'नॉर्दर्न रेलवे ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन' के महासचिव सुमीर आइमा ने कहा, ''एक स्टेशन मास्टर रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक आठ घंटे काम करता है और उसे एनडीए का लाभ मिलता है, क्योंकि वह वेतन स्तर सात में आता है। दूसरी ओर, यदि किसी अन्य स्टेशन मास्टर को स्तर आठ या स्तर नौ में पदोन्नत किया जाता है, तो उसे समान ड्यूटी घंटे करने के बावजूद लाभ नहीं मिलता, भले ही वह स्तर सात वाले से अधिक अनुभवी क्यों न हो।'' अखिल भारतीय रेलगाड़ी नियंत्रक संघ (एआईटीसीए) के पूर्व सहायक महासचिव मनोज सिन्हा ने कहा, ''जब वरिष्ठ अधिकारी घर पर सो रहे होते हैं तो ये कर्मचारी लोगों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचने में मदद करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं।

## उत्तर प्रदेशः हस्तशिल्पियों के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा महाकुम्भ

**महाकुम्भ नगर, (भाषा)** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेला राज्य के हस्तशिल्पियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है। मेला क्षेत्र के लगभग छह हजार वर्ग मीटर में लगाई गई 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) प्रदर्शनी में कालीन, जरी–जरदोजी का काम, फिरोजाबाद के कांच के खिलौने और वाराणसी के लकड़ी के खिलौने समेत कई बेहतरीन हस्तशिल्प प्रदर्शित किए जा रहे हैं। प्रयागराज मंडल में संयुक्त उद्योग आयुक्त शरद टंडन ने बताया कि 2019 में आयोजित पिछले कुम्भ की तुलना में कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। टंडन ने बताया, "2019 में 4.30 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था लेकिन इस बार हमें 35 करोड़ रुपये तक के कारोबार की उम्मीद है। यह उल्लेखनीय वृद्धि रोजगार के नये अवसर प्रदान करेगी और छोटे उद्यमियों को सशक्त बनाएगी।" ई–कॉमर्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी 'फ्लिपकार्ट' ने एक स्टॉल लगाया है, जहां स्थानीय उद्यमियों को मुफ्त बिक्री का अवसर दिया जा रहा है। कारीगर और हस्तशिल्प विक्रेता अब बिना किसी शुल्क के फ्लिपकार्ट के मंच पर अपने उत्पाद बेच सकते हैं, जो बड़ी संख्या में खरीदारों और आगंतुकों को आकर्षित कर रहा है। प्रदर्शनी विभिन्न शिल्प और भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों के माध्यम से उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी सामने लाती है। जीआई विशेषज्ञ रजनीकांत ने बताया कि इस पहल के तहत राज्य के 75 जीआई उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें वाराणसी की लाल मिर्च, बनारसी साड़ियां, प्रतापगढ़ का आंवला, मिर्जापुर के पीतल के बर्तन और गोरखपुर का टेराकोटा शामिल हैं। इसके अलावा, कुशीनगर के कालीन, फिरोजाबाद के कांच के खिलौने और बर्तन प्रदर्शनी के शीर्ष आकर्षणों में से हैं। उन्होंने बताया कि इन 75 जीआई उत्पादों में से 34 काशी क्षेत्र के हैं, जिसने इन अद्वितीय शिल्पों को मान्यता और संरक्षण प्रदान करते हुए जीआई टैग हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रजनीकांत ने बनारस की ठंडाई, लाल पेड़ा और बनारसी तबला जैसे अन्य प्रतिष्ठित उत्पादों को वैश्विक मंच पर लाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया। महाकुम्भ न केवल क्षेत्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है बल्कि उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार मंच भी बनाता है। देश–विदेश से आने वाले पर्यटक स्थानीय कारीगरों से उत्पाद खरीद रहे हैं, जो इन दस्तकारी उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता को जाहिर करता है।

## संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी के बीच होने की संभावना

**नयी दिल्ली,** संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी के बीच होने की संभावना है। इस दौरान, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम बजट पेश करेंगी। परंपरा के अनुरूप सत्र की शुरुआत संभवतः 31 जनवरी को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक से होगी, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी। इसके बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। इसके बाद एक फरवरी सीतारमण लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। सूत्रों ने बताया कि सत्र का दूसरा भाग मार्च के दूसरे सप्ताह और अप्रैल के पहले सप्ताह के बीच होगा। इसकी संभावित अवधि 10 मार्च से 4 अप्रैल तक हो सकती है। सत्र के पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर दोनों सदनों में बहस होती है और संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री के जवाब के साथ यह समाप्त होता है।

## दिल्ली चुनावः भाजपा के मालवीय नगर प्रत्याशी ने निर्वाचन क्षेत्र के लिए 'विकास की रूपरेखा' जारी की

**नयी दिल्ली, (भाषा)** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा चुनाव में मालवीय नगर से उम्मीदवार सतीश उपाध्याय ने शुक्रवार को निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपनी 'विकास की रूपरेखा' जारी की। इस 'विकास की रूपरेखा' में स्थानीय मुद्दों के लिए एकल खिड़की समाधान, बिजली और पानी के बिल की समीक्षा, कूड़ा हटाने और स्वच्छ पेयजल का वादा किया गया है। भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष का मुकाबला मालवीय नगर से आम आदमी पार्टी (आप) के निवर्तमान विधायक सोमनाथ भारती से है। उपाध्याय ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए खुले नालों, जलभराव, सीवेज, यातायात जाम, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के मामले, पार्किंग की सुविधा, सुसज्जित पार्क और राशन कार्ड पंजीकरण को फिर से शुरू करने जैसे मुद्दों को हल करने का वादा किया। उन्होंने कहा, '' आम आदमी पार्टी जनता से किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रही। पानी की आपूर्ति और सीवर की समस्या जैसी बुनियादी समस्याएं अभी भी अनसुलझी हैं। दिल्ली को पेरिस या लंदन जैसा बनाने का सपना अधूरा है, लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।" भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि शहर का बुनियादी ढांचा 'दयनीय' स्थिति में है, टूटी सड़कें और बारिश के दौरान जलभराव आम बात है, जबकि स्वास्थ्य सुविधाएं भी अपर्याप्त हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत और डिजिटल भारत के दृष्टिकोण के तहत मालवीय नगर का व्यापक विकास होगा तथा भाजपा 25 साल से अधिक के अंतराल के बाद दिल्ली में अपनी सरकार बनाएगी।

## एनआईटी राउरकेला ने भारत की नवीकरणीय ऊर्जा वृद्धि के लिए नयी कैथोड प्रौद्योगिकी विकसित की

**नयी दिल्ली, (भाषा)** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), राउरकेला के अनुसंधानकर्ताओं ने लिथियम–आयन बैटरी के लिए कैथोड सामग्री की एक नयी श्रेणी विकसित की है, जो कोबाल्ट–आधारित डिजाइन का एक आशाजनक विकल्प पेश करती है। यह नवाचार पारंपरिक लिथियम–आयन बैटरी में एक प्रमुख घटक कोबाल्ट की उच्च लागत, कमी और पर्यावरणीय चिंताओं से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करेगा। अनुसंधान टीम ने कोबाल्ट के टिकाऊ और किफायती विकल्प के रूप में मैग्नीशियम आधारित कैथोड सामग्री विकसित की है। एनआईटी राउरकेला में सिरेमिक इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर पार्थ साहा ने कहा कि स्मार्टफोन, लैपटॉप और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) जैसे उपकरणों को ऊर्जा प्रदान करने वाली लिथियम–आयन बैटरी में मुख्य रूप से कोबाल्ट आधारित कैथोड का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि हालाँकि, कोबाल्ट कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है, जिनमें इसकी उच्च लागत और मूल्य अस्थिरता तथा सीमित उपलब्धता आदि शामिल है। साहा ने कहा, ''लिथियम–आयन बैटरी की मांग बढ़ती जा रही है। ये मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। अनुमानों से संकेत मिलता है कि 2050 तक कोबाल्ट की वैश्विक आपूर्ति बढ़ती मांग को पूरा नहीं कर पाएगी, जिससे वैकल्पिक सामग्री विकसित करने की तत्काल आवश्यकता को बल मिलता है।'' मैग्नीशियम के कई लाभ हैं। यह सस्ता है और भारत में प्रचुर मात्रा में व्यापक रूप से उपलब्ध है। तमिलनाडु, उत्तराखंड और कर्नाटक जैसे राज्यों में इसके महत्वपूर्ण भंडार हैं। इसके अतिरिक्त, मैग्नीशियम पर्यावरण के अनुकूल है जो बैटरी उत्पादन के पारिस्थितिकी प्रभाव को कम करने में मदद करता है। साहा ने कहा, ''हमारे अनुसंधान से पता चलता है कि नए कैथोड में 100 'चार्ज–डिस्चार्ज' चक्रों के बाद इसकी मूल क्षमता का 74.3 प्रतिशत बरकरार रहता है, जो पारंपरिक कोबाल्ट–आधारित कैथोड में देखी गई तीव्र क्षमता हानि की तुलना में एक महत्वपूर्ण सुधार है।'' उन्होंने बताया कि इस सफलता के व्यापक निहितार्थ और अनुप्रयोग हैं तथा यह इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सस्ती और उच्च प्रदर्शन वाली बैटरी बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है, जिससे बढ़ते ईवी उद्योग में इसका महत्वपूर्ण योगदान होगा। साहा ने कहा, ''इसके अतिरिक्त, यह सतत विकास के लिए आवश्यक किफायती ऊर्जा भंडारण समाधान उपलब्ध कराकर भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन करेगी। आयातित सामग्री पर निर्भरता को कम करके यह नवाचार बैटरी उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता को भी बढ़ाएगी जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में देश की स्थिति मजबूत होगी।''

## सभी असुरक्षित, सैफ पर हमले ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की पोल खोल दी : पटोले

**मुंबई, (भाषा)** कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि अभिनेता सैफ अली खान पर हमले ने महाराष्ट्र की 'ध्वस्त' हो चुकी कानून–व्यवस्था की पोल खोल दी है जहां मशहूर हस्तियां, सत्तारूढ़ दल के नेता और नागरिक असुरक्षित हैं। कांग्रेस नेता ने राज्य का गृह विभाग भी संभाल रहे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 'अप्रभावी' और 'कमजोर' करार दिया और उनसे गृह मंत्री के पद से इस्तीफा देने की मांग की क्योंकि राज्य में बढ़ती अपराध दर सरकार की विफलता को दर्शाती है। पटोले ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री को खोखले बयान देने के बजाय ठोस कार्रवाई करने का साहस दिखाना चाहिए। सैफ अली खान (54) पर बुधवार–बृहस्पतिवार की दरमियानी रात बांद्रा में 12वीं मंजिल स्थित उनके अपार्टमेंट में एक घुसपैठिये ने चाकू से कई वार किए और फरार हो गया। चिकित्सकों के मुताबिक सैफ अब खतरे से बाहर हैं। पटोले ने कहा कि पद्मश्री पुरस्कार विजेता अभिनेता पर हमला महाराष्ट्र में कानून–व्यवस्था 'ध्वस्त' होने का ज्वलंत उदाहरण है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''अगर मुंबई के बांद्रा जैसे व्यस्त इलाके में ऐसी घटनाएं होती हैं, तो शहर में कौन सुरक्षित है? मुंबई, पुणे, बीड, परभणी और नागपुर में बढ़ती अपराध दर को देखते हुए, कोई भी आश्चर्य करता है कि क्या राज्य में कोई गृह मंत्री है भी या नहीं।'' उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत 'महायुति' सरकार ने अराजकता को पनपने दिया है और खान पर हमला अपराधियों द्वारा राज्य की कानून व्यवस्था को सीधी चुनौती है। पटोले ने कहा कि भाजपा राज में अपराधी बेखौफ हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उनके पसंदीदा पुलिस महानिदेशक पूरी तरह से अप्रभावी साबित हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि मुंबई में दो पुलिस आयुक्त होने के बावजूद, न तो राज्य में और न ही मुंबई में प्रभावी कानून और व्यवस्था है। उन्होंने दावा किया, ''बीड में बढ़ता संगठित अपराध, अपराधियों को राजनीतिक समर्थन, परभणी में हिरासत में मौतें, बांद्रा में पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या और सलमान खान के घर पर गोलीबारी गंभीर घटनाएं हैं। फडणवीस गृह मंत्री के तौर पर विफल रहे हैं। महाराष्ट्र में मशहूर हस्तियां, सत्ताधारी पार्टी के नेता और आम नागरिक सभी असुरक्षित हैं।''

पटोले ने कहा, ''अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा, सख्त कार्रवाई की जाएगी'' जैसे बयानों को दोहराने के बजाय, मुख्यमंत्री को कड़ी कार्रवाई करने का साहस जुटाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' की विशेष स्क्रीनिंग में फडणवीस के हिस्सा लेने का संदर्भ देते हुए दावा किया, ''राज्य में अपराध दर बढ़ने से यह स्पष्ट है कि फडणवीस स्थिति को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अभिनेता सैफ अली खान पर जानलेवा हमले के बाद, इस मुद्दे से निपटने के बजाय मुख्यमंत्री फिल्मों के प्रचार में व्यस्त हैं।'' पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसे ऐसा ''निष्क्रिय'' और ''कमजोर'' गृह मंत्री मिला है।

## रोहित ने संकेत दिया, खिलाड़ियों को 10 सूत्री निदेश पर कुछ संदेह, बीसीसीआई से मुद्दे पर चर्चा करेंगे

**मुंबई, (भाषा)** मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा तैयार किए गए 10 सूत्री अनुशासनात्मक दिशा–निर्देशों में कुछ नियमों पर रोहित शर्मा को असंमजस है और भारतीय कप्तान इस मुद्दे पर बोर्ड सचिव देवाजीत सैकिया से चर्चा करने वाले हैं। बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर दिशा–निर्देशों की घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया की खबरों में ये 10 सूत्री निर्देश सामने आ चुके हैं। नीति दस्तावेज में एक मुख्य विवाद पुराने दिनों की ओर लौटना है जब परिवारों को लंबे दौरों पर केवल 14 दिन के लिए अनुमति दी जाती थी। किसी भी बदलाव के लिए कोच गंभीर की मंजूरी की आवश्यकता होगी। यह समझा जाता है कि यह नियम टीम के खिलाड़ियों को अच्छा नहीं लगा है। प्रेस कांफ्रेंस शुरू होने से पहले जब रोहित चयनकर्ताओं के अध्यक्ष अजीत अगरकर के पास बैठे थे तो उन्हें मुंबई के अपने पूर्व साथी से यह कहते हुए सुना गया, ''अब मेरे को बैठना पड़ेगा सचिव के साथ। फैमिली–वैमिली का डिस्कस करने के लिए, सब मेरे को बोल रहे हैं यार। हर कोई (खिलाड़ी) मुझसे पूछ रहा है।'' रोहित की टिप्पणी मीडिया के लिए नहीं थी लेकिन यह 'माइक्रोफोन' में रिकॉर्ड हो गई जिसका मतलब समझना मुश्किल नहीं था। जब रोहित ने दिशा–निर्देशों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, ''आपको इन नियमों के बारे में किसने बताया? क्या यह बीसीसीआई के आधिकारिक हैंडल से आया है? इसे आधिकारिक तौर पर आने दें।'' हालांकि जब अगरकर ने बात की तो उन्होंने स्वीकार किया कि एक एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) मसौदा तैयार किया गया है। अगरकर से पूछा गया कि आखिर क्या गलत हुआ कि टी20 विश्व कप जीतने के छह महीने के अंदर बीसीसीआई को उन्हीं खिलाड़ियों के साथ एक यात्रा नीति दस्तावेज की आवश्यकता पड़ गई? ऑस्ट्रेलिया की हार पर चर्चा करने वाली समीक्षा समिति की बैठक का हिस्सा रहे अगरकर ने कहा, ''अगर हम इस पर बात करते रहेंगे तो शायद यह चर्चा जारी रहेगी।'' उन्होंने तर्क देने की कोशिश करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि हर टीम के कुछ नियम होते हैं। हमने पिछले कुछ महीनों में कई चीजों के बारे में बात की है जिसमें आप एक टीम के रूप में सुधार कर सकते हैं। यह कोई स्कूल नहीं है। यह कोई सजा नहीं है। अगरकर ने कहा, ''बस इतना है कि आपके पास कुछ नियम होते हैं और जब आप राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हैं तो आप उन नियमों का पालन करते हैं। ये परिपक्व खिलाड़ी हैं। वे अंतरराष्ट्रीय खेल में अपने आप में सुपरस्टार हैं।''

कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा कि ये नियम हमेशा से ही रहे हैं और अगरकर ने उन्हें 'प्रोटोकॉल' कहा है जिसका राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते समय पालन करना होता है। उन्होंने कहा, ''लेकिन आखिरकार आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिनका आप स्वाभाविक रूप से पालन करते हैं जैसा कि हर टीम करती है। मुझे लगता है कि उनमें से बहुत से नियम लागू हैं।'' अगरकर ने कहा, ''हो सकता है कि हमने इस बारे में अभी बात की हो और इसे सामने रखा हो, लेकिन उनमें से बहुत से पहले ही लागू हो चुके हैं। अंत में टीम के अनुकूल क्या है, उसी के अनुसार आप इन्हें सुधारते रहते हैं। आप कोशिश करना चाहते हैं और तय करते हैं।'' रोहित के मुख्य कोच के साथ कामकाजी संबंधों के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं जिस पर कप्तान ने कहा कि एक बार जब वह खेल के मैदान में उतरते हैं तो वह बहुत स्पष्ट होते हैं। उन्होंने कहा, ''हम दोनों (वह और गंभीर) इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट हैं कि हम क्या करना चाहते हैं। मैं यहां बैठकर यह चर्चा नहीं करने जा रहा हूं कि हर मैच के पीछे क्या रणनीति होती है लेकिन यह मेरे दिमाग में बहुत स्पष्ट है।'' रोहित ने कहा, ''गौतम गंभीर एक ऐसे व्यक्ति हैं जो मैदान पर उतरने के बाद कप्तान के मैदान पर किए जा रहे काम पर भरोसा करते हैं।''

## चार स्पिनरों के जांचे परखे फार्मूले पर निर्भरता के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से सिराज बाहर

**मुंबई, (भाषा)** स्पिन पर भारत की निर्भरता और पुरानी गेंद से मोहम्मद सिराज के प्रभावित नहीं कर पाने के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी टीम से उन्हें बाहर रहना पड़ गया । भारत ने 19 फरवरी से शुरू हो रहे आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिये 15 सदस्यीय टीम का शनिवार को ऐलान किया । भारत को अपने सारे मैच दुबई में खेलने हैं । दुबई की पिचें तेज गेंदबाजों की ज्यादा मदद नहीं करती लिहाजा भारत ने वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप की तरह चार स्पिनरों कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर को चुना है । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने वानखेड़े स्टेडियम पर टीम का ऐलान करने के बाद मीडिया से कहा ,'' हम ऐसी टीम चाहते थे जिसमें हमारे पास दोनों विकल्प हों यानी नयी गेंद से गेंदबाजी का और डैथ ओवरों का भी ।'' जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिये उपलब्ध नहीं हैं और 12 फरवरी को अहमदाबाद में आखिरी मैच में ही लौटेंगे । नागपुर और कटक में पहले दो वनडे के लिये हर्षित राणा को चुना गया है । रोहित ने स्वीकार किया कि सिराज की गैर मौजूदगी में टीम में अनुभव की कमी लग रही है लेकिन उन्होंने इस फैसले का कारण भी बताया । उन्होंने कहा ,'' हम चाहते थे कि अर्शदीप सिंह आखिर में और मोहम्मद शमी नयी गेंद से गेंदबाजी करे । अगर सिराज नयी गेंद से गेंदबाजी नहीं कर रहा है तो वह उतना प्रभावित नहीं कर पाता ।'' उन्होंने कहा ,'' हमने इस पर विस्तार से बात की और हम तीन तेज गेंदबाजों को ही लेकर जा रहे हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि सारे हरफनमौला उपलब्ध हों । सिराज के लिये यह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं था । हमें विशेष भूमिका के लिये विशेष खिलाड़ी चाहिये ।''

## इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए उपलब्ध नहीं होंगे बुमराह, उन्हें आराम करने को कहा गया: अगरकर

**मुंबई, (भाषा)** मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शनिवार को कहा कि जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए फिट नहीं हो पाएंगे जिसके कारण हर्षित राणा को उनकी जगह शामिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वे मुख्य तेज गेंदबाज की स्थिति पर मेडिकल टीम से अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। बुमराह को हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के बाद होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल किया गया है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ एक प्रेस कांफ्रेंस में अगरकर ने कहा, ''बुमराह को पांच सप्ताह के लिए आराम करने को कहा गया है जिससे वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे के लिए उपलब्ध नहीं हो पायेंगे। हम उनकी फिटनेस का इंतजार कर रहे हैं और हमें मेडिकल टीम से उनकी स्थिति के बारे में फरवरी की शुरुआत में पता चलेगा।'' बुमराह बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के अंत में चोटिल हो गए थे और पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सिडनी में अंतिम टेस्ट की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाये थे जिसके बाद उनका स्कैन किया गया था। अगरकर ने कहा, ''उनकी फिटनेस के बारे में हमें शायद अगले हफ्ते या उससे ज्यादा समय में उनकी फिटनेस के बारे में और जानकारी मिलेगी। बेहतर होता अगर बीसीसीआई इसके बारे में अपडेट करे। मैं जो बताऊं, हो सकता है वह सही नहीं हो। मैं गलत नहीं हूं क्योंकि मुझे पता है कि उन्हें पांच हफ्ते के लिए गेंदबाजी से दूर रहने के लिए कहा गया था जो फरवरी के पहले हफ्ते की शुरुआत है।'' उन्होंने कहा, ''हमें शायद उस समय तक थोड़ा और पता चलेगा। मुझे यकीन है कि बीसीसीआई फिजियो से कुछ कह सकता है।' ब्रिसबेन टेस्ट में भारत की हार के बाद कप्तान रोहित ने पिछले महीने मोहम्मद शमी की फिटनेस स्थिति पर बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से जवाब मांगा था। शनिवार को अगरकर ने भी यही बात कही।

## ओलंपिक पदक की गुणवत्ता उच्च कोटि की होनी चाहिएः मनु भाकर

**नयी दिल्ली, (भाषा)** भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिए ओलंपिक पदक से बड़ा कोई स्मृति चिन्ह नहीं है इसलिये इसकी गुणवत्ता उच्च कोटि की होनी चाहिए। पेरिस ओलंपिक के पदकों की चमक इन्हें दिए जाने के कुछ ही महीनों बाद फीकी पड़ गई है। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर मिश्रित टीम स्पर्धा में भाकर द्वारा जीते गए दो कांस्य पदकों की चमकीली ऊपरी परत उखड़ गई जिससे उनका अंदर का हिस्सा दिख रहा है। उन्होंने और दुनिया भर के कई खिलाड़ियों ने पदक की चमक फीकी होने के मुद्दे को उठाया और उन्हें बदलने की मांग की। राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से नवाजे जाने के बाद 22 वर्षीय इस शीर्ष निशानेबाज ने पुष्टि की कि उनके पदकों की चमक फीकी पड़ गई थी। खेल रत्न प्राप्त करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान भाकर ने कहा, ''पदक मिलने के तुरंत बाद दो तीन दिन के अंदर ही चमक फीकी होनी शुरू हो गई। मैं यह अपने पदक को देखने के बाद कह सकती हूं। ओलंपिक पदक जीवन भर संजोकर रखने वाली चीज है क्योंकि उस पदक के साथ बहुत बड़ी याद जुड़ी होती है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि किसी एथलीट के करियर में इससे बड़ी कोई यादगार चीज नहीं हो सकती। इसकी गुणवत्ता शीर्ष स्तर की होनी चाहिए और अगर आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) इसे बदल रही है तो यह बहुत अच्छा फैसला है क्योंकि भारत और अन्य देशों के बहुत से खिलाड़ियों ने शिकायत की है।'' आईओसी ने कहा कि फीके हुए पदकों को 'मोनैई डे पेरिस (फ्रांस का राष्ट्रीय टकसाल)' द्वारा व्यवस्थित रूप से बदला जाएगा। खिलाड़ियों को मिलने वाला नया पदक पुराने के समान ही होगा। भाकर ने पेरिस में अपनी सफलता के बाद प्रतियोगिताओं से ब्रेक ले लिया था, उन्होंने साल के अंत में होने वाले विश्व कप फाइनल और राष्ट्रीय चैंपियनशिप को छोड़ दिया था, लेकिन 2028 लॉस एंजिल्स खेलों को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से ट्रेनिंग कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''हां मैंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है, ढाई महीने हो गए हैं। 2028 ओलंपिक की दौड़ तक उतार–चढ़ाव तो चलेगा।

## छेत्री के गोल से बेंगलुरू एफसी को मिला एक अंक, केरला ब्लास्टर्स ने खेला गोलरहित ड्रॉ

**हैदराबाद, (भाषा)** महान फुटबॉलर सुनील छेत्री के सत्र के 10वें गोल की मदद से बेंगलुरु एफसी ने शनिवार को यहां इंडियन सुपर लीग मैच में हैदराबाद एफसी से 1–1 ड्रॉ खेलकर अंक बांटे। देवेंद्र मुरगांवकर ने पहले हाफ में 21वें मिनट में गोल कर हैदराबाद एफसी को 1–0 से आगे कर दिया। लेकिन 40 साल के छेत्री ने 78वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। इस तरह छेत्री अपने आईएसएल करियर में दूसरी दफा 10 से ज्यादा गोल करने में कामयाब रहे। उन्होंने 2017–18 अभियान में 14 गोल किये थे। कोच्चि में एक अन्य मैच में केरला ब्लास्टर्स ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से गोलरहित ड्रॉ खेलकर अंक बांटे।

## रेल संघों ने आठवें वेतन आयोग के गठन के फैसले का स्वागत किया

**नयी दिल्ली, (भाषा)** अखिल भारतीय रेलवे कर्मचारी महासंघ (एआईआरएफ) ने कहा है कि आठवें वेतन आयोग के गठन का केंद्र सरकार का फैसला उसके कर्मचारियों की वित्तीय जरूरतों और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने की उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एआईआरएफ के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने कहा, ''यह विभिन्न क्षेत्रों में, विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण समय के दौरान केंद्र सरकार के कर्मचारियों द्वारा किए गए अमूल्य योगदान की हमारी सामूहिक मान्यता को दर्शाता है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के वेतन और 65 लाख पेंशनभोगियों के भत्तों में संशोधन करने के लिए 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी थी। मिश्रा ने एक बयान में प्रधानमंत्री मोदी के साथ–साथ भारत सरकार को इस लंबे समय से लंबित मांग पर विचार करने के लिए धन्यवाद दिया। मिश्रा ने उम्मीद जताई कि आयोग समय–सीमा के भीतर अपना काम पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय ''हमारे देश की सेवा करने वाले समर्पित कर्मचारियों के लिए उचित और न्यायसंगत मुआवजा सुनिश्चित करने के हमारे चल रहे प्रयासों'' में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

## अंकिता ने नैखटा के साथ 2025 सत्र का पहला युगल खिताब जीता

**नयी दिल्ली, (भाषा)** भारत की शीर्ष टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने शनिवार को यहां ब्रिटिश जोड़ीदार नैखटा बैंस के साथ आईटीएफ डब्ल्यू50 स्पर्धा की चैम्पियन बनने के साथ ही नौ महीने में अपना पहला युगल खिताब जीता। गैर वरीयता प्राप्त भारतीय–ब्रिटिश जोड़ी ने डीएलटीए परिसर में हुए फाइनल मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका की जेसी एनी और जेसिका फेला की जोड़ी को एक घंटे 42 मिनट तक चले मैच में 6–4, 3–6, 10–8 से हराया। अंकिता एकल स्पर्धा के पहले दौर में ही बाहर हो गई थीं लेकिन उन्होंने युगल खिताब जीतकर इस निराशा की भरपाई की। अंकिता ने इससे पहले अप्रैल 2024 में जापान में काशीवा में अपनी पहली युगल ट्रॉफी जीती थी। उन्होंने तब ताइपे की चिया यी त्साओ के साथ जोड़ी बनाई थी। इस बीच सातवीं वरीयता प्राप्त तातियाना प्रोजोरोवा और दूसरी वरीयता प्राप्त पन्ना उडवार्डी ने अपने–अपने मैचों में जीत के साथ फाइनल में जगह बनायी। दिन के पहले सेमीफाइनल में हंगरी की उडवार्डी ने ब्रिटिश चौथी वरीयता प्राप्त युरिको लिली मियाजाकी को 6–3, 6–2 से शिकस्त दी जबकि तातियाना ने लातविया की शीर्ष वरीयता प्राप्त दार्जा सेमेनिस्टाजा को 7–5, 6–2 से मात दी।

## हैदराबाद तूफान्स ने तमिलनाडु ड्रैगन्स को 4–0 से हराया

**रांची,** गोंजालो पेलाट के दो गोल से हैदराबाद तूफान्स ने शनिवार को यहां पुरुष हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में तमिलनाडु ड्रैगन्स को 4–0 से हराकर अपना अजेय अभियान जारी रखा। पेलाट ने 21वें और 48वें मिनट में दो गोल किये जबकि आर्थर डि स्लूवेर ने 31वें और टिम ब्रांड ने 33वें मिनट में गोल किया। इस जीत की बदौलत हैदराबाद तूफान्स सात मैच में 13 अंक लेकर दूसरे स्थन पर पहुंच गया है और तमिलनाडु ड्रैगन्स से पीछे है जो 15 अंक लेकर शीर्ष पर कायम है।

## पहले टी20 मैच के लिये भारत और इंग्लैंड की टीमें कोलकाता पहुंची

**कोलकाता, (भाषा)** विश्व चैम्पियन भारतीय टीम और यहां दौरे पर आई इंग्लैंड टीम बुधवार को होने वाले पहले टी20 मैच के लिये यहां पहुंच गई । ऐतिहासिक ईडन गार्डस पर तीन साल बाद पहला टी20 मैच हो रहा है । दोनों टीमों के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेली जायेगी । एसए 20 खेलकर आये इंग्लैंड के हरफनमौला लियाम लिविंगस्टान सबसे पहले पहुंचे जो दक्षिण अफ्रीका से सीधे आये थे । जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के बाकी सदस्य दुबई से शाम को यहां पहुंचे । टीम इंडिया के खिलाड़ी अपने अपने शहरों से आये हैं । नीतिश कुमार रेड्डी और रिंकू सिंह 4 . 30 पर पहुंचे । उसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा आये । मुख्य कोच गौतम गंभीर और बाकी खिलाड़ी शाम को पहुंचे । करीब चौदह महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे मोहम्मद शमी और हरफनमौला हार्दिक पंड्या देर रात को पहुंचेंगे। दोनों टीमें पहले मैच से पूर्व तीन अभ्यास सत्रों में भाग लेंगी । दूसरा टी20 चेन्नई में 25 जनवरी को और तीसरा दो फरवरी को मुंबई में खेला जायेगा ।

## अंडर–19 महिला टी20 विश्व कपः बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज की

**कुआलालंपुर, (भाषा)** बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को आईसीसी अंडर–19 महिला टी20 विश्व कप के बारिश से प्रभावित शुरुआती दिन जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने अहम मैच में न्यूजीलैंड को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया जबकि बांग्लादेश ने कम स्कोर वाले मैच में नेपाल को पांच विकेट से हराया। काओइमहे ब्रे ने सिर्फ एक रन खर्च कर तीन विकेट झटके जिससे ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को आसानी से हराया। मलेशिया में खराब मौसम के कारण तीन मैच रद्द कर दिए गए। इंग्लैंड और आयरलैंड का मुकाबले में और सात गेंद का खेल हुआ होता तो मैच का परिणाम निकल जाता। टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे नाइजीरिया और समोआ तथा अमेरिका और पाकिस्तान का मैच खराब मौसम के कारण शुरू नहीं हो सका। बांग्लादेश ने ग्रुप डी के मैच में नेपाल को 18.2 ओवर में 52 रन पर आउट करने के बाद 13.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। नेपाल के लिए सना परवीन ने 32 गेंद में सबसे ज्यादा 19 रन बनाये जबकि सीमान केसी (10) दोहरे अंक में रन बनाने वाली टीम की सिर्फ दूसरी बल्लेबाज रही। नेपाल के पांच बल्लेबाज रन आउट हुए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने भी 11 रन तक तीन विकेट गंवा दिये थे लेकिन सादिया इस्लाम (16) और कप्तान सुमैया अख्तर (12) ने विकेटों के पतन को रोककर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित ग्रुप सी के 11 ओवर के मैच में न्यूजीलैंड पर 22 रन की जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज जेमिमा बोथा (24 गेंद में 32 रन) और सिमोन लुरेंस (14 गेंद में 21 रन) के साथ कराबो मेसो (14 गेंद में 25 रन) के उपयोगी योगदान से टीम ने सात विकेट पर 91 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 69 रन पर रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 15 साल की ब्रे की शानदार गेंदबाजी से ग्रुप डी के मैच में स्कॉटलैंड को 48 रन पर आउट करने के बाद 6.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। ब्रे ने 3.1 ओवर में एक रन खर्च कर तीन विकेट चटकाये। स्कॉटलैंड के लिए एम्मा वालसिंघम ने सबसे ज्यादा 12 रन बनाये। इंग्लैंड ने ग्रुप बी के मैच में आयरलैंड के खिलाफ सात विकेट पर 144 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया । आयरलैंड की पारी के चौथे ओवर में बारिश के खलल के कारण मैच रद्द हो गया। बारिश के खलल से पहले आयरलैंड ने 3.5 ओवर में दो विकेट पर 28 रन बना लिये थे। टी20 में परिणाम के लिए दूसरी पारी में पांच ओवर का खेल जरूरी है ऐसे में महज सात गेंद के कारण इस मैच का परिणाम नहीं निकल सका।

## स्मरण के शतक ने शोरे से प्रयास पर पानी फेरा, कर्नाटक ने पांचवी बार जीती विजय हजारे ट्रॉफी

**वडोदरा, (भाषा)** ध्रुव शोरे ने लगातार तीसरा शतक जड़ा लेकिन कर्नाटक ने स्मरण रविचंद्रन की कलात्मक शतकीय पारी की मदद से शनिवार को यहां एक बड़े स्कोर वाले फाइनल में विदर्भ को 36 रनों से हराकर पांचवीं बार विजय हजारे ट्रॉफी खिताब जीता। कर्नाटक की टीम पांचवीं बार इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची थी। टीम हर बार खिताबी मुकाबले को जीतने में सफल रही है। वामहस्त बल्लेबाज स्मरण की 92 गेंद में 101 की पारी खेलने के अलावा चौथे विकेट के लिए के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज कृष्णन श्रीजीत (74 गेंद में 78 रन) के साथ 160 और पांचवें विकेट के लिए अभिनव मनोहर (42 गेंद में 79 रन) के साथ 106 की आक्रामक साझेदारी कर कर्नाटक को 50 ओवर में छह विकेट पर 348 रन तक पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए शोरे की 110 और आखिरी ओवरों में हर्ष दुबे की 30 गेंद में 63 रन की पारी के बावजूद कर्नाटक की टीम 48.2 ओवर में 312 रन पर आउट हो गयी। हर्ष ने पांच चौके और इतने ही छक्के लगाये और आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में शतक लगाने वाले शोरे को दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिला। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' करुण नायर (27) के आउट होने के बाद विदर्भ का मध्यक्रम दबाव में आ गया।

विदर्भ की टीम बिना कोई मैच गंवाए फाइनल में पहुंची थी और टूर्नामेंट में उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की बड़ी पारियों के कारण मध्यक्रम को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिल सका था। फाइनल के दबाव में उसकी बल्लेबाजी बिखर गयी। भारत के वनडे टीम में जगह के लिए करुण के नाम पर चयनकर्ताओं के बीच गंभीर चर्चा हुई थी। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 389.5 की औसत से 779 रन बनाये। शोरे ने एक छोर से कुछ शानदार चौके लगाते हुए नायर के साथ 56 और अनुभवी जितेश शर्मा (34) के साथ 62 रन की साझेदारी की। विदर्भ की टीम हालांकि बीच के ओवरों में ज्यादा बाउंड्री नहीं लगा सकी जिससे दबाव बढ़ता गया। कर्नाटक के मध्यम गति के गेंदबाज वासुकी कौशिक ने इस बड़े स्कोर वाले मैच में 10 ओवर में 47 रन पर तीन विकेट झटक कर प्रभावित किया। अभिलाष शेट्टी ने 9.2 ओवर में 58 रन देकर तीन विकेट लिये। जबकि प्रसिद्ध ने भी तीन विकेट लिये लेकिन उन्होंने 10 ओवर में 84 रन लुटाये। शोरे को भारतीय टीम के इस गेंदबाज के खिलाफ रन बनाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। उन्होंने प्रसिद्ध खिलाफ छक्के के साथ अपना शतक पूरा किया। शोरे ने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाये। इससे पहले स्मरण ने ऑफ साइड में कुछ आकर्षक शॉट खेल कर प्रभावित किया। मनोहर ने क्रीज पर आते ही बाउंड्री की छड़ी लगा दी। उन्होंने 42 गेंद की पारी में 10 चौके और चार छक्के के साथ टीम को 350 रन के करीब पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

## गत चैम्पियन सिनर, रुने, स्वियातेक और मोंफिल्स ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में

**मेलबर्न, (एपी)** गत चैंपियन यानिक सिनर ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अमेरिका के 46वीं रैंकिंग वाले मार्कोस गिरोन को 6–3, 6–4, 6–2 से हराकर चौथे दौर में अपनी जगह पक्की की। विश्व की दूसरे नंबर की महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश करते हुए ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु पर आसान जीत दर्ज की जबकि गाएल मोंफिल्स ने 38 साल की उम्र में भी अपना दमदार खेल दिखाते चौथे दौर में जगह बनाई। सिनर की यह लगातार 17वीं जीत है। इटली के 23 साल के खिलाड़ी ने चौथी बार इस ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में जगह बनाई है। उनके सामने विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज होल्गर रूने की चुनौती होगी। डेनमार्क के रूने ने मियोमिर केकमानोविच को पांच सेट तक चले मुकाबले में 6–7, 6–3, 4–6, 6–4, 6–4 से शिकस्त दी। स्वियातेक ने मैच के अंतिम 11 गेम जीतकर अमेरिकी ओपन में 2021 की चैंपियन राडुकानु को 6–1, 6–0 से हराया। पिछले साल डोपिंग मामले के कारण एक महीने का निलंबन स्वीकार करने वाली स्वियातेक ने चार बार फ्रेंच ओपन और 2022 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हालांकि वह अभी तक सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई है। स्वियातेक ने मैच के बाद कहा, '' मैंने कुछ अच्छे शॉट लगाए और बाद में मैंने सोचा कि मैं इसी के लिए अभ्यास करती हूं। शुरू से ही मुझे लगा कि मैं अच्छा खेल रही हूं और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा।'' आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो भी ओन्स जाबेउर को 6–4, 3–6, 6–4 से हराकर चौथे दौर में पहुंच गई हैं। नवारो ने 2024 की शुरुआत से अब तक डब्ल्यूटीए स्तर पर 30 तीन सेट वाले मैच खेले हैं, जो इस अवधि में किसी भी खिलाड़ी से सबसे अधिक हैं। इस बीच अमेरिका के 20 वर्षीय खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रूस के करेन खाचानोव को 6–3, 7–6 (5), 6–2 से हराकर पुरुष एकल के चौथे दौर में प्रवेश किया। मिशेलसन ने पहले दौर में स्टेफानोस सितसिपास को हराया था। मिशेलसन ने मैच के बाद कहा, ''मैंने अविश्वसनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। मैं वास्तव में नहीं जानता कि क्या हो रहा है। मैं बहुत खुश हूं। इसे बयां करने के लिए अभी मेरे पास बहुत शब्द नहीं हैं।'' मिशेलसन अगले दौर में ऑस्ट्रेलिया के आठवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनाउर का सामना करेंगे जिन्होंने 31वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 5–7, 7–6 (3), 6–3, 6–3 से हराया। पिछले साल अमेरिकी ओपन के उपविजेता और यहां चौथी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज़ बाहर हो गए हैं। उन्हें 38 वर्षीय गेल मोंफिल्स ने 3–6, 7–5, 7–6 (1), 6–4 से हराया। मोंफिल्स साल के पहले ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में पहुंचने वाले 38 साल या इससे अधिक उम्र के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस तरह से रोजर फेडरर की बराबरी की। स्वयातेक अगले दौर में जर्मनी की 128वीं रैंकिंग वाली ईवा लिस का सामना करेगी।

## दिल्ली: गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर ड्रोन और अन्य 'हवाई प्लेटफार्म' के संचालन पर प्रतिबंध

**नयी दिल्ली, (भाषा)** गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में 'उप–पारंपरिक हवाई प्लेटफार्म' के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 18 जनवरी से लागू होगा और एक फरवरी तक जारी रहेगा। आदेश में कहा गया है कि भारत विरोधी आपराधिक या असामाजिक तत्व या आतंकवादी ऐसे हवाई 'प्लेटफार्म' का उपयोग करके सार्वजनिक सुरक्षा, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। आदेश में कहा गया, "दिल्ली पुलिस ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी के ऊपर 'उप–पारंपरिक हवाई प्लेटफार्म' की उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया है। आदेशों का उल्लंघन करना भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत दंडनीय होगा।"

## झारखंड में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के लिये 'शिशु शक्ति' खाद्य पैकेट का वितरण शुरू

**रांची, (भाषा)** झारखंड सरकार ने गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के लिए 'शिशु शक्ति' खाद्य पैकेट का वितरण शनिवार से शुरू कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शिशु शक्ति नामक खाद्य पैकेट, सरकार द्वारा वर्तमान में उपलब्ध कराए जा रहे राशन की तुलना में ऊर्जा, प्रोटीन और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर है। अधिकारी के मुताबिक, इस योजना का उद्देश्य राज्य को कुपोषण मुक्त बनाना है। राज्य सरकार में मंत्री दीपक बिरुआ और सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड में पायलट परियोजना के तौर पर इस पहल की शुरुआत की है।

## महाराष्ट्र में प्रभारी मंत्री नियुक्त, धनंजय मुंडे को सूची में जगह नहीं मिली

**मुंबई, (भाषा)** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता एवं महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे को शनिवार को राज्य सरकार द्वारा जारी प्रभारी मंत्रियों की सूची में जगह नहीं मिली। महाराष्ट्र में मंत्रियों को एक या उससे अधिक जिलों की जिम्मेदारी दी जाती है। पिछले महीने राज्य में भाजपा–राकांपा–शिवसेना की नयी सरकार के गठन के बाद से ही इस घोषणा का इंतजार था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस (जो गृह विभाग भी संभाल रहे हैं) नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले के प्रभारी मंत्री होंगे, जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार को उनके गृह जिले पुणे के अलावा बीड जिले की जिम्मेदारी भी दी गयी है। बीड के परली से विधायक धनंजय मुंडे पिछली सरकार के दौरान मध्य महाराष्ट्र के बीड जिले के संरक्षक मंत्री थे। हालांकि हाल ही में जिले में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर वह विपक्ष और स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों के निशाने पर आ गए। इस मामले में मुंडे के सहयोगी वाल्मिक कराड को गिरफ्तार किया गया है। राकांपा प्रमुख अजित पवार ने इस विवाद को लेकर मुंडे से इस्तीफा मांगने से इनकार कर दिया था। शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे (राज्य के उपमुख्यमंत्री) मुंबई शहर के साथ–साथ ठाणे जिले के भी प्रभारी मंत्री होंगे। इस बीच मुंडे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में अजित पवार को बधाई दी। मुंडे ने कहा कि उन्होंने पवार से बीड जिले में ''बदली हुई राजनीतिक और सामाजिक स्थिति'' के मद्देनजर बीड का प्रभारी मंत्री बनने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि पवार के बीड का प्रभारी मंत्री बनने से वहां पुणे की तरह विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुंडे के अलावा, कैबिनेट मंत्री दादाजी भुसे, दत्ता भरणे, भरत गोगावले और राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक और योगेश कदम को भी कोई जिला आवंटित नहीं किया गया। प्रदेश भाजपा प्रमुख चन्द्रशेखर बावनकुले को नागपुर और अमरावती का प्रभारी मंत्री बनाया गया है।

## दिल्ली: राकांपा ने विधानसभा चुनाव के लिए 30 उम्मीदवार मैदान में उतारे

**नयी दिल्ली, (भाषा)** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा नजरअंदाज किये जाने से नाराज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 30 सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा की। राकांपा नेता इस बात से नाराज हैं कि भाजपा ने महाराष्ट्र के अपने प्रमुख सहयोगी दल को नजरअंदाज किया जबकि बिहार में जनता दल–यूनाइटेड और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को एक–एक सीट दे दी। अजित पवार नीत राकांपा ने जिन 30 उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है उनमें से 13 अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। राकांपा प्रवक्ता बृजमोहन श्रीवास्तव ने कहा, "हमारा मानना है कि ये 30 उम्मीदवार पार्टी मूल्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे और दिल्ली में विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं।"राकांपा ने नई दिल्ली सीट से विश्वनाथ अग्रवाल को चुनाव मैदान में उतारा है, जहां से आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं भाजपा ने इस सीट से लोकसभा के पूर्व सदस्य प्रवेश वर्मा को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को उम्मीदवार बनाया है। कालकाजी सीट पर राकांपा ने जमील को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के खिलाफ मैदान में उतारा है। राकांपा ने मटिया महल, मादीपुर, हरि नगर, जनक पुरी, विकास पुरी, कस्तूरबा नगर, मालवीय नगर, संगम विहार, तुगलकाबाद, बदरपुर, लक्ष्मी नगर और शहादरा सहित अन्य सीट पर भी उम्मीदवार उतारे हैं। इससे पहले, राकांपा ने चुनाव में प्रचार के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान पांच फरवरी को होगा और मतगणना आठ फरवरी को होगी।

## एयरो इंडिया शो: बीबीएमपी ने 23 जनवरी से 17 फरवरी तक मांस दुकानों, मांसाहारी भोजनालयों पर पाबंदी लगाई

**बेंगलुरु, (भाषा)** बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर 23 जनवरी से 17 फरवरी तक येलहंका वायुसेना स्टेशन के 13 किलोमीटर के दायरे में मांस की दुकानों और मांसाहारी भोजनालयों को बंद करने का आदेश दिया है। बीबीएमपी ने कहा कि यह कदम 10 से 14 फरवरी तक होने वाले एयरो इंडिया शो के लिए एहतियात के तौर पर उठाया गया है। बीबीएमपी सूत्रों ने बताया कि यह कदम मुख्य रूप से अभ्यास सत्र और कार्यक्रम के दौरान विमानों से पक्षियों के टकराने को रोकने के लिए उठाया गया है। येलहंका जोन के संयुक्त आयुक्त कार्यालय द्वारा 17 जनवरी को जारी किये गए नोटिस के अनुसार, निर्दिष्ट क्षेत्र में मांस से संबंधित सभी प्रतिष्ठान 23 जनवरी से 17 फरवरी तक बंद रहेंगे। इसमें इस अवधि के दौरान मांसाहारी व्यंजन परोसने या बेचने पर प्रतिबंध शामिल है। बीबीएमपी ने चेतावनी दी है कि इस आदेश का उल्लंघन करने पर बीबीएमपी अधिनियम 2020 और भारतीय विमान नियम 1937, नियम 91 के तहत दंड लगाया जाएगा। एयरो इंडिया 2025, एक द्विवार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें अत्याधुनिक एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों के साथ–साथ सैन्य और अन्य विमानों की एक विविध श्रृंखला का प्रदर्शन किया जाएगा।

## मुक्त विश्वविद्यालय ने महाकुंभ अध्ययन के लिए प्रवेश शुरू किया

**महाकुंभ नगर, (भाषा)** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने महाकुंभ अध्ययन के लिए छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने मेला क्षेत्र में अनंत माधव मार्ग सेक्टर–सात स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में शनिवार को इस पाठ्यक्रम की शुरुआत की। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात मिश्रा ने बताया कि शनिवार को महाकुंभ में दूरस्थ शिक्षा की प्रासंगिकता विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने महाकुंभ क्षेत्र में कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को प्रवेश दिलाने के लिए प्रचार अभियान चलाया जाएगा। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के पूर्व निदेशक एस सी मिश्र इस प्रमाण पत्र कार्यक्रम के पहले विद्यार्थी बने। मिश्रा ने बताया कि शिविर में ही 100 से ज्यादा लोगों ने इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने पहली बार कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ किया है। इसमें महाकुंभ से संबंधित सभी जानकारियां समाहित की गई हैं। महाकुंभ आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को इसमें प्रवेश लेना चाहिए जिससे उन्हें कुंभ के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस समय पूरी दुनिया का ध्यान प्रयागराज के महाकुंभ पर है। ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए उन सभी के लिए छह महीने का यह प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम शुरू किया है। इसमें कुंभ के आयोजन से लेकर सभी तथ्यों को समाहित गया है। कुलपति ने बताया कि इसका अध्ययन पूरा करने के बाद विश्वविद्यालय की तरफ से एक विशिष्ट प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इस प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित जानकारी महाकुंभ में सभी सेक्टर में श्रद्धालुओं को कुंभ गाइड के माध्यम से पर्चा वितरित करके दी जाएगी।

## महाकुम्भ में सात करोड़ से अधिक रुद्राक्ष से निर्मित 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए उमड़े भक्त

**महाकुम्भ नगर, (भाषा)** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेले के शिव नगरी में सात करोड़ 51 लाख रुद्राक्ष से निर्मित 12 ज्योतिर्लिंग विशेष रूप से श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। महाकुम्भ के सेक्टर छह में निर्मित प्रत्येक ज्योतिर्लिंग 11 फुट ऊंचा, नौ फुट चौड़ा और सात फुट मोटा है, जिन्हें सात करोड़ 51 लाख रुद्राक्ष की मणियों की माला पहनाई गई है। इन रुद्राक्ष को 10,000 गांवों से पैदल घूम घूमकर भिक्षा में एकत्रित किया गया है। मौनी बाबा ने खुले आकाश में बने इन ज्योतिर्लिंगों के बारे में 'पीटीआई–भाषा' से जानकारी साझा करते हुए बताया, "आतंकवाद के नाश और बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा की कामना से पूजा अनुष्ठान कर लौह से शिवलिंग को आकार दिया और उन पर रुद्राक्ष की मालाओं को लपेटा गया।" उन्होंने बताया, "मैंने वर्षों पहले मन में रुद्राक्ष के ज्योतिर्लिंग की स्थापना का संकल्प लिया था। पिछले 37 वर्षों से मैं रुद्राक्ष का शिवलिंग बनाकर पूजा कर रहा हूं। यहां स्थापित ज्योतिर्लिंगों में एक मुखी से लेकर 26 मुखी तक के श्वेत रुद्राक्ष, काले रुद्राक्ष, लाल रुद्राक्ष का उपयोग किया गया है। " मौनी बाबा ने बताया कि यह रुद्राक्ष से बनी शिव नगरी पूरी दुनिया में अपनी तरह की अनूठी नगरी है, जहां छह शिवलिंग दक्षिणमुखी और छह शिवलिंग उत्तर मुखी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक पूरी दुनिया में महाकाल का अकेला शिवलिंग दक्षिण मुखी है। मौनी बाबा ने बताया कि रुद्राक्ष एक मूर्ति की तरह होता है जिसकी प्राण प्रतिष्ठा होती है और बिना प्राण प्रतिष्ठा के रुद्राक्ष पहना नहीं जा सकता। प्राण प्रतिष्ठा के बाद ही रुद्राक्ष मनोकामनाओं की पूर्ति करता है।

## अब ईपीएफओ के सदस्य खुद ही कर सकेंगे निजी जानकारियों में संशोधन

**नयी दिल्ली, (भाषा)** सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के 7.6 करोड़ से अधिक सदस्य अब नियोक्ता द्वारा किसी सत्यापन या ईपीएफओ की मंजूरी के बगैर भी नाम और जन्मतिथि जैसी व्यक्तिगत जानकारियों में ऑनलाइन बदलाव कर सकते हैं। यह सुविधा शनिवार से शुरू हो गई। इसके अलावा, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के ई–केवाईसी ईपीएफ खाते (आधार से जुड़े) वाले सदस्य, नियोक्ता के हस्तक्षेप के बिना आधार ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के साथ सीधे अपने ईपीएफ हस्तांतरण दावे ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को ईपीएफओ की इन दोनों नई सेवाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ईपीएफओ सदस्यों द्वारा दर्ज लगभग 27 प्रतिशत शिकायतें सदस्य प्रोफाइल/ केवाईसी मुद्दों से संबंधित हैं और इस सुविधा के शुरू होने के बाद इन शिकायतों में उल्लेखनीय रूप से गिरावट आएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के व्यक्तिगत विवरणों में संशोधन के अनुरोधों का लाभ भारी कार्यबल वाले बड़े नियोक्ताओं को भी होगा। श्रम मंत्री ने कहा कि ईपीएफओ ने ईपीएफओ पोर्टल पर संयुक्त घोषणा की प्रक्रिया को सरल बना दिया है। इससे कर्मचारियों को नाम, जन्म तिथि, लिंग, राष्ट्रीयता, पिता/माता का नाम, वैवाहिक स्थिति, पति/ पत्नी का नाम, कामकाजी संगठन से जुड़ने और छोड़ने की तिथि जैसी व्यक्तिगत जानकारियों में होने वाली आम त्रुटियों को खुद ही सुधारने की सुविधा मिल गई है। इसके लिए नियोक्ता द्वारा किसी सत्यापन या ईपीएफओ द्वारा अनुमोदन की जरूरत नहीं रह गई है। ऐसे मामलों में किसी सहयोगी दस्तावेज की भी जरूरत नहीं है। यह सुविधा उन सदस्यों के लिए उपलब्ध होगी, जिनका यूएएन (सार्वभौमिक खाता संख्या) एक अक्टूबर, 2017 (जब आधार से मिलान अनिवार्य हो गया था) के बाद जारी किया गया था। यूएएन एक अक्टूबर, 2017 से पहले जारी होने की स्थिति में नियोक्ता ईपीएफओ की मंजूरी के बिना भी विवरण को सही कर सकता है। ऐसे मामलों के लिए सहयोगी दस्तावेज़ की जरूरत को भी सरल बना दिया गया है। उन्होंने बताया कि केवल उन मामलों में जहां यूएएन को आधार से नहीं जोड़ा गया है, वहां किसी भी सुधार को नियोक्ता के समक्ष भौतिक रूप से प्रस्तुत करना होगा तथा सत्यापन के बाद अनुमोदन के लिए ईपीएफओ को भेजना होगा। यूएएन पंजीकरण नियोक्ता द्वारा कर्मचारी के लिए शुरुआत में किया जाता है। कई कर्मचारियों के लिए, पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान या बाद में पिता/पति या पत्नी का नाम, वैवाहिक स्थिति, राष्ट्रीयता और सेवा विवरण दर्ज करने में नियोक्ताओं द्वारा गलतियां की गईं। इन त्रुटियों को ठीक करने के लिए कर्मचारी को सहायक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन अनुरोध करना पड़ता था। इस अनुरोध को नियोक्ता द्वारा सत्यापित करना होता था और उसे अनुमोदन के लिए ईपीएफओ को भी भेजा जाता था।

# हरित महाकुंभ के संकल्प की आवश्यकता

तीर्थ , व्रत और पर्व– उत्सव हमें आत्ममंथन और सुधार–परिष्कार का संदेश देते हैं। भिन्न–भिन्न रूपों में प्लास्टिक जीवन के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। प्लास्टिक कचरा पर्यावरण को भी कुरूप कर रहा है। इससे जल एवं खाद्य पदार्थ भी तेजी से प्रदूषित हो रहे हैं. क्या इस महाकुंभ के अवसर पर हम हरित महाकुंभ का संकल्प ले सकते हैं? 144 वर्ष के बाद महायोग के बीच प्रयागराज में महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है। विगत 2–3 दिन में ही करोड़ों श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं। छोटे बड़े सैकडों अखाड़े, लाखों संत और करोड़ों भक्त यह भव्य और दिव्य समागम है। इस बार के महाकुंभ में लगभग 50 करोड़ श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने का अनुमान है जिसके लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रयागराज कुंभ इस अर्थ में भी महत्वपूर्ण है कि वहां गंगा,यमुना और सरस्वती का प्रयाग अथवा संगम है। क्या हमने इन पवित्र नदियों को प्रदूषित नहीं किया है? अशोधित सीवरेज,घरेलू कूड़ा एवं प्लास्टिक सीधे नदियों में बह रहा है। क्या हम ऐसे प्रदूषित जल में स्नान कर पाएंगे?

तीर्थ नगरी प्रयागराज सभी का खुले मन से स्वागत तो करती ही है, वह जन–जन को– सब समान, सबका सम्मान का भी संदेश देती है। भारतीय ज्ञान परंपरा में आदि ग्रंथ वेदों से लेकर आज तक जल और जल स्रोतों विशेष रूप से नदियों के संरक्षण–संवर्धन के लिए विशेष चिंता एवं चिंतन मिलता है। नदियों पर अथवा कुंभ जैसे अवसरों पर स्नान के माध्यम से यह संदेश भी निहित है कि हम जल स्रोतों अथवा नदियों को स्वच्छ रखें, उनका संरक्षण– संवर्धन करें। मां गंगा की पवित्रता और आध्यात्मिक महत्व के कारण ही कहा गया है– गंगे तव दर्शनात मुक्ति अर्थात् मां गंगा के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति को मुक्ति मिल जाती है। फिर महाकुंभ में तो लाखों आध्यात्मिक विभूतियां एक साथ साधना एवं गंगा स्नान में लीन रहती हैं। इसलिए वहां स्नान करने वाले सामान्य व्यक्ति को भी पुण्य लाभ मिलता है।

हाल ही में परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिंतानंद सरस्वती ने सभी को कुंभ का संदेश देते हुए यह कहा कि– हमारे मंदिर, धाम, तीर्थ,संत परंपरा और हमारी सनातन संस्कृति प्रकृति–पर्यावरण और श्रेष्ठ परम्पराओं के संरक्षण–संवर्धन का संदेश देते हैं। आज हमें यह समझने की आवश्यकता है कि– आस्था है तो अस्तित्व है, कुंभ श्रद्धा और आस्था की कड़ियों को जोड़ता है, यह भारतवर्ष के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कुंभ को गंदगी मुक्त, प्लास्टिक मुक्त एवं भाईचारे से युक्त बनाने का आवाह्न किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में प्लास्टिक बहुत तेजी से प्रवेश कर रहा है। दैनिक जीवन के छोटे–छोटे कार्यों और आवश्यकताओं में भी प्लास्टिक से मुक्ति नहीं मिल पा रही है। परिणामस्वरूप भिन्न–भिन्न प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। महाकुंभ श्रद्धा, आस्था और अध्यात्म का एक बड़ा केंद्र है। अनुमान के अनुसार इस बार कुंभ में लगभग 50 से 60 लाख टन कूड़े एवं प्लास्टिक आदि कचरे की संभावना है। कई संतों एवं संस्थाओं ने हरित कुंभ का आवाह्न किया है। उनका कहना है कि जब आप कुंभ में आएं तो प्लास्टिक की बोतल अथवा थालियां साथ लेकर न आएं। उन्होंने स्लोगन दिया है– अपनी थाली, अपना थैला। खाने के लिए घर से अपनी स्टील या पीतल की थाली लेकर आएं। अपना सामान और थाली आदि रखने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग करें,प्लास्टिक की थालियों के प्रयोग से बचें। यह हमारी सामान्य आदत में आ चुका है कि हम प्लास्टिक की थालियों में,प्लास्टिक की चम्मच से खाना खाकर उन्हें यहां वहां फेंक देते हैं, थैलियों का प्रयोग भी बहुत अधिक बढ़ा है, यदि हम वहां प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और कूड़ा छोड़ेंगे तो पवित्र कुंभ और नदी के किनारे प्रदूषित हो जाएंगे। हमारे बाद जाने वाले श्रद्धालु फिर साफ और स्वच्छ वातावरण एवं जल में स्नान किस प्रकार कर पाएंगे? ध्यान रहे कुंभ केवल सागर मंथन ही नहीं है अपितु यह आत्ममंथन की भी यात्रा है। आज के नए भारत को प्रकृति पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लेना ही होगा, क्योंकि प्रकृति बचेगी तो संस्कृति बचेगी,हमारी संतति बचेगी और हमारा भविष्य बचेगा। इसलिए आइए हरित कुंभ– प्लास्टिक मुक्त जीवन और हरित जीवन का संकल्प लें।

## भारत–बांग्लादेश सीमा पर किसानों की झड़प का मामला सुलझा, स्थिति नियंत्रण में : बीएसएफ

**मालदा(प.बंगाल), (भाषा)** भारत–बांग्लादेश सीमा पर शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सीमा चौकी के नजदीक दोनों देशों के किसानों के बीच कहासुनी के बाद हुई संक्षिप्त झड़प की वजह से तनाव पैदा हो गया। केंद्रीय अर्धसैनिक बल ने यह जानकारी दी। बल ने एक बयान में कहा कि बीएसएफ और उसके बांग्लादेशी समकक्ष बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने तत्काल हस्तक्षेप किया और जल्द ही स्थिति को नियंत्रित कर लिया। बीएसएफ के मुताबिक यह घटना पूर्वाह्न करीब 11:45 बजे हुई जब अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास काम कर रहे भारतीय किसानों ने बांग्लादेशी किसानों पर फसल चोरी करने का आरोप लगाया। उसने बताया कि कहासुनी ने जल्द ही उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के किसान बड़ी संख्या में एकत्र हो गए, एक–दूसरे को गालियां देने लगे और एक–दूसरे पर पत्थरबाजी करने लगे। बीएसएफ ने एक बयान में कहा, ''बीएसएफ और बीजीबी कर्मियों ने समय पर हस्तक्षेप किया और स्थिति पर तत्काल काबू पाया। दोनों पक्षों के किसानों को तितर–बितर कर दिया गया और उन्हें अपने–अपने क्षेत्रों में वापस भेज दिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।'' बीएसएफ ने इस तरह के विवादों से बचने पर जोर दिया और भारतीय किसानों को सलाह दी कि वे सीमा पर कृषि संबंधी किसी भी समस्या की सूचना सीधे बल के कर्मियों को दें। बयान में कहा गया, ''हमने भारतीय किसानों से शांति बनाए रखने और सीमा विवादों में शामिल होने से बचने का अनुरोध किया है। किसी भी शिकायत के मामले में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।'' सीमा पार बीजीबी ने भी स्थिति को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई। दोपहर बाद तक कुछ बांग्लादेशी नागरिक अंतरराष्ट्रीय सीमा के 50–75 मीटर के दायरे में देखे गए, लेकिन खबरों के मुताबिक बीजीबी कर्मियों ने उन्हें रोक दिया, जिससे स्थिति नहीं बिगड़ी। बयान के मुताबिक बीएसएफ और बीजीबी के इलाके में तैनात कमांडेंट भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के वास्ते समन्वय बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

# हल्दी आयोग यानी कृषि की ठोस नीति

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने दिल्ली में हल्दी बोर्ड के गठन की घोषणा की है। गंगा रेड्डी को बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे हल्दी की उन्नतशील खेती में किसानों को जहाँ मदद मिलेगी, दूसरी तरफ वैश्विक बाजार पर भारत का सौ फीसदी कब्जा होगा क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा हल्दी उत्पादन और ख़पत करने वाला देश है। वैश्विक जरूरत की 70 फीसदी की आपूर्ति भारत करता है। हल्दी के निर्यात को पांच साल में एक बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। हल्दी हमारे संस्कृति और संस्कार में बसी है। हाथ पीले करने के लिए हल्दी आवश्यक है। हमारे यहाँ हल्दी को शुभ माना जाता है। हमारे यहाँ कोई भी संस्कार बगैर हल्दी के संम्पन्न नहीं होता है। जीवन के आगमन और महाप्रयाण में भी हल्दी का अपना महत्व है। हल्दी आयुर्वेद की सबसे गुणकारी औषधि है यह एंटीबायोटिक भी है लेकिन अब भारतीय हल्दी किसानों के लिए एक अच्छी खबर आयी है। केंद्र सरकार ने हल्दी किसानों की 40 सालों से चली आ रही लबी मांग को मान लिया है। सरकार ने हल्दी आयोग (ज्नतउमतपब ठवंतक) का गठन करने की अधिसूचना जारी कर दी है। बोर्ड का मुख्यालय तेलंगाना के निज़ामबाद में होगा। देश के हल्दी किसान जहाँ संवृद्ध होंगे, वहीं हल्दी निर्यात में भारत का अपना दबदबा होगा। भारत में सबसे अधिक हल्दी का उत्पादन दक्षिण भारत में होता है। आयोग के गठन से जहाँ हल्दी की नई –नई प्रजातियों का विकास होगा। इसके अलावा हल्दी का कृषि क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक होगा। देश के दूसरे हिस्सों में भी शोध के जरिए जलवायु और मिट्टी की गुणवत्ता से हल्दी की नई प्रजाति का विकास कर इसके उत्पादन को और व्यापक बनाया जा सकता है। इससे जहाँ हल्दी के किसानों की आय दोगुनी होगी, वहीं दुनिया के हल्दी बाजार पर भारत का एकाधिकार होगा। देश के तक़रीबन 20 राज्यों में हल्दी की खेती व्यापक पैमाने पर होती है। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मेघालय जैसे राज्य शामिल हैं। हल्दी बोर्ड अच्छे उत्पादन देने वाली किस्मों का विकास करेगा जिसका लाभ देश के किसानों को मिलेगा। हल्दी से जहाँ कई दवाएं बनती है, वहीं सौंदर्य प्रसाधन में भी हल्दी का प्रयोग होता है। हमारे जीवन में हल्दी का बहुत उपयोग है।

निश्चित रूप से हल्दी बोर्ड सरकार के अन्य मंत्रालयों और विभागों से मिलकर हल्दी के निर्यात की रणनीति बनाएगा। भारत ने बीते साल 2023–2024 में 226.5 मिलियन डॉलर की हल्दी का निर्यात किया। कुल 1.62 लाख टन हल्दी और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया गया। बोर्ड के गठन के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसन्धान से गुणवता परक हल्दी का निर्यात ग्लोबल स्तर पर होगा। भारत को एक टिकाऊ स्पर्धा का बाजार उपलब्ध कराएगा। इससे जहाँ हल्दी का उत्पादन बढ़ेगा, वहीं निर्यात से विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि होगी। सरकार को परम्परागत कृषि को संवृद्ध करने के साथ साथ औषधीय खेती और दूसरे कृषि उत्पाद पर भी इस तरह के आयोग का गठन करना चाहिए जिसका प्रभाव दुनिया के कृषि बाजार पर व्यापक होगा। देश का किसान जहाँ आर्थिक रूप से संवृद्ध होगा और दूसरी तरफ भारतीय कृषि उत्पादों का एकाधिकार बढ़ेगा। कृषि के वैश्विक बाजार पर पकड़ बनाने के लिए भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। अब सरकार किसानों के लिए कितना कुछ कर पाती है, यह उस पर निर्भर है। भारत में गत वर्ष यानी 2023–2024 में 3.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में हल्दी की खेती कर 10.74 लाख टन उत्पादन किया गया। हमारे यहाँ हल्दी की तीस प्रजातियों की खेती की जाती है। वित्त वर्ष 2023–24 में भारत में 3.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की खेती की गई थी और इस दौरान उत्पादन 11.61 लाख टन रहा था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक हल्दी उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक है और यहां हल्दी की 30 किस्में उत्पादित की जाती हैं। सरकार को उम्मीद है कि पांच साल यानी 2030 तक हल्दी निर्यात एक बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। केंद्र ने हल्दी बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी कर दिया है। दुनिया के हल्दी उत्पादन में भारत अग्रणी है। यह विश्व के कुल हल्दी उत्पादन का 60 से 70 फीसदी उत्पादन किया जाता है। साल 2022 और 2023 में 380 देशों को हल्दी और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया गया जिससे 207.45 मिलियन अमरीकी डॉलर की आय हुई। भारत के प्रमुख हल्दी आयातकों में अमेरिका, यूएई, मलेशिया और बांग्लादेश शामिल हैं। हल्दी आयोग का गठन निश्चित रूप से एक खुली पारदर्शी कृषि नीति है। हल्दी की खेती करने वालों के लिए एक सुखद परिणाम लेकर आएगी। सरकार को इस तरह की और खेती को बढ़ावा देना चाहिए। कृषि नीति को और कारगर और प्रभावशाली बनाने की जरूरत है। खेती में सरकार के पास असीमित शोध का क्षेत्र है। वैश्विक बाजार का अध्ययन कर देश को खेती के लिए प्रतिस्पर्धा पैदा करनी होगी। हमें किसानों के लिए ऐसा कृषि विकल्प लाने की जरूरत है जिसमें लगत कम हो और किसानों को लाभकारी मूल्य मिले जिससे जहाँ किसान आर्थिक आमदनी तय करेगा, वहीं वह नयी खेती की तरफ उसका रुझान बढ़ेगा। इसके अलावा भारत को मौसम, मृदा और जलवायु के हिसाब से कृषि क्षेत्र में विभाजित कर कृषि निर्धारण करना चाहिए।

## संपादकीय

# न सुशासन, न रोजगार, सिर्फ फ्रीबीज की बौछार

..... चूंकि इन राजनीतिक दलों ने खुद के लिए कोई आदर्श राजनीतिक नियम और उसके निमित्त बाध्यकारी कानून नहीं बनाकर रखे हैं, या फिर नाममात्र का बनाए हुए हैं, जिसकी व्याख्या ये लोग अपने मनमुताबिक कर लेते हैं, इसलिए इनकी सारी राजनीतिक हरकतें जायज समझी जाती हैं। वहीं, इनको तोहफा या सजा बस जीत–हार के माध्यम से जनता जनार्दन ही देती आई है। यहां भी वह मतदाता दलित–महादलित, पिछड़ा–अत्यंत पिछड़ा, सवर्ण–गरीब सवर्ण, आदिवासी–अल्पसंख्यक, महिला–पुरूष, युवा–बुजुर्ग, किसान–मजदूर, कामगार या पूंजीपति आदि इतने खानों में विभाजित है कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति अक्सर सफल होती आई है। शायद इसलिए जनता, सरकार और सुशासन के मुद्दे गौण पड़ जाते हैं और फ्रीबीज की चर्चा घर–घर पहुंचकर चुनावी खेल कर देती है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि सुशासन से लेकर रोजगार के मोर्चे पर विफल हो चुकीं जनतांत्रिक सरकारों के द्वारा जिस तरह से फ्रीबीज की घोषणाएं की जा रही हैं, क्या यह देश की आर्थिक व्यवस्था यानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से उचित है या फिर अनुचित है? यदि अनुचित है तो इससे बचने का रास्ता क्या है? देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश–दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक–प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख–शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है। याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है। चाहे संसदीय चुनाव हो या विधान मंडलीय चुनाव, या फिर स्थानीय चुनाव, होने तो 5 साल में ही हैं। इसलिए जैसे तैसे चुनावी वायदे करके सरकार बना लो, इसी घुड़दौड़ में सभी राजनीतिक दल जूटे हुए हैं।

अब लोगों की दिलचस्पी न तो आजादी के तराने सुनने में है, न ही हिंदुत्व की माला जपने में। समाजवाद से लेकर वामपंथ तक अपने ही राजनीतिक हमाम में नंगे हो चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस विरोधी 'सम्पूर्ण क्रांति' की सफलता–विफलता के लगभग चार दशक बाद हुई दूसरी कांग्रेस विरोधी 'अन्ना हजारे क्रांति' की सफलता से उपजी आम आदमी पार्टी ने जो फ्रीबीज की सियासी लत लगाई और दिल्ली से पंजाब तक कांग्रेस–भाजपा का सफाया कर दी, उससे दोनों पार्टियों ने शुरुआती आलोचनाओं के बाद आप के सियासी एजेंडे को ही अपनाने में सफलता पाई। हिमाचल प्रदेश से कर्नाटक तक कांग्रेस की विजय और हरियाणा से उड़ीसा तक भाजपा की जीत इसी बात की साक्षी है। यही वजह है कि भाजपा नीत एनडीए, आप नीत संभावित तीसरा मोर्चा और कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में एक–दूसरे को मात देने के लिए अपने–अपने फ्रीबीज के सियासी घोड़े खोल रखे हैं। वह भी तब, जब करदाताओं की ओर से इसकी खुलेआम आलोचना हो रही है। वहीं, आपने देखा–सुना होगा कि केंद्र सरकार की अटपटी नीतियों पर सर्वोच्च न्यायालय तक ने टिप्पणी की, कि आखिर 80 करोड़ लोगों को आप कबतक मुफ्त या फिर कम कीमत पर अनाज देंगे। ऐसे में उन्हें आप रोजगार क्यों नहीं दे देते! कोर्ट की यह टिप्पणी जायज है और प्रशासन यदि चाहे तो उसके लिए यह मुश्किल भी नहीं है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने अनुमन्य यूनिट तक फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री और किफायती शिक्षा व स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, लक्षित वर्गों को अलग–अलग नगद आर्थिक मदद आदि जैसी जो चुनावी–प्रशासनिक रवायतें शुरू की है, और अब उन्हीं की देखा–देखी कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी इस नीतिगत मुद्दे पर आपाधापी मची हुई है, यह नीति एक नए आर्थिक और अर्थव्यवस्था के संकट को जन्म दे सकती है। इसलिए इसको हतोत्साहित करने के लिए मतदाताओं को ही आगे आना होगा, अन्यथा यह नीति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक कैंसर साबित होंगे। डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये भी तो इसी बात की चुगली करते हैं। आपने देखा–सुना होगा कि सरकार ने उद्योगपतियों के इतने के कर्जे माफ कर दिए, या फिर इतनी की सब्सिडी इन–इन धंधों/पेशों में दी जा रहीं हैं। इसी तरह से सरकार ने किसानों के इतने के कर्जे माफ कर दिए और इन–इन चीजों पर इतनी सब्सिडी दे रही है। इसी तरह से समाज के विभिन्न वर्गों को भी लुभाने के लिए सरकार कुछ न कुछ देकर दानी–दाता बनी हुई है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार सबको सुशासन क्यों नहीं दे रही है? सड़कों पर इंसान सुरक्षित क्यों नहीं है? चाहे खेती हो या कारोबार, चोरी और लूट की बढ़ती फितरत से उद्यमी व मेहनतकश वर्ग परेशान है। वहीं, डिजिटल धोखाधड़ी और प्रशासनिक तिकड़मों का तो कहना ही क्या है? बेहतर पुलिसिंग आज भी यक्ष प्रश्न है। वहीं, राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों पर सरकार और उसके पूंजीपति मित्रों का बढ़ता कब्जा, भूमि और मौद्रिक संसाधनों के असमान बंटवारे की नीति, समान मताधिकार से इतर विभिन्न कानूनी असमानताएं समाज और व्यवस्था को निरंतर खोखला करती जा रही हैं। इससे पूंजीपतियों की जमात, उनके शागिर्द, प्रशासनिक हुक्मरान और उसकी पूरी चेन, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की फौज और उनके करीबी लोग तो हर तरीके से मस्त हैं, लेकिन आमलोगों की फटेहाली पर तरस खाना स्वभाविक है। जिनके पास कुछ पूंजी–पगहा, मकान–दुकान या खेती योग्य जमीन या फिर छोटी–मोटी निजी या सरकारी नौकरी है, वह तो किसी तरह गुजर–बसर कर लेते हैं, लेकिन जो न शिक्षित हैं, न संसाधनों से लैस, उनकी बेचारगी देखते ही बनती है। ऐसे में सबको समान शिक्षा और योग्यता के मुताबिक रोजगार देने की सरकारी नीति आखिर कब आकार लेगी, ज्वलंत प्रश्न है। वहीं, न तो सबके लिए जनस्वास्थ्य सुनिश्चित है और न ही सुविधाजनक परिवहन। गरीबी हटाओ और रोटी–कपड़ा–मकान का नारा भी टांय–टांय फिस्स हो चुका है। सबको शिक्षा–स्वास्थ्य–सम्मान की सामाजिक न्याय वाली बात भी पूंजीपतियों के एजेंडे की दासी बन चुकी है। यह सब इसलिए कि भले ही सरकार अपने नागरिकों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय समानताओं की बात करती है, लेकिन असमान कानूनों को गढ़कर वह ही सबसे ज्यादा सामाजिक विभेद भी पैदा कर रही है। सवाल है कि उसका लोकतंत्र आखिर पूंजीपतियों का संरक्षक क्यों बना बैठा है। क्या फ्रीबीज का लॉलीपॉप थमाकर पूंजीपति सभी राष्ट्रीय संसाधनों पर काबिज हो जाएंगे, फिर उसके बाद लोगों को बाबाजी का ठुल्लू थमा देंगे, यही उनकी योजना है। यदि यही न्यू वर्ल्ड आर्डर है या फिर ग्लोबल पैटर्न तो फिर समाज के प्रबुद्ध वर्ग को सावधान हो जाना चाहिए। क्योंकि दलितों और पिछड़ों के लोकलुभावन वोटिंग पैटर्न के चक्कर में सबसे ज्यादा समाज का माध्यम वर्ग ही पिसेगा, यही नई त्रासदी है।

**कृष्णा अग्रवाल**
**focusnews9@gmail.com**

# दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर भारत!

हाल ही में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अध्यक्ष ने यह बात कही है कि पिछले तीन वर्षों से मजबूती से आगे बढ़ने वाला भारत अगले साल यानी कि वर्ष 2026 तक जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष यानी कि 2024–25 में 6.8 फीसदी और 2025–26 में 7.7 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ सकती है। हालांकि भारत के समक्ष अनेक वैश्विक चुनौतियां विद्यमान हैं लेकिन भारत ने पिछले कुछ समय से देश में विभिन्न आर्थिक सुधारों के दम पर वैश्विक पटल पर अपनी साख को मजबूत किया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज दुनिया के बहुत से देश अर्थव्यवस्था में धीमी गति का सामना कर रहीं हैं। उद्योग मंडल ने जो बातें कहीं हैं वह हम भारतीयों में निश्चित ही उत्साह का संचार करतीं हैं क्योंकि आने वाले समय में हम जापान जैसे देश को भी पीछे छोड़ देंगे। देश की अर्थव्यवस्था को आज अगर गति मिल रही है तो निश्चित ही इसका श्रेय सरकार को जाता है क्योंकि आज सरकार द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत और सुदृढ़ करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। यह ठीक है कि आज देश में खाद्य पदार्थों की कीमतों में थोड़ा उछाल जरूर आया है लेकिन अच्छी बात यह है कि देश में खुदरा महंगाई कम हो रही है। चालू वित्त वर्ष यानी कि 2024–25 में खुदरा महंगाई घटकर 4.5 फीसदी और आने वाली तिमाहियों में चार से 2.5 फीसदी के बीच रह सकती है। खुदरा महंगाई घटने के कारण आरबीआई फरवरी की मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.25 फीसदी कटौती कर सकता है। रेपो दर वह दर है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है। वास्तव में रेपो दर का मतलब है 'पुनर्खरीद दर।' उल्लेखनीय है कि रेपो दर में कटौती से वाणिज्यिक बैंकों के साथ–साथ व्यक्तियों के लिए भी उधार लेने की लागत कम हो जाएगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जिस दर पर बैंक व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण आदि जैसे ऋण प्रदान करते हैं, उसे ऋण की लागत कहा जाता है। ऋणों पर ब्याज को बारी–बारी से कम किया जाता है। इससे सीआरआर (नकद आरक्षित अनुपात) में भी कमी आती है, जिससे व्यक्तियों के लिए ऋण की उपलब्धता बढ़ जाती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि बैंक द्वारा ब्याज की दरों में कटौती से खुदरा महंगाई दर और घटेगी। बहरहाल, उद्योग मंडल ने कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, फिनटेक, सेमीकंडक्टर, नवीनीकृत ऊर्जा, स्वास्थ्य और बीमा जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिए जाने की सलाह दी है क्योंकि ये वे क्षेत्र हैं जिनमें विकास की काफी संभावनाएं हैं। इसके अतिरिक्त, देश में रिकॉर्ड जीएसटी संग्रहण के आंकड़े भी उत्साहित करने वाले हैं। अप्रैल 2024 में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह वर्ष–दर–वर्ष के आधार पर 12.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है जो घरेलू लेन–देन (13.4 प्रतिशत की वृद्धि) और आयात (8.3 प्रतिशत की वृद्धि) में मजबूत वृद्धि से संभव हुआ है। रिफंड के बाद, अप्रैल 2024 के लिए शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.92 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 15.5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि को दर्शाता है। निश्चित ही इससे भी अर्थव्यवस्था को गति मिली है। यही नहीं, इस साल कृषि उत्पादन में इजाफा होने, तीसरी और चौथी तिमाही में सरकारी पूंजीगत व्यय बढ़ने, विदेशी मुद्रा भंडार के और बढ़ने तथा निर्यात के मोर्चे पर भी बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। गौरतलब है कि पिछले साल यानी कि 2024 में सितंबर–अक्टूबर में चीन, जापान और स्विटजरलैंड के बाद भारत 700 अरब डॉलर(फॉरेक्स रिजर्व) के भंडार को पार करने वाली विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि पिछले कुछ समय में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निवेश और रियल एस्टेट में घरेलू निवेश में बढ़ोतरी के कारण भी भारतीय अर्थव्यवस्था को नवीन गति मिली है। अब यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर अर्थव्यवस्था को गति कैसे मिल सकती है? तो इसका सीधा सा उत्तर यह है कि कोई भी देश अपनी पूंजी को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को गति प्रदान कर सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि बुनियादी ढांचे, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान में निवेश करने से उत्पादन क्षमताओं में सुधार होता है, जिससे उत्पादन बढ़ता है। प्रोडक्शन बढ़ने से अधिक नौकरियाँ मिलती हैं और देश की आबादी के लिए अधिक आय होती है और अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। आज देश में व्यापार सुगमता बढ़ाकर, लागत को कम करके, बुनियादी ढांचों के विकास और प्रौद्योगिकी को अपनाकर अर्थव्यवस्था को गति दी जा सकती है। बहरहाल, यह ठीक है कि आज कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक बाजारों में कमजोरी के कारण रूपया कुछ हद तक कमजोर जरूर हुआ है और इसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था, आम जनता और बिजनेस जगत पर असर पड़ा है।रुपये में कमजोरी आने से विदेशों से आयात करना महंगा हो रहा है। इसके चलते जरूरी वस्तुओं की कीमत बढ़ रही है लेकिन यह बहुत चिंताजनक इसलिए नहीं है क्योंकि घरेलू बाजार की ताकत अब भी हमारे साथ है। आने वाले समय में हम निश्चित ही हम जापान जैसी मजबूत अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

# सौंदर्य और स्वास्थ्य बढ़ाते हैं आभूषण

शताब्दियों से स्त्रियाँ आभूषण बनवाती और पहनती चली आ रही हैं। प्रायः स्त्रियाँ यही मानती हैं कि आभूषणों का प्रयोग मात्रा तन व सौंदर्य के निखार व आकर्षण वृद्वि के लिए अथवा श्रृंगार के तौर पर ही किया जाता है परंतु सिर्फ इतनी ही बात नहीं है। आभूषणों के प्रयोग से विभिन्न प्रकार के रोग भी दूर होते हैं।

पुरूषों की तुलना में प्रकृति ने स्त्रियों को रूप–सौंदर्य तो भरपूर दिया है लेकिन वे पुरूषों से बहुत अधिक नाजुक एवं कमजोर भी हुआ करती हैं। संतान पैदा करने के कारणों से स्त्रियायां और भी अधिक कमजोर हो जाया करती हैं क्योंकि बच्चों का शरीर उन्हीं के शरीर से निर्मित होता है, इसलिए स्त्रियों के लिए इसकी आवश्यकता होती है कि असाधारण तौर पर कोई शक्ति बाहर से उनके शरीर में पहुंचाई जाए। इसी कारण प्राचीन काल के आचार्यों ने इस अतिरिक्त शक्ति को आभूषणों के माध्यम से पहुंचाने की बात सोची थी।

सोना अपनी प्रकृति में गर्म और चाँदी शीतल हुआ करती है। इसी कारण अगर सिर में सोना और पाँव में चाँदी पहनी जाए तो शरीर में विद्युत की धारा चलने लगती है अर्थात् सिर से गर्म बिजली उत्पन्न होकर नीचे की ओर चली जाएगी और पाँव वाली ठण्डी बिजली उसको आकर्षित करेगी क्योंकि सर्दी गर्मी को खींच लिया करती है। अतः ऐसा होने से सिर में उत्पन्न हुई गर्मी पैरों में आ जाती है तथा पैरों की चाँदी से उत्पन्न सर्दी सिर में चली जाती है। इस तरह सिर को ठण्डा और पैरों को गर्म रखने का मूल्यवान चिकित्सकीय नियम पूरा होता है।

इसके विपरीत यदि सिर में चांदी और पैरों में सोना पहना जाए तो ऐसी स्थिति में दिमाग में शीतल एवं पाँव में गर्म बिजली पैदा होगी तथा पैरों की गर्म बिजली खिचकर मस्तिष्क पर पहुँच जाएगी। इससे चिकित्सकीय नियम के विरूद्व सिर गर्म और पाँव ठण्डे हो जाएँगे। अतः ऐसा करने से अंदेशा है कि इस विधि से आभूषणों को धारण करने वाली स्त्रियां पागलपन या किसी अन्य रोग का शिकार बन जाएं। यही नियम था जिसकी वजह से स्वर्ण आभूषणों को शरीर के निचले भागों में पहनना वर्जित बताया गया था।

यदि सिर (कमर से ऊपर) एवं पाँव (कमर से नीचे) दोनों में ही सोने के गहने पहने जाएं तो मस्तिष्क एवं पैरों में एक समान गर्म विद्युत की धारा प्रवाहित होगी तथा गर्मी का गर्मी से टकराव होकर दो रेलगाड़ियों के परस्पर टकराने जैसी नुकसानदायक स्थिति पैदा हो जाएगी तथा स्वास्थ्य हमेशा खराब रहने लगेगा। इसी प्रकार यदि कोई सिर में सोना और पांव में चांदी या कुछ अन्य धातु न पहनें तो सिर में उत्पन्न होने वाली गर्म बिजली पांव की ओर शोषित नहीं होगी बल्कि सिर ही सिर में रह जाएगी। इससे दिमाग खराब होने का भय बना रहता है।

जिन धनवान परिवारों की स्त्रियां केवल सोने के गहनों को ही पहनती हैं और चांदी के आभूषणों को पहनना पसंद नहीं करती, वे प्रायः किसी न किसी व्याधि से ग्रसित अवश्य रहा करती हैं। उनका हृदय व्याकुलता, हिस्टीरिया, रक्तप्रदर, पेट दर्द एवं श्वेत प्रदर जैसी बीमारियां प्रायः ग्रसित किये रहती हैं।

स्वास्थ्य के नियमों के अनुसार अंगूठों एवं अंगुलियों में चांदी के जेवर ही पहनने चाहिए ताकि मस्तिष्क की गर्मी पांव की ओर आकर शीतलता मस्तिष्क तक पहुँचती रहे। इससे दिमाग ठण्डा तथा पांव गर्म रहने का मूल्यवान नियम स्थापित रहता है।

बिछिया पहनने वाली स्त्रियों को प्रसव पीड़ा कम होती है तथा उन्हें साइटिका रोग नहीं होता। इसके पहनने से दिमाग के विकार दूर होते हैं तथा स्मरण–शक्ति बढ़ती है। पायलों के पहनने से पीठ, एड़ी व घुटनों के दर्द से राहत मिलती है तथा हिस्टीरिया के दौरे नहीं पड़ते। इससे श्वास रोग होने की संभावना दूर हो जाती है। बदन में रक्त शुद्व व स्वच्छ बना रहता है व मूत्रा रोग की शिकायत नहीं होती। विज्ञान बताता है कि यदि हाथी दांत या कांच को खाल, रेशम या कम्बल आदि से रगड़ा जाए या लाख के सिरे को फलालेन, ऊन या हाथ से रगड़ दिया जाय तो विद्युत उत्पन्न हो जाती है। इसी कारण हमारे पूर्वजों ने स्त्रियों के हाथों में कांच, हाथी के दांत एवं लाख (लाह) की चूड़ियों को पहनने का विधान बनाया था ताकि कामकाज करते हुए जब चूड़ियां शरीर से रगड़ लें तो विद्युत धारा उत्पन्न हो। स्त्रियां अगर हंसुली या हार गले में पहनती हैं तो इससे उनकी नेत्रा ज्योति सहज ही बनी रहती है तथा गलकंड रोग नहीं होता। आवाज में मिठास एवं माधुर्य बना रहता है। सिरदर्द, हिस्टीरिया, सरवाइकल स्पांडीलाइटिस आदि कष्टों में लाभ होता है तथा मानसिक शिकायतों का निवारण होकर हृदय दृढ़ बनता है।

माना जाता है कि मस्तक पर बिन्दी लगाने से मस्तिष्क में पैदा होने वाले विचार असमंजस की स्थिति से मुक्त होते हैं। बिंदिया में सम्मिलित लाल तत्व पारे का लाल ऑक्साइड होता है जो शरीर के लिए लाभदायक सिद्व होता है। बिंदिया एवं सिन्दूर के प्रयोग से मुखमण्डल झुर्री रहित बना रहता है।

विवाह के अवसरों पर नववधुओं द्वारा सिर पर धारण किया जाने वाला मांग टीका (मन्टीका) सिर के बीचों–बीच मांग में एक लड़ी के सहारे लटका रहता है। इससे मस्तिष्क संबंधी क्रियाएं नियंत्रित, संतुलित तथा नियमित बनी रहती हैं तथा साथ ही मस्तिष्कीय विकार भी नष्ट होते हैं। अंगूठी को सबसे छोटी उंगली में पहनने से छाती के दर्द, घबराहट, ज्वर, कफ, दमा, आदि के प्रकोपों से भी बचाव होता है। स्वर्ण आभूषण पवित्राता को प्रदान करते हैं। रत्नजड़ित आभूषण ग्रहों की पीड़ा, दुष्टों की नजर एवं बुरे स्वप्नों को नष्ट करती है। शुक्राचार्य के अनुसार पुत्रा की कामना वाली स्त्री को हीरा नहीं पहनना चाहिए।

# संथालों के प्रकृति पूजन का उत्सव है सोहराय

सोहराय पर्व आदिवासियों का प्रमुख पर्व है। पांच दिनों तक चलने वाले इस पर्व का संबंध सृष्टि की उत्पत्ति से जुड़ा हुआ है। आदिवासी समाज के इस महान पर्व को लेकर झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा आदि राज्यों में बहुत पहले से तैयारी प्रारंभ हो जाती है।जनजातीय समाज में इस पर्व का बेहद महत्व है। जनजातीय समाज इस पर्व को उत्सव की तरह मनाता है। आदिवासी समाज की संस्कृति काफी रोचक है। शांत चित्त स्वभाव के लिए जाना जाने वाला आदिवासी समुदाय मूलतः प्रकृति पूजक है। ये पर्व कई नामों से प्रचलित है, संथाल समाज इसे हाथी लिकन (हाथी के समान) कहते हैं। सोहराय प्रत्येक वर्ष जनवरी माह के दूसरे सप्ताल यानी प्रत्येक पौष माह में धान की फसल कटने के बाद मनाया जाता है।सोहराय पर्व ना सिर्फ प्रकृति से जुड़ा है बल्कि ये आदिवासी परंपरा में भाई बहन के अटूट प्रेम को भी दर्शाता है। ये पर्व भाई बहन के प्रेम का प्रतीक भी माना जाता है। इसे भाई बहन का भी पर्व माना जाता है। सोहराय में भाई अपने बहन अपने यहां आने का न्योता देता है।बहन अपने भाई के दिए आमंत्रण को स्वीकार करती है और उसके यहां आती है, बहन के आने के बाद काफी धूमधाम से उसका स्वागत किया जाता है। सोहराय एक सामुदायिक पर्व है, इस पर्व में समुदाय के साथ प्रकृति, कृषि और पशुपालन का महत्व को दर्शाया गया है। संताल समुदाय में प्रचलित मान्यताओं के अनुसार सोहराय पर्व का आरंभ 'चाय चाम्पा गढ़' से शुरू हुआ था। 'चाय चाम्पा गढ़' संतालों की मूल भूमि मानी जाती है। मान्यताओं के अनुसार 'चाय चाम्पा गढ़' एक सुखी और संपन्न देश था। इस देश के राजा के पास बहुत सारे पशुधन थे। उन पशुओं में 'सुगी' नाम की एक चतुर गाय थी। वहां के सारे पशु 'कसी टंडी' नाम के विशाल गौचर भूमि पर चरते थे। एक दिन सारे पशु 'कसी टंडी' के निकट स्थित यूरनी पहाड़ के गुफा के अंदर चली गयी और वापस गांव नहीं लौटे। दिन गुजरते गये और जब पशु वापस नहीं लौटे तो राजा और सभी लोग परेशान हो गये। खेती का समय आ गया था, थक हार कर राजा ने गांव के बुजुर्गों को बुलाया। उन्होंने राजा को सलाह दिया कि जिस पशुओं के कारण उनके घरों में सुख और समृद्धि आती है। उन पशुओं के योगदान के लिए त्यौहार मना कर उन्हें सम्मान देना है। इसके बाद सभी लोगों ने स्नान कर साफ कपड़े पहने और 'गोड टंडी' यानी एक बड़े मैदान पर पहुंच कर ठाकुरजीवी को प्रसन्न करने के लिए नायकी के अगुवाई में सामूहिक रूप से पूजा पाठ किया। ठाकुरजीवी की पूजा के लिए लोगों ने मुर्गियों के अंडे लाये थे। लोगों की पूजा से ठाकुरजीवी प्रसन्न हुए और सारे पशु वापस लौट आए। इसके अगले दिन से ही सोहराय का पर्व आरंभ हो गया। सोहराय पर्व की उत्पत्ति की कथा भी काफी रोचक है। आदिवासी समाज में प्रचलित कथा के अनुसार, जब मंचपुरी अर्थात् मृत्यु लोक में मानवों की उत्पत्ति होने लगी, तो बच्चों के लिए दूध की जरूरत महसूस होने लगी। उस काल खंड में पशुओं का सृजन स्वर्ग लोक में होता था।मानव जाति की इस मांग पर मरांगबुरु अर्थात् आदिवासियों के सबसे प्रभावशाली देवता। (यहां बताना यह जरूरी है कि शेष भारतीय समाज मरांगबुरु को शिव के रूप में देखता है, लेकिन जन जातीय समाज में मरांगबुरू का स्थान शिव से भी उपर है।)जनजातीय कथा के अनुसार, मरांगबुरू स्वर्ग पहुंचे और अयनी, बयनी, सुगी, सावली, करी, कपिल आदि गाएं एवं सिरे रे वरदा बैल से मृत्यु लोक में चलने का आग्रह करते हैं।मरांगबुरू के कहने पर भी ये दिव्य जानवर मंचपुरी आने से मना कर देते हैं, तब मरांगबुरू उन्हें कहते हैं कि मंचपुरी में मानव युगों–युगों तक तुम्हारी पूजा करेगा, तब वे दिव्य, स्वर्ग वाले जानवर मंचपुरी आने के लिए राजी होकर धरती पर आते हैं और उनके आगमन से ही इस त्योहार का प्रचलन प्रारंभ होता है। जाहिर है उसी गाय–बैल की पूजा के साथ सोहराय पर्व की शुरुआत हुई है। पर्व में गाय–बैल की पूजा आदिवासी समाज काफी उत्साह से करते हैं।मुख्य रूप से यह पर्व छह दिनों तक मनाया जाता है, जिसकी धूम पूरे क्षेत्र में देखने को मिलती है।सोहराय के पहले दिन को उम कहा जाता है।पहले दिन आदिवासी समाज इस पर्व के शुरुआत में स्नान करते हैं। इसके बाद कृषि से संबंधित सभी औजारों को साफ करते हैं। इसके अलावा घरों को भी साफ सुथरा कर गोबर से लिपाई करते हैं। साथ ही घर में गेहल पूजा करते हैं।गढ़ पूजा पर चावल गुंडी के कई खंड का निर्माण कर पहला खंड में एक अंडा रखा जाता है। गाय–बैलों को इकट्ठा कर छोड़ा जाता है, जो गाय या बैल अंडे को फोड़ता या सूंघता है और उसकी भगवती के नाम पर पहली पूजा की जाती है तथा उन्हें भाग्यवान माना जाता है। मांदर की थाप पर नृत्य होता है।इसी दिन से बैल और गायों के सिंग पर प्रतिदिन तेल लगाया जाता है।इस पर्व के दूसरे दिन को बोगान कहा जाता है, इस दिन बलि देने की प्रथा है. इसमें आदिवासी समाज सात मुर्गे की बलि देते हैं। दूसरे दिन गोहाल पूजा पर मांझी थान में युवकों द्वारा लठ खेल का प्रदर्शन किया जाता है। रात्रि को गोहाल में पशुधन के नाम पर पूजा की जाती है। खानपान के बाद फिर नृत्य गीत का दौर चलता है।तीसरे दिन को खुटाउ कहा जाता है। इस दिन बैल को बांधकर उसको सजाकर पूरे गांव में घूमाया जाता हैं।खुंटैव पूजा पर प्रत्येक घर के द्वार पर बैलों को बांधकर पीठा पकवान का माला पहनाया जाता है और ढोल ढाक बजाते हुए पीठा को छीनने का खेल होता है। पर्व के चौथे दिन को जाली कहा जाता है. इस दिन आदिवासी समाज एक दूसरे के प्रत्येक घर–घर जाकर नाचते सम्मिलित होकर नाचते गाते हैं। जाली पूजा पर घर–घर में चंदा उठाकर प्रधान को दिया जाता है और सोहराय गीतों पर नृत्य करने की परंपरा है। पांचवें दिन हांकु काटकम मनाया जाता है। इस दिन गांव के तालाब से मछली पकड़ने का रिवाज है। जिसमें घर के सदस्यों द्वारा मछली पकड़ कर लाया जाता है। इसके बाद पर्व के अंतिम शिकार खेलने की परंपरा है। छठे दिन आदिवासी झूंड में शिकार के लिए निकलते है। शिकार में प्राप्त खरगोश, तीतर आदि जन्तुओं को मांझीथान में इकट्ठा कर घर घर प्रसादी के रुप में बांटा जाता है। संक्रांति के दिन को बेझा तुय कहा जाता है। इस दिन गांव के बाहर नायकी अर्थात पुजारी सहित अन्य लोग ऐराडम पेंड़ को गाड़कर तीर चलाते है। सोहराय में गीत नृत्य का अपना महत्व है। यह पर्व 1855 के संथाल हूल विद्रोह से जुड़ा है संथालपरगना में सोहराय पर्व दोहरी खुशी लेकर आता है। खेतों में तैयार फसल काटने के बाद घर आ जाने के बाद लोग खुशियां मनाते हैं। वही 1855 में संथाल हूल विद्रोह भी इस समय समाप्त हुआ था। इसके बाद संथाल परगना के लोगों को ब्रिटिश अंग्रेजों के अत्याचार से निजात मिली थी।संथाल परगना में इस पर्व के जनवरी में मनाये जाने के पीछे अंग्रेजों ब्रिटिश सरकार के प्रतिरोध की भी बात है। जब संथाल परगना में सिदो– कान्हू के नेतृत्व में 30 जून 1855 को बड़ा विद्रोह – 'संथाल हूल' किया गया। अंग्रेज सरकार इस विद्रोह से काफी भयभीत हुई। इस विद्रोह को दबाने के लिए धारा 144 लागू किया गया एवं मार्शल लॉ लगाया गया। इसे 20 नवंबर 1855 को लागू किया गया और जनवरी 1856 में हटाया गया। उसके बाद यहां के लोगों ने तय किया कि खुशियां मने और फिर उसे सोहराय नाम दिया। यही कारण है कि सोहराय के गीतों में संथाल हूल के तथा आजादी का जिक्र रहता है।आदिवासी क्षेत्रों में टाक, मांदर झांझर और बांसुरी की मिश्रित स्वरों से पूरा वातावरण मनमोहक हो उठता है।

जन्म से ले कर मृत्युपर्यंत संताल समाज गीत , नृत्य और संगीत से लबरेज मिलता है । और तभी उन्होंने एक गीत सुनाया जिसमें इस समाज की अपनी पारंपरिक कला के प्रति आसक्ति साफ दिखाई पड़ती थी , यानी मौत की कीमत पर भी वे नृत्य में शामिल होना चाहती हैं । यही वजह है कि शताब्दियों से वे इस अमूल्य धरोहर को ढोते चले आ रहे हैं , क्योंकि नृत्य उन्हें गति देते हैं ... नृत्य ही संवारता है उनके खुरदरे वर्तमान को और वही निर्माण करता है संगीत से ओत – प्रोत भविष्य का भी । जहां तक अतीत का सवाल है,तो अपने "मरांग बुरू" के प्रति उनकी आस्था लाख वैज्ञानिक ईजादों के बावजूद हिली है , न डुली है ।

# पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं निक्की तंबोली

'बिग बॉस 14' की प्रतियोगी रह चुकी ग्लैमर वर्ल्ड की खूबसूरत एक्ट्रेस निक्की तंबोली, जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि लीड रोल वाली पंजाबी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'बदनाम' के जरिए पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में निक्की का एक बेहद जोरदार आइटम सॉन्ग होगा। निक्की तंबोली इसके पहले भी नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' के आयटम सांग 'कॉकटेल.....' में नजर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर निक्की के फैंस की तादाद लाखों में है। शायद इसी को देखते हुए फिल्म 'बदनाम की शूटिंग खत्म होने के बाद फिल्म में निक्की के आयटम सांग की प्लानिंग की गई। इस गाने को सुनिधि चौहान ने अपनी आवाज दी है। यह फिल्म अगले महीने रिलीज होने वाली है। निक्की फिल्म 'बदनाम' का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया आकाउंट पर दावा किया है कि उन पर फिल्माया गया यह एक ऐसा डांस नंबर होगा, जो सिनेमा हॉल में हर किसी को उठकर नाचने पर मजबूर कर देगा। एक मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू करने के बाद निक्की ने तेलुगू हॉरर कॉमेडी फिल्म 'चिकाती गडिलो चिथाकोटुडु' (2019) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। एक्शन हॉरर फिल्म 'कंचना 3' में दिव्या के रूप में उन्होंने तमिल में डेब्यू किया। उसके बाद उनकी तीसरी फिल्म तेलुगु में बनी थिप्पारा मीसम थी। वह अब तक तमिल और तेलुगु की आधा दर्जन से अधिक फिल्में कर चुकी हैं। 2020 में निक्की ने सलमान खान के हिंदी रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' में भाग लेते हुए टेलीविजन डेब्यू किया। इस रियलिटी शो में वह तीसरे स्थान पर रहीं। निक्की को इस रियलिटी शो से अत्यधिक फेम मिला। इस शो के जरिए वह देश भर में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहीं। 'बिग बॉस 14' में हिस्सा लेने के बाद से ही निक्की लगातार सुर्खियों में छाई हुई है। यह शो उनके लिए एक 'टर्निंग प्वाइंट' जैसा था क्योंकि इससे पहले उन्हें साउथ की एक्ट्रेस के तौर पर लोग ज्यादा नहीं जानते थे। 2021 में निक्की ने स्टंट–आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 11 में ने भाग लेकर 10 वां स्थान हासिल किया। 2022 में वह भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया दारा होस्ट किए गए गेम शो 'द खतरा खतरा' में नजर आईं। इस शो में काम करते हुए उनका नाम प्रतीक सहजपाल के साथ जुड़ा। पिछले साल निक्की तंबोली अपने अफेयर की खबरों को लेकर काफी अधिक सुर्खियों में रहीं। 2024 की शुरूआत में जहां उनका नाम बिजनेस मैन मनन शाह के साथ अफेयर की खबरों को लेकर सुर्खियों में रहा। वहीं साल खत्म होते होते अरबाज पटेल के साथ उनकी प्रेम कहानी शुरू हो गई। कहा जा रहा है कि आज दोनों के बीच काफी करीबी रिश्ता बन चुका है। दोनों की मुलाकात रियलिटी शो 'बिग बॉस मराठी सीजन 5' के दौरान हुई थी। निक्की ने वेब सीरीज 'पपी लव' के साथ ओटीटी पर डेब्यू किया । इसमें निक्की ने तनुज विरवानी के अपोजिट एक पंजाबी एनआरआई के शानदार किरदार में नजर आई थीं। फिलहाल निक्की के पास कोई बॉलीवुड फिल्में नहीं हैं लेकिन लोगों का मानना है कि जिस तरह से वह सोशल मीडिया पर खुद को प्रस्तुत कर रही हैं, उसके पीछे उनकी मुख्य स्ट्रेटेजी यही है कि वह किसी भी तरह बॉलीवुड की फिल्मों में व्यस्त हो जाए। उनका ग्लैमरस अवतार कर किसी की धड़कन को बढाता रहता है। अपनी बोल्डनेस की वजह से सोशल मीडिया पर वह अक्सर सनसनी मचाती रहती हैं। अपने परफेक्ट फिगर के लिए वह बेहद मशहूर है. खासकर उनकी बेहद पतली कमर को देखकर हर किसी को अचरज होता है कि आखिर उनका फिगर इतना परफेक्ट कैसे है ?

## सैफ ने हाल में 'ज्वेल थीफ' की शूटिंग पूरी की, 'कर्तव्य' और 'रेस4' में भी नजर आएंगे

**मुंबई, (भाषा)** चाकू हमले में घायल होने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में चोटों से उबर रहे बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान ने हाल में अपनी अगली फिल्म ''ज्वेल थीफ– द रेड सन चैप्टर' की शूटिंग पूरी की और उनके पास कुछ अन्य परियोजनाएं भी हैं। अभिनेता पर बुधवार देर रात बांद्रा स्थित उनके घर में घुसे एक हमलावर ने चाकू से कई वार किये थे, जिसमें उनकी गर्दन पर और रीढ़ की हड्डी के नजदीक चोटें आईं। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी आपातकालीन सर्जरी की गई। सैफ हाल में जूनियर एनटीआर की ''देवरा : पार्ट 1'' में नजर आये थे, जो सितंबर 2024 में देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सैफ के इस फिल्म के अगले भाग में भी नजर आने की उम्मीद है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक दूसरे भाग की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। अभिनेता की आगामी फिल्म ''ज्वेल थीफ – द रेड सन चैप्टर'' एक डकैती पर आधारित है। रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जयदीप अहलावत भी हैं। एक सूत्र के अनुसार, अभिनेता ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है, जो मार्च 2025 में रिलीज होने वाली है। ''ज्वेल थीफ'' के अलावा, खान ''कर्तव्य'' में भी नजर आएंगे, जो ''भक्षक'' के निर्देशक पुलकित की आगामी फिल्म है। निर्देशक ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''सैफ अभिनीत फिल्म तैयार है, हम रिलीज पर काम कर रहे हैं। रिलीज की तारीख निर्माता ही बताएंगे।''

## ऋतिक रोशन ने अपनी वाणिज्यिक संपत्ति को 5.62 लाख रुपये के किराये पर दिया

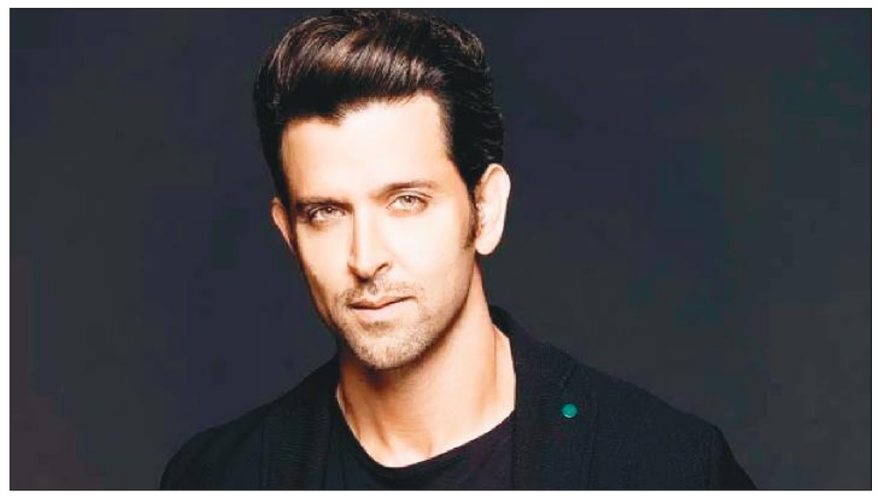

**नयी दिल्ली,** बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने मुंबई स्थित अपनी प्रीमियम कमर्शियल प्रॉपर्टी को 5.62 लाख रुपये प्रति महीने के किराये पर दिया है। रियल एस्टेट परामर्शदाता स्क्वायर याड्र्स ने शनिवार को बताया कि उसने इस संपत्ति पंजीकरण के दस्तावेजों की समीक्षा की है। उसने कहा, "ऋतिक रोशन ने अपनी प्रीमियम वाणिज्यिक संपत्ति को किराये पर दिया है, जिससे उन्हें 5,62,000 रुपये की मासिक आय हो रही है।" यह वाणिज्यिक संपत्ति मुंबई के गोरेगांव में विकसित लोटस कॉरपोरेट पार्क परियोजना में स्थित है। लगभग 27.55 एकड़ में फैली यह परियोजना आधुनिक कार्यालय स्थान प्रदान करती है।

## मुंबई में कोल्डप्ले की प्रस्तुति से पहले क्रिस मार्टिन, डकोटा जॉनसन बाबुलनाथ मंदिर पहुंचे

**मुंबई, (भाषा)** ब्रिटिश बैंड कोल्डप्ले के नवी मुंबई में पहले संगीत कार्यक्रम से पहले इसके प्रमुख गायक क्रिस मार्टिन और उनकी दोस्त हॉलीवुड स्टार डकोटा जॉनसन ने प्रसिद्ध बाबुलनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें मार्टिन और जॉनसन शुक्रवार को भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो में जॉनसन (35) मंदिर में नंदी की मूर्ति के कान में फुसफुसाते हुए दिखाई दे रही हैं। मार्टिन (47) ने नीला कुर्ता पहना हुआ था, जबकि जॉनसन ने प्रिंटेड सूट पहना हुआ था और अपने सिर को दुपट्टे से ढका हुआ था। दोनों को ऐसे वक्त साथ देखा गया है जब कुछ समय पहले जोड़े के रिश्ते टूटने की अफवाह फैली थी। मार्टिन और जॉनसन 2017 से प्रेम संबंध में हैं। ''द सोशल नेटवर्क'', ''सस्पिरिया'' और ''द लॉस्ट डॉटर'' जैसी फिल्मों की अभिनेत्री जॉनसन भारत में कोल्डप्ले के 'म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स वर्ल्ड टूर' के लिए मार्टिन के साथ हैं। शनिवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में बैंड की पहली प्रस्तुति होगी। कोल्डप्ले 19 और 21 जनवरी को मुंबई में दो और कार्यक्रम करेगा। चौथा कार्यक्रम 25 जनवरी को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होगा। ब्रिटिश बैंड ने इससे पहले 2016 में मुंबई में ग्लोबल सिटीजन फेस्टिवल में भारत में प्रस्तुति दी थी।

## नवीनीकृत चिकित्सा उपकरणों के आयात की अनुमति नहीं: सीडीएससीओ

**नयी दिल्ली, (भाषा)** पहले इस्तेमाल किए जा चुके चिकित्सा उपकरणों के देश में अनियमित प्रवाह को रोकने के लिए शीर्ष औषधि नियामक सीडीएससीओ ने सीमा शुल्क विभाग को सूचित किया है कि नवीनीकृत चिकित्सा उपकरणों के आयात की अनुमति नहीं है। सीमा शुल्क के प्रधान आयुक्त को लिखे पत्र में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने कहा है कि सभी चिकित्सा उपकरणों को चिकित्सा उपकरण नियम, 2017 के तहत विनियमित किया जाता है। सीडीएससीओ ने कहा, "हालांकि, उक्त नियमों के तहत नवीनीकृत चिकित्सा उपकरणों के विनियमन के लिए कोई विशिष्ट प्रावधान नहीं है। इसलिए, ऐसे उपकरणों के आयात के लिए कोई लाइसेंस जारी नहीं किया जाता है और इन्हें बिक्री तथा वितरण के लिए चिकित्सा उपकरण नियमों के तहत आयात नहीं किया जा सकता है।" चिकित्सा उपकरणों के निर्माताओं ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा है कि यह निर्णायक स्पष्टीकरण रोगी सुरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए डिज़ायन किए गए नियामकीय ढांचे को मजबूत करता है। पीएचडीसीसीआई में चिकित्सा उपकरण समिति के पूर्व चेयरपर्सन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि सीडीएससीओ का यह निर्णय चिकित्सा प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीवास्तव ने कहा, "देश में नवीनीकृत चिकित्सा उपकरणों को अनुमति देने से स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता खतरे में पड़ जाती, स्थानीय नवाचार हतोत्साहित होता और 'मेक इन इंडिया' पहल की भावना कमजोर होती।" इनवॉल्यूशन हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक गौरव अग्रवाल ने कहा कि सीडीएससीओ का निर्णायक स्पष्टीकरण नियामक ढांचे को मजबूत करता है, जो रोगी सुरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए डिज़ायन किया गया है। इसके साथ ही स्वदेशी विनिर्माण की वृद्धि के लिए एक मजबूत माहौल भी तैयार करता है।

## झारखंड का ऋण–जमा अनुपात 50 प्रतिशत के पार, मार्च तक 55 प्रतिशत करने की योजना: एसएलबीसी

**रांची, (भाषा)** झारखंड की राज्य स्तरीय बैंकर समिति (एसएलबीसी) ने शनिवार को निर्णय लिया कि मार्च के अंत तक ऋण–जमा अनुपात को मौजूदा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत किया जाएगा। एसएलबीसी की अध्यक्षता बैंक ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक एम कार्तिकेयन ने की। बैठक में झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर और वित्त सचिव प्रशांक कुमार भी उपस्थित थे। किशोर ने कहा, "राज्य में ऋण–जमा अनुपात में वृद्धि हुई है, लेकिन यह राष्ट्रीय औसत 87 प्रतिशत की तुलना में अभी भी कम है।" बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय को झारखंड से बिहार के पटना में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर भी आपत्ति जताई। मंत्री ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, "झारखंड में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की 120 शाखाएं हैं, जिनमें कुल जमा राशि 13,555 करोड़ रुपये है। बिहार में इसकी 236 शाखाएं हैं, जिनमें जमा राशि 15,743 करोड़ रुपये है। मैंने बैंक अधिकारियों से पूछा है कि झारखंड में जमा राशि अधिक होने पर भी बैंक को स्थानांतरित करने का क्या कारण है। यह झारखंड के हितों के खिलाफ है और स्वीकार्य नहीं है।" स्वागत भाषण में एसएलबीसी के महाप्रबंधक एवं बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय महाप्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि झारखंड का ऋण–जमा अनुपात पहली बार 50 प्रतिशत को पार कर 30 सितंबर, 2024 तक 50.22 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह दर्शाता है कि राज्य में बैंक ऋण प्रवाह में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। राज्य में ऋण–जमा अनुपात 30 सितंबर, 2024 को 50.22 प्रतिशत दर्ज किया गया जबकि 30 सितंबर, 2023 को यह 45.04 प्रतिशत था।

## किसानों को धान का बोनस देने से पहले ड्रोन से सर्वेक्षण कराएंगे: मप्र मुख्यमंत्री

**सिवनी,** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य में किसानों को धान का बोनस जारी करने से पहले सर्वेक्षण करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम किसानों की कठिनाइयों को दूर करने और यह सुनिश्चित करने का एक प्रयास है कि कोई भी किसान छूट न जाए। मुख्यमंत्री ने सिवनी में स्वामित्व योजना से संबंधित एक कार्यक्रम में कहा, "धान बोनस के वितरण में समस्याएं सामने आती हैं। इसलिए, सरकार ने धान की खेती का ड्रोन सर्वेक्षण कराने का फैसला किया है।" धान बोनस का मतलब आमतौर पर फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अतिरिक्त दी जाने वाली राशि से है। उन्होंने कहा, "हम बोनस की राशि सभी किसानों के बैंक खाते में डालेंगे। कोई भी वंचित नहीं रहेगा।" यादव ने कहा कि उनकी सरकार का संकल्प 'हर खेत को पानी और हर हाथ को काम' उपलब्ध कराना है। राज्य की पिछली कांग्रेस सरकारों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि 1956 से 2003 के बीच विपक्षी दल के कार्यकाल में राज्य की सिंचाई क्षमता सिर्फ सात लाख हेक्टेयर थी। मुख्यमंत्री ने कहा, "लेकिन 2003 से 2023 तक भाजपा के सत्ता में रहने के बाद सिंचाई क्षमता 48 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गई है। अब हमारी सरकार ने अगले पांच वर्षों में सिंचाई क्षमता को बढ़ाकर एक करोड़ हेक्टेयर करने का संकल्प लिया है।" उन्होंने कहा, "हमने 2.5 लाख सरकारी पदों पर भर्ती की योजना बनाई है। इस साल एक लाख पदों पर उम्मीदवारों की भर्ती की जाएगी।"

## मप्र में सहकारी बैंक के सेवानिवृत्त कर्मी की पांच करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति का खुलासा

**उज्जैन, (भाषा)** मध्य प्रदेश पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शनिवार को उज्जैन में जिला सहकारी बैंक के एक सेवानिवृत्त अधिकारी के घर की तलाशी के दौरान पांच करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति का पता लगाने का दावा किया। ईओडब्ल्यू अधिकारियों को जिला सहकारी बैंक के पूर्व सहायक प्रबंधक अनिल सुहाने के आवास से पांच लाख रुपये नकद मिले। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले महीने की शुरुआत में सेवानिवृत्त हुए सुहाने को उसकी सेवा के दौरान लगभग 70 लाख रुपये वेतन मिला था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को तलाशी और बैंक लॉकरों के बारे में जानकारी से पांच करोड़ रुपये की कथित आय से अधिक संपत्ति का पता चला। उन्होंने बताया कि उज्जैन शहर में सुहाने से जुड़े अन्य स्थानों पर भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी ने बताया कि ईओडब्ल्यू ने एक व्यावसायिक भूखंड और पांच लाख रुपये नकद सहित अन्य संपत्तियों के बारे में जानकारी मिली है। उन्होंने बताया कि संपत्तियों के मूल्य का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जांच के लिए बैंक लॉकर खोले जाएंगे।

## एएआई ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण: खजुराहो मध्य प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा, देशभर में आठवां स्थान

**भोपाल, (भाषा)** भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा किए गए ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण के अनुसार खजुराहो हवाई अड्डा मध्य प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा बनकर उभरा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देशभर के 62 हवाई अड्डों की सूची में इसे आठवां स्थान मिला है जबकि ग्वालियर, भोपाल और जबलपुर हवाई अड्डों को क्रमशः दसवां, 15वां और 22वां स्थान मिला है। खजुराहो हवाई अड्डे के निदेशक संतोष सिंह ने कहा, ''यह उपलब्धि हमारे कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों और यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर सुधारों को दर्शाती है। हम सेवा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और खजुराहो हवाई अड्डे को यात्रियों के लिए पसंदीदा विकल्प बनाने का प्रयास जारी रखेंगे।'' छतरपुर में स्थित खजुराहो देश के शीर्ष पर्यटक स्थलों में से एक है।

## बिहार : वक्फ संशोधन विधेयक–2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक हुई

**पटना, (भाषा)** वक्फ संशोधन विधेयक– 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक शनिवार को पटना में हुई, जिसकी अध्यक्षता जेपीसी के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने की। बैठक की अध्यक्षता जगदम्बिका पाल ने की और इसमें सदस्यों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। जेपीसी समिति द्वारा विधेयक पर अपनी रिपोर्ट संसद के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है। जेपीसी के प्रयास वक्फ अधिनियम में सुधार और यह सुनिश्चित करने के लिए उस राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग समुदाय के व्यापक हित के लिए किया जाए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के मीडिया समन्वयक दानिश इकबाल ने भी बैठक में भाग लिया। इकबाल ने एक बयान में विधेयक को वंचित और पिछड़े मुसलमानों के कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और इस बात पर जोर दिया कि इसके कार्यान्वयन से वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार पर प्रभावी रूप से अंकुश लगेगा। बैठक के दौरान इकबाल ने वक्फ बोर्ड में गैर–मुस्लिमों को शामिल करने के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और इसे एक प्रगतिशील और संतुलित कदम बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गैर–मुस्लिमों में केवल हिंदू ही नहीं बल्कि ईसाई, सिख, बौद्ध और जैन भी शामिल हैं।

## मप्र राज्य सेवा परीक्षा 2022 का परिणाम घोषित, शीर्ष 10 में छह महिलाएं शामिल

**इंदौर, (भाषा)** मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने राज्य सेवा परीक्षा 2022 का परिणाम शनिवार शाम घोषित किया और शीर्ष 10 सफल उम्मीदवारों में छह महिलाओं ने जगह बनाई है। एमपीपीएससी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घोषित परिणाम के मुताबिक दीपिका पाटीदार राज्य सेवा परीक्षा 2022 में शीर्ष स्थान पर रहीं और उप जिलाधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) पद पर चयनित हुईं। उन्होंने बताया कि उप जिलाधिकारी पद पर चयनित शीर्ष 10 उम्मीदवारों में क्रमशः आदित्य नारायण तिवारी, सुरभि जैन, महिमा चौधरी, धर्मप्रकाश मिश्रा, शानू चौधरी, स्वाति सिंह, उमेश अवस्थी, कविता देवी यादव और प्रत्युष श्रीवास्तव शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि राज्य सेवा परीक्षा 2022 के लिए मूलतः 456 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था लेकिन सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का मुकदमा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में लम्बित होने के कारण फिलहाल इनमें से 87 प्रतिशत पदों का चयन परिणाम घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि शेष 13 प्रतिशत पदों की चयन सूची इस मुकदमे में अदालत के अंतिम फैसले के बाद घोषित की जाएगी।

## पोषण संबंधी सहायता से भारत में 2035 तक टीबी से होने वाली मौतों और मामलों को रोका जा सकता है :अध्ययन

**नयी दिल्ली, (भाषा)** भारत में क्षय रोग (टीबी) का उपचार करा रहे रोगियों वाले आधे परिवारों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने से 2035 तक टीबी से संबंधित 4.5 प्रतिशत मौतों और 2.2 प्रतिशत ऐसे मामलों को कम किया जा सकता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। 'द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि इस तरह के प्रयास से 3.6 लाख से अधिक मौतों और 8.8 लाख से अधिक टीबी के मामलों को रोका जा सकता है। शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया है कि आमतौर पर मौत के एक मामले को रोकने के लिए लगभग 24 परिवारों को तपेदिक का उपचार कराने की आवश्यकता होगी जबकि एक मामले को रोकने के लिए 10 परिवारों को उपचार कराने की जरूरत होगी।

## मप्र : संविधान–आंबेडकर रैलियों के जरिये भाजपा और कांग्रेस का होगा आमना–सामना

**भोपाल, (भाषा)** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस की संविधान और इसके निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर राजनीतिक लड़ाई जारी है और इसी कड़ी में अगले कुछ दिन में दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के मध्य प्रदेश में कई कार्यक्रम हैं। सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, नितिन गडकरी सहित अन्य नेता पार्टी द्वारा शुरू 'संविधान गौरव अभियान' के तहत 20–21 जनवरी को जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पार्टी के एक नेता ने शनिवार को 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि इन नेताओ के कार्यक्रमों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। भाजपा ने 11 जनवरी को मध्य प्रदेश में 'संविधान गौरव अभियान' की शुरुआत की थी। कांग्रेस 27 जनवरी को इंदौर के पास बाबा साहब आंबेडकर की जन्मस्थली महू में एक जनसभा आयोजित करेगी जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा हिस्सा लेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में मध्य प्रदेश और असम के राजनीतिक मामलों के प्रभारी महासचिव जितेन्द्र सिंह ने पिछले सप्ताह कहा था कि महू में कांग्रेस संविधान और लोगों के अधिकारों को बचाने के उद्देश्य से 'जय बापू–जय भीम–जय संविधान' अभियान की शुरुआत करेगी।

आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू की सैन्य छावनी में हुआ था, जिसे अब आधिकारिक तौर पर डॉ. आंबेडकर नगर के नाम से जाना जाता है। मध्य प्रदेश भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख आशीष अग्रवाल ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''संविधान गौरव अभियान के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं और वरिष्ठ नेता इसमें हिस्सा लेंगे। अभियान 25 जनवरी को समाप्त होगा।'' इस बीच, कांग्रेस की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव ने कहा कि पार्टी की 27 जनवरी की 'विशाल' रैली में कई राज्यों के मुख्यमंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी)के सदस्य भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि रैली में बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ने के लिए मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी के नेतृत्व में तैयारियां की जा रही हैं। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि सत्तारूढ़ पार्टी 400 से अधिक सीट चाहती है ताकि संविधान में बदलाव कर आरक्षण को समाप्त किया जा सके। हाल में विपक्ष ने अमित शाह पर संसद में भाषण के दौरान आंबेडकर का 'अपमान' करने का आरोप लगाकर उनके खिलाफ अपना हमला तेज कर दिया था।

## केंद्र ने राज्यों, एथनॉल उत्पादन के लिए एफसीआई चावल की कीमत 550 रुपये प्रति क्विंटल घटाई

**नयी दिल्ली, (भाषा)** केंद्र ने एफसीआई चावल का आरक्षित मूल्य शुक्रवार को राज्यों और एथनॉल उत्पादकों के लिए खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत 550 रुपये प्रति क्विंटल घटाकर 2,250 रुपये कर दिया। यह कदम इसकी बिक्री को बढ़ावा देने और खाद्य सुरक्षा उपायों का समर्थन करने के लिए उठाया गया है। खाद्य मंत्रालय के आदेश के अनुसार, राज्य सरकारें और सरकारी निगम 12 लाख टन तक खरीद सकते हैं, जबकि एथनॉल डिस्टिलरी को कम दर पर 24 लाख टन तक खरीदने की अनुमति है। दोनों श्रेणियों के लिए पिछला आरक्षित मूल्य 2,800 रुपये प्रति क्विंटल था। साप्ताहिक ई–नीलामी के माध्यम से चावल के भंडारण का प्रबंधन करने वाला भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) 30 जून, 2025 तक संशोधित नीति को लागू करेगा। निजी व्यापारी और सहकारी समितियां 2,800 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान करना जारी रखेंगी, जबकि 'भारत' ब्रांड के तहत बिक्री करने वाली नैफेड, एनसीसीएफ और केन्द्रीय भंडार जैसी केन्द्रीय सहकारी समितियां 2,400 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान करेंगी। मंत्रालय ने आदेश दिया है कि 2024–25 के दौरान लगभग 110 करोड़ लीटर एथनॉल के लिए तीसरे चक्र की निविदा में एफसीआई चावल का उपयोग किया जाना चाहिए, जहां तक संभव हो, पुराने चावल के भंडारण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

ओएमएसएस के तहत राज्यों को चावल की बिक्री गैर–अधिशेष क्षेत्रों तक सीमित है, जिन्हें अतिरिक्त आपूर्ति की आवश्यकता है। निजी मिल मालिकों को 'भारत' ब्रांड चावल की बिक्री की अनुमति नहीं है, लेकिन छात्रावासों, धार्मिक संस्थानों, अस्पतालों और धर्मार्थ संगठनों के लिए इसकी अनुमति है। यह संशोधन इसी योजना के तहत गेहूं की तुलना में चावल की अपेक्षाकृत कम बिक्री के बीच किया गया है, जिसका उद्देश्य खुले बाजार में उपलब्धता को बढ़ाना और कीमतों को स्थिर करना है।

## एनीमिया के ज्यादातर मामले आयरन की कमी के अलावा अन्य कारणों से : अध्ययन

**नयी दिल्ली, (भाषा)** देश के आठ राज्यों में सामुदायिक स्तर पर किये गए रक्त सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले एक अध्ययन के अनुसार, 'एनीमिया' के मामलों का एक बड़ा हिस्सा विटामिन बी12 की कमी और वायु प्रदूषण जैसे कारणों से जुड़ा पाया गया। हालांकि, एनीमिया आमतौर पर लाल रक्त कोशिकाओं की कमी के कारण होता है। 'यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रीशन' में प्रकाशित अध्ययन से यह भी पता चला कि आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया कुल मामलों के एक तिहाई से भी कम हैं। 'विटामिन बी12 इंडिया स्टडी' और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर–एनआईएन), हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने कहा कि उनके निष्कर्षों से पता चलता है कि एनीमिया के कारण के रूप में आयरन की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार नहीं लगती। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, इसतरह ''इन परिणामों का एनीमिया की रोकथाम और सुधार के लिए नीतिगत निहितार्थ हैं।'' अध्ययन के लेखकों के अनुसार, एनीमिया, एक रक्त विकार है जिसमें स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं अपर्याप्त होती हैं या खराब हो रही होती हैं। यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है और माना जाता है कि यह और भी बदतर होती जा रही है, जैसा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के रुझानों से पता चला है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण सर्वेक्षण एनीमिया के कारण की जांच नहीं करते हैं, क्योंकि वे केवल उंगली से लिये गए रक्त के नमूने के आधार पर केशिका रक्त हीमोग्लोबिन को मापते हैं। अध्ययन दल ने 2019 के व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण का हवाला दिया, जिसमें नसों से लिए गए भारतीय बच्चों के रक्त के नमूनों में हीमोग्लोबिन के स्तर का विश्लेषण किया गया था, और एनीमिया की कम व्यापकता पाई गई थी। हालांकि, अध्ययन के लेखकों ने कहा कि आयरन की कमी को एनीमिया का प्रमुख कारण माना जाता है। इस अध्ययन के लिए, पूर्वोत्तर, मध्य, पूर्व, दक्षिण और पश्चिम भारत के राज्यों से किशोरों, वयस्कों और बुजुर्गों सहित कुल 4,613 लोगों को शामिल किया गया था। अध्ययन के लेखकों के अनुसार, ''नसों से लिए गये रक्त के नमूने पर आधारित सर्वेक्षण में, पुरुषों और महिलाओं में एनीमिया की मौजूदगी, उन्हीं राज्यों में केशिका रक्त–आधारित एनएफएचएस–5 सर्वेक्षण के परिणामों से स्पष्ट रूप से कम पाया गया।'' उन्होंने लिखा, ''महिलाओं में, आठ राज्यों में एनीमिया का प्रसार 41.1 प्रतिशत था, जबकि एनएफएचएस–5 में 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए यह 60.8 प्रतिशत था।''

## मप्र उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने इंदौर जिला न्यायालय में डिस्पेंसरी का उद्घाटन किया

**इंदौर, (भाषा)** मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने इंदौर के जिला न्यायालय परिसर में बुधवार को डिस्पेंसरी का उद्घाटन किया और कहा कि वकीलों के हित में हरसंभव कदम उठाया जाएगा। कैत ने जिला न्यायालय परिसर में फीता काटकर डिस्पेंसरी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विवेक रूसिया भी मौजूद थे। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने वकीलों को संबोधित करते हुए कहा, "मेरे अनुरोध पर स्वास्थ्य विभाग ने जिला न्यायालय की डिस्पेंसरी में चिकित्सक का इंतजाम किया है। भविष्य में भी वकीलों के हित में हरसंभव कदम उठाया जाएगा।" मुख्य न्यायाधीश ने जिला न्यायालय के मौजूदा भवन में बुनियादी ढांचे की खराब स्थिति पर चिंता भी जताई और कहा कि पिपल्याहाना क्षेत्र में बन रहे नये भवन से न्यायाधीशों और वकीलों, दोनों को बड़ी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जिला न्यायालय के नये भवन में अपेक्षाकृत बड़ी चिकित्सा इकाई स्थापित की जाएगी।

# बाल कथा– बर्गर

छुट्टी वाले दिन अलार्म का शोर कितना सुहाना लगता है। यह कोई दस साल के हर्ष से पूछे। काश ऐसा बाल दिवस रोज आये, स्कूल की छुट्टी हो और मम्मी पापा ने बाजार घुमाने का वादा किया हो। वाह हुई न मजेदार बात।

इत्तेफाक से आज आनंद की भी दफ्तर से छुट्टी थी। शायद पिछले संडे आफिस में बैठकर काम करने का इनाम। तो आदतन सुबह सात बजे उनकी भी नींद खुल तो गयी मगर छुट्टी का ख्याल आते ही अंतर्मन तक शान्ति और सुख का एहसास हुआ। ऐसा लगा जैसे जन्नत नसीब हो गयी हो और हो भी क्यों न आखिर मिड वीक आफ यानी मध्य सप्ताह छुट्टी की बात ही अलग होती है। सो बस आँखें मींचे बिस्तर में ऊँघते रहे। उधर रश्मि का भी मन अति आनंदित था – न बेटे का स्कूल न पति का आफिस। उसपर घूमने जाने की खुशी अलग। दिल्ली का वर्मा परिवार आज असल मायनों में सुख सागर में गोते लगा रहा था।

पापा हम हमेशा आपकी वजह से लेट होते हैं। अभी तक आप नहाये भी नहीं।

अभी नहाने ही जा रहा हूँ।

तो जाइये न।

उफ ये लड़का! आज जरा तसल्ली से अखबार तो पढ़ने दे बेटा।

देखा! अब अखबार पढ़ने लगे। पापा ऐसे तो हम शाम तक भी नहीं जा पाएंगे, आप जानते हैं मुझे नई बैट्री वाली गाड़ी खरीदनी है, जैसी गगन के पास है, और सबसे जरूरी दृ बर्गर! अच्छा बाबा जा रहा हूँ। तुम जल्दी से तैयार हो जाओ।

हर्ष – मम्मी आप भी अपना फोन रख के मुझे जल्दी से तैयार कर दीजिये।

मम्मी – जरा एक मिनट बेटे, ये नया व्हाट्सएप्प आया है बाल दिवस पर। जरा अपने ग्रुप पर फारवर्ड कर दूँ।

हर्ष –ओहो! कोई मेरी बात सुनता नहीं है। आज बाल दिवस है – मेरा दिन। आज सब लोग मेरी बात सुनेंगे। ठीक ?

बच्चे की मासूम बात सुनके आनंद और रश्मि खुशी से हंस पड़े और बोले – ठीक है। चलो चलें। वाकई आज बाजार की रौनक देखने लायक थी। बच्चों के शोरूम में तरह तरह की सेल लगी हुई थी। एक से बढ़कर एक कपड़े, जूते, खिलौने और भी बहुत कुछ। हर्ष ने मम्मी पापा के साथ खूब खरीदारी की। कपड़ों से लेकर स्कूल की नई बोतल तक हर चीज पर धावा बोल दिया और कमाल की बात तो यह कि आज मम्मी पापा ने एक बार न टोका।

पापा मैं थक गया हूँ और मुझे जोरों की भूख लगी है। रश्मि ने भी सुर में सुर मिलाते हुए कहा – हाँ मुझे भी। चलिए किसी अच्छे रेस्टोरेंट में बैठकर खाना खाते हैं।

आनंद – ठीक है, चलो।

रेस्टोरेंट का मेनू कार्ड दिखते हुए आनंद ने हर्ष से पूछा – हर्ष बेटे क्या खाओगे?

हर्ष की आँखों में चमक थी – बर्गर। बड़ा सा बर्गर चीज वाला। साथ में ठंडा और बाद में आइसक्रीम। आनंद – हाँ हाँ जरूर।

सबने भरपेट खाना खा कर एक बर्गर पैक भी करवा लिया। रेस्टोरेंट से बाहर निकलते ही आनंद को याद आया कि अपनी चेंज काउंटर पर भूल गया है सो वह भागकर अंदर गया।

रश्मि को बगल वाली दुकान में चमकती साड़ी ने आकर्षित किया और वह बोली – हर्ष बेटे, यहीं रहना। मैं बगल वाली दुकान में हूँ, अभी पापा आ रहे हैं।

हाँ मम्मी बेफिक्र रहिये। मैं कोई छोटा बच्चा नहीं रहा। आप जाओ।

बच्चे के आत्म विश्वास भरे शब्द सुनके रश्मि को बड़ी तसल्ली हुई और वह पड़ोस की दुकान में घुस गई। तभी हर्ष के सामने एक उसका हमउम्र बच्चा खड़ा उसको देख रहा था। उसकी गड्ढों में धंसी खाली आँखें, बदन पर घिसी पिटे कपड़ों के चीथड़े , पतले पतले हाथ पैर देख मालूम होता था उसने कई दिनों से ठीक से खाना नहीं खाया है। ऐसे बच्चे अक्सर हमें सड़कों पर, फुटपाथों पर देखने को मिल ही जाते हैं। वही बच्चे जिनको मम्मी पापा भीख तक नहीं देते, कहते हैं कि इन्हें मेहनत करनी चाहिए। पहले तो वह बच्चा कुछ दूर था लेकिन देखते देखते हर्ष के नजदीक आ पहुंचा और बोला – बड़ी भूख लगी है भैया। बड़ी भूख लगी है।

इस वक्त हर्ष का दिल बहुत मुश्किल में था। भूख के अहसास से कोई अपरिचित तो होता नहीं फिर चाहे वह छोटा बच्चा ही क्यों न हो। अगर मम्मी पापा के साथ होता तो वे लोग इस बच्चे को दुत्कार कर हर्ष की इस कशमकश को वह खत्म कर देते लेकिन अब क्या किया जाए? दुत्कार या करुणा?

भैया खाना दे दो न भैया। – बच्चे ने दोबारा हाथ फैला कर मांग की।

इतना सुनते ही हर्ष ने यकायक अपना अजीज बर्गर का पैकेट उस बच्चे को दे दिया। पैकेट खोलने का भी सब्र नहीं छोड़ा था उस बच्चे की भूख ने। उसने पैकेट को बीच में से फाड़ा और गपगप करके बर्गर खाने लगा।

हर्ष को ऐसी खुशी आज तक न हुई थी जो इस वक्त हो रही थी। वह चुपचाप खड़ा उस बच्चे को निहारता रहा। आज उसने पहली बार किसी भूखे को खाना खिलाया था।

तभी आनंद ने चिल्लाकर कहा – ए चोट्टे ! मेरे बच्चे का खाना छीनता है?

नहीं नहीं पापा! मैंने खुद इसको अपना बर्गर दिया है। खाने दीजिये न। इसको भी तो भूख लगी थी। पापा बाल दिवस का सही अर्थ मुझे आज समझ में आया है। यह केवल व्हाट्सप्प पर आये मैसेज या अखबार में आने वाले सेल धमाकों का त्यौहार नहीं । बाल दिवस तो बचपन का जश्न मनाने का नाम है। आज का बाल दिवस मुझे हमेशा याद रहेगा।

## बीएमडब्ल्यू को भारत में इस साल भी दहाई अंकों में वृद्धि की उम्मीद

**नयी दिल्ली, (भाषा)** जर्मनी की लक्जरी वाहन कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वर्ष 2024 की शानदार बिक्री से उत्साहित होकर इस साल भारत में दहाई अंकों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद लगाई है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विक्रम पावा ने शनिवार को कहा कि कंपनी को इस साल अपने इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री पोर्टफोलियो में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने पिछले साल 15,721 कारों के साथ अपनी अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की थी जो एक साल पहले की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। बीएमडब्ल्यू ब्रांड ने 15,012 इकाई बेचे जबकि मिनी ब्रांड के 709 वाहन बिके थे। इसके अलावा समूह के मोटरसाइकिल ब्रांड बीएमडब्ल्यू मोटरैड ने भी पिछले साल 8,301 इकाइयां बेची थीं। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी पिछले साल की तरह ही वृद्धि की उम्मीद कर रही है, पावा ने कहा, "दहाई अंकों से कम वृद्धि के बारे में सोचना भी भारत को कमतर आंकने की तरह होगा।" उन्होंने कहा कि कंपनी सभी वाहन खंडों में भारतीय बाजार में बहुत ठोस रफ्तार से वृद्धि देख रही है। पावा ने कहा, "मुझे 2025 में भी यही उम्मीद है। हमने हमेशा कहा है कि हमारे पास एक बहुत ही मजबूत रणनीति है जिसे हमने तीन साल पहले अपनाया था।" उन्होंने ईवी की बिक्री पर कहा कि बीएमडब्ल्यू ने 2024 में भारत में 3,000 इकाइयों की कुल बिक्री का मील का पत्थर पार कर लिया है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। समूह के मोटरसाइकिल ब्रांड बीएमडब्ल्यू मोटरैड ने शनिवार को अपनी नई बाइक बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस एडवेंचर पेश की। इसकी शुरुआती कीमत 22.95 लाख रुपये है। इसके अलावा कंपनी ने देश में बिल्कुल नई एक्स3 भी पेश की, जिसकी कीमत 75.8 लाख रुपये है।

## भारतीय नौसेना आठ देशों की नौसेनाओं के साथ एक बड़ा नौसैन्य अभ्यास कर रही

**नयी दिल्ली, (भाषा)** भारतीय नौसेना उथल–पुथल वाले भू–राजनीतिक माहौल और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के अपना प्रभाव बढ़ाने की पृष्ठभूमि में, अमेरिका और फ्रांस सहित आठ देशों की नौसेनाओं के साथ एक बड़े युद्धाभ्यास में भाग ले रही है। नौसैन्य अभ्यास 'ला पेरोस' हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच स्थित जलडमरूमध्यों के साथ–साथ मलक्का, सुंडा और लोम्बोक में जारी है। इन जलडमरूमध्य को वैश्विक समुद्री व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सोलह जनवरी से शुरू हुए नौ दिवसीय अभ्यास का उद्देश्य समुद्री निगरानी, हवाई अभियानों और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में भाग लेने वाले देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। परमाणु ऊर्जा चालित विमानवाहक पोत 'चार्ल्स डे गाउले' के नेतृत्व में फ्रांसीसी नौसेना का एक बेड़ा अभ्यास का मुख्य हिस्सा है। भारतीय नौसेना के अनुसार, भारत का स्वदेश विकसित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मुंबई भी अभ्यास का हिस्सा है। भारत, अमेरिका और फ्रांस के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, कनाडा और ब्रिटेन की नौसेनाएं भी इस अभ्यास में भाग ले रही हैं। भारतीय नौसेना ने शनिवार को कहा, ''यह अभ्यास समान विचारधारा वाली नौसेनाओं को बेहतर सामरिक अंतर–संचालन के लिए योजना, समन्वय और सूचना साझा करने में घनिष्ठ संबंध विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।'' ऑस्ट्रेलियाई नौसेना ने अपने अग्रिम पंक्ति के विध्वंसक पोत एचएमएएस होबार्ट को तैनात किया है, जबकि कनाडा ने अपने युद्धपोत एचएमसीएस ओटावा को भेजा है। अमेरिका ने युद्ध पोत यूएसएस सवाना को तैनात किया है, मलेशिया ने विध्वंसक एफएफजी लेकिर और पोत गगा समुदेरा को भेजा है। ब्रिटेन, अपतटीय गश्ती पोत एचएमएस स्पाई और सिंगापुर, गश्ती पोत आरएसएन इंडिपेंडेंस के साथ अभ्यास में भाग ले रहा है। फ्रांस की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ''इस अभ्यास का मूल उद्देश्य समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है। साथ ही अंतर–संचालनीयता का विकास करना और समुद्री संकट की स्थिति में सामूहिक रूप से काम करने को बढ़ावा देना है।"

## वैश्विक अनिश्चितता से भारत के लिए अपने वृद्धि अनुमान को घटाया: नीति आयोग सदस्य

**कोलकाता, (भाषा)** नीति आयोग के सदस्य एवं अर्थशास्त्री अरविंद विरमानी ने शनिवार को कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और जोखिमों के कारण उन्होंने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर संबंधी अपने अनुमान को मामूली रूप से संशोधित कर दिया है। पहले देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 6.5–7.5 प्रतिशत की सीमा में रहने का अनुमान लगाने वाले विरमानी ने अब अनुमान को संशोधित कर 6.5–7.0 प्रतिशत कर दिया है। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों से उत्पन्न जोखिम से बचने की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच इसके सात प्रतिशत से कम रहने की आशंका है। विरमानी ने कहा, "साल की शुरुआत से ही मेरा ध्यान 0.5 प्रतिशत की घट–बढ़ के साथ सात प्रतिशत पर था। इसका मतलब है कि वृद्धि दर 6.5–7.5 प्रतिशत के बीच रहेगी। लेकिन अब मैं इसे संशोधित कर 6.5–7.0 प्रतिशत कर रहा हूं। अमेरिकी चुनावों से पैदा हुई राजनीतिक अनिश्चितताएं मेरे अनुमान से कहीं अधिक हैं।" उन्होंने एमसीसीआई के साथ एक संवाद सत्र से इतर कहा, "अमेरिकी चुनाव की अनिश्चितता का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है, जिसका यूरोप, चीन और अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ रहा है, तथा इसका परोक्ष प्रभाव भारत पर भी पड़ रहा है।" विरमानी ने चीन की अर्थव्यवस्था में व्याप्त मंदी पर प्रकाश डालते हुए कहा, "चीन की अत्यधिक क्षमता और उसकी धीमी होती अर्थव्यवस्था ने वैश्विक अनिश्चितता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है। इससे भारत की वृद्धि दर पर भी असर पड़ सकता है।" इन चुनौतियों के बावजूद विरमानी भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं को लेकर आशावादी बने हुए हैं। उन्होंने कहा, "अगर भारत अगले 25 वर्षों तक छह प्रतिशत की वृद्धि दर बनाए रखता है, तो यह उच्च–मध्यम आय या यहां तक कि उच्च आय वाला देश बनने की भी स्थिति में है, जिससे यह चीन के करीब पहुंच जाएगा।"

## वाहन प्रदर्शनी में इलेक्ट्रिक वाहनों का दबदबा कायम; विनफास्ट, बीवाईडी ने नए मॉडल प्रदर्शित किए

**नयी दिल्ली, (भाषा)** राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' के दूसरे दिन शनिवार को भी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) आकर्षण का मुख्य केंद्र बने रहे। विनफास्ट और बीवाईडी जैसी कई कंपनियों ने यात्री वाहन खंड में अपने उत्पाद पेश किए जबकि वेव मोबिलिटी ने सौर ऊर्जा से चलने वाली इलेक्ट्रिक मिनीकार एवा को पेश किया। वाणिज्यिक वाहनों की श्रेणी में जेबीएम इलेक्ट्रिक वेहिकल्स ने लक्जरी कोच गैलेक्सी सहित चार नई इलेक्ट्रिक बसें पेश कीं। वहीं ईकेए मोबिलिटी ने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने के उद्देश्य से एक इलेक्ट्रिक ट्रक और छह सीटों वाला सार्वजनिक परिवहन वाहन पेश किया। वाहन प्रदर्शनी के दूसरे दिन दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंदै मोटर कंपनी ने टीवीएस मोटर कंपनी के साथ मिलकर भारत के लिए अंतिम गंतव्य वाले परिवहन समाधानों के विकास में साझेदारी की संभावना तलाशने की घोषणा की। इस दिशा में अभी तक कोई बाध्यकारी समझौता नहीं किया गया है। इस दौरान हुंदै मोटर ने अंतिम गंतव्य तक पहुंचाने वाले एक वाहन के कॉन्सेप्ट मॉडल को भी पेश किया। वियतनाम की कंपनी विनफास्ट ऑटो ने अपनी दो इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ 7 और वीएफ 6 का अनावरण करते हुए कहा कि ये दोनों मॉडल इस साल के अंत तक भारतीय बाजार में आए जाएंगे। ये कंपनी के भारत में उतारे जाने वाले पहले वाहन होंगे। विनफास्ट इस समय तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 50 करोड़ डॉलर की लागत से अपना विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने में लगी हुई है। उसे उम्मीद है कि 2025 की दूसरी छमाही में यह संयंत्र बनकर तैयार हो जाएगा जिसके बाद वह उत्पादों को पेश करेगी। विनफास्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फान सान चाउ ने कहा कि कंपनी भारत में अपने निवेश के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रही है ताकि नई ईवी नीति के तहत प्रोत्साहन के लिए विचार किया जा सके। कंपनी भारत में उत्पादित ईवी का निर्यात पश्चिम एशिया और अफ्रीकी बाजारों में करना चाह रही है। चीन की दिग्गज ईवी कंपनी बीवाईडी ने भी अपने इलेक्ट्रिक एसयूवी सीलॉयन 7 को पेश करने के साथ उसकी बुकिंग शुरू करने की भी घोषणा की। इसके अलावा कंपनी ने सीलॉयन 6 और बीवाईडी सुपर प्लग–इन हाइब्रिड ईवी एवं यांगवांग यू8 को भी पेश किया। बीवाईडी इंडिया के इलेक्ट्रिक यात्री वाहन कारोबार प्रमुख राजीव चौहान ने कहा, "हम ऐसे उत्पादों के साथ उद्योग को बदलने में अग्रणी होने के लिए उत्साहित हैं जो न केवल प्रेरित करते हैं बल्कि हरित भविष्य में सार्थक योगदान भी देते हैं। हम जनवरी के भीतर अपने डीलरशिप नेटवर्क का विस्तार 40 तक करने और 2025 तक अपने नेटवर्क को और भी बढ़ाने के लिए तैयार हैं।" वाणिज्यिक वाहन खंड में जेबीएम इलेक्ट्रिक ने लक्जरी कोच गैलेक्सी सहित चार नई इलेक्ट्रिक बसें पेश कीं। इसने एक इंटरसिटी बस एक्सप्रेस, लो फ्लोर इलेक्ट्रिक मेडिकल मोबाइल यूनिट ई–मेडीलाइफ और ई–स्काईलाइफ भी पेश किए। जेबीएम ग्रुप के वाइस चेयरमैन निशांत आर्य ने कहा कि कंपनी हरित परिवहन के लिए प्रौद्योगिकी–आधारित समाधान देना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी बस व्यवसाय की कुल आय का तीन–चार प्रतिशत लगातार शोध एवं विकास पर निवेश कर रही है। ईकेए मोबिलिटी ने भी अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने के उद्देश्य से एक इलेक्ट्रिक ट्रक और छह सीटों वाले सार्वजनिक परिवहन वाहन की झलक दिखाई।

## भारत को चीन की बढ़ती क्षमताओं की 'अभिव्यक्ति' के लिए तैयार रहना होगा: जयशंकर

**नयी दिल्ली, (भाषा)** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत–चीन संबंध 2020 के बाद की सीमा स्थिति से उत्पन्न जटिलताओं से खुद को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं और संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की जरूरत है। पिछले दशकों में चीन के साथ भारत के संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए जयशंकर ने कहा कि पिछले नीति–निर्माताओं की ''गलत व्याख्या'', चाहे वह ''आदर्शवाद या व्यावहारिक राजनीति की अनुपस्थिति'' से प्रेरित हो, ने चीन के साथ न तो सहयोग और न ही प्रतिस्पर्धा में मदद की है। मुंबई में नानी पालकीवाला व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इसमें स्पष्ट रूप से बदलाव आया है। विदेश मंत्री ने कहा कि आपसी विश्वास, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता दोनों पक्षों के बीच संबंधों का आधार बने रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की आवश्यकता है। जयशंकर ने कहा, ''ऐसे समय में जब भारत के अधिकतर देशों के साथ रिश्ते मजबूत हो रहे हैं, भारत को चीन के साथ संतुलन स्थापित करने में एक विशेष चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि दोनों देश उन्नति कर रहे हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा कि निकटतम पड़ोसी और एक अरब से अधिक आबादी वाले दो समाजों के रूप में, भारत–चीन के बीच संबंध कभी भी आसान नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, ''लेकिन सीमा विवाद, इतिहास के कुछ बोझ और भिन्न सामाजिक–राजनीतिक प्रणालियों ने इसे और भी तीखा बना दिया। पिछले नीति–निर्माताओं द्वारा गलत व्याख्या, चाहे वह आदर्शवाद से प्रेरित हो या व्यावहारिक राजनीति की गैरमौजूदगी से, वास्तव में चीन के साथ न तो सहयोग और न ही प्रतिस्पर्धा में मदद मिली है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले दशक में इसमें स्पष्ट रूप से बदलाव आया है। अभी, संबंध 2020 के बाद की सीमा स्थिति से उत्पन्न जटिलताओं से खुद को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं।'' जयशंकर ने कहा कि भले ही इस पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन संबंधों के दीर्घकालिक विकास पर अधिक विचार किए जाने की आवश्यकता है। जयशंकर ने कहा कि भारत को ''चीन की बढ़ती क्षमताओं की अभिव्यक्ति'' के लिए तैयार रहना होगा, खासकर उनके लिए जो सीधे भारत के हितों पर असर डालते हैं। जयशंकर ने तर्क दिया कि अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत की व्यापक राष्ट्रीय क्षमता का अधिक तेजी से विकास आवश्यक है।

## भारत, अमेरिका ने साइबर अपराधों की जांच में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

**नयी दिल्ली, (भाषा)** भारत और अमेरिका ने साइबर अपराध और आतंकवाद के वित्तपोषण तथा हिंसक आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार संभालने से कुछ दिन पहले, बाइडन प्रशासन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किया है। भारत की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, शुक्रवार को वाशिंगटन में साइबर अपराध जांच पर हुए समझौते से दोनों देशों की संबंधित एजेंसियों को साइबर खतरे की खुफिया जानकारी और डिजिटल फोरेंसिक के संबंध में सहयोग बढ़ाने की अनुमति मिल गई है। पिछले कुछ दिनों में, निवर्तमान बाइडन प्रशासन द्वारा उठाया गया यह दूसरा ऐसा कदम है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों के और प्रगाढ़ होने को दर्शाता है।

अमेरिका ने बुधवार को तीन भारतीय परमाणु इकाइयों – भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) और इंडियन रेयर अर्थ्स (आईआरई) पर लगे प्रतिबंध हटा दिए। प्रतिबंध हटाने का उद्देश्य लगभग 16 साल पहले हुए ऐतिहासिक भारत–अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते को लागू करना है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा और गृह सुरक्षा मामलों की कार्यवाहक उप मंत्री (डीएचएस) क्रिस्टी कैनेगैलो ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। भारत की ओर से गृह मंत्रालय का 'इंडियन साइबरक्राइम को–ऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी)' इस समझौते के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार है। अमेरिका की ओर से, डीएचएस और उसकी घटक एजेंसियों––'यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट' और 'होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन्स साइबर क्राइम सेंटर' को समझौते को लागू करने का काम सौंपा गया है।

## भारत–सिंगापुर सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए काम कर रहे: राष्ट्रपति षणमुगरत्नम

**भुवनेश्वर, (भाषा)** सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम ने शनिवार को कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख ध्रुव के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका देश सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र और हवाई संपर्क के क्षेत्र में योगदान करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने ओडिशा के अपने दो दिवसीय दौरे के अंत में मीडिया से बातचीत में कहा, ''भारत एक बहुध्रुवीय दुनिया में अपने तरीके से एक ध्रुव बनने की आकांक्षा रखता है, जो भू–राजनीतिक रूप से सच होने के साथ आर्थिक रूप से भी सच है। भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख ध्रुव के रूप में उभर रहा है। भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसके साथ हम सहयोग करना चाहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''अपनी जनसांख्यिकी, अपनी विकास प्रक्रियाओं और अपनी निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की अहम क्षमता के कारण, भारत एक ऐसा देश है जिसके साथ सिंगापुर संभवतः सहयोग करेगा।'' उन्होंने कहा कि भारत और सिंगापुर की प्राथमिकताएं भी बहुत हद तक समान हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत–सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के तहत स्थापित प्राथमिकताओं के अनुसार, दोनों सरकारें भारत में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। सिंगापुर देख रहा है कि यह कैसे 'पारिस्थितिकी तंत्र' में योगदान दे सकता है और यह नई पीढ़ी के औद्योगिक पार्कों पर भी विचार कर रहा है, विशेष रूप से सेम्बकॉर्प बहुत सक्रिय रूप से नए औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए संभावित स्थलों की खोज कर रहा है।'' षणमुगरत्नम ने कहा कि दोनों देश कौशल विकास पर भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जो भारत के भविष्य को सुरक्षित करने का एक प्रमुख कारक है। उन्होंने कहा, ''चूंकि सिंगापुर के पास इस क्षेत्र में कुछ अनुभव है, इसलिए उसका इरादा भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने में एक खिलाड़ी बनने का है।''

## जेएसडब्ल्यू समूह की अपनी वाहन कंपनी बनाने की योजना, एक अरब डॉलर निवेश का लक्ष्य

**नयी दिल्ली, (भाषा)** जेएसडब्ल्यू समूह अब जेएसडब्ल्यू ब्रांड के तहत कारों, ट्रकों और बसों की अपनी अलग श्रृंखला पेश करने की दिशा में काम कर रहा है और इसके लिए समूह एक अरब डॉलर का निवेश करने जा रहा है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक पार्थ जिंदल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जिंदल ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' के पहले दिन पीटीआई–भाषा से बातचीत में कहा कि जेएसडब्ल्यू समूह इस दिशा में प्रौद्योगिकी गठजोड़ के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि समूह को 2027–2028 के आसपास सड़कों पर अपना पहला वाहन उतारने की उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू समूह ने नवंबर, 2023 में भारत में एमजी मोटर के परिवर्तन और विकास में तेजी लाने के लिए चीन की सबसे बड़ी वाहन निर्माता एसएआईसी मोटर के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौता किया था। एमजी मोटर एक ब्रिटिश ब्रांड है जिसका स्वामित्व शंघाई मुख्यालय वाली एसएआईसी मोटर के पास है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के पास अब जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि एसएआईसी प्रौद्योगिकी और उत्पादों के साथ संयुक्त उद्यम का समर्थन करना अब भी जारी रखे हुए है। पिछले साल मार्च में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने घोषणा की थी कि वह उत्पादन क्षमता बढ़ाने और हर तीन से छह महीने में एक नई कार पेश करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। जिंदल ने कहा, "जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर में जेएसडब्ल्यू पहले से मौजूद है और हम इसे लेकर बहुत प्रतिबद्ध हैं। हमें लगता है कि इसमें वृद्धि की बहुत बड़ी संभावना है। मुझे लगता है कि हमने भारत में अभी शुरुआत ही की है और अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है।" इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जेएसडब्ल्यू की भी अपनी कार ब्रांड रखने की महत्वाकांक्षा है। उन्होंने कहा, "हमारा भी अरमान है कि जेएसडब्ल्यू की एक कार हो, और इसके लिए हम काम कर रहे हैं।" इस बारे में विस्तार से बताते हुए जिंदल ने कहा, "हम न केवल जेएसडब्ल्यू कार बनाने पर काम कर रहे हैं, बल्कि जेएसडब्ल्यू बस भी होगी। जेएसडब्ल्यू ट्रक भी होगा और हम औरंगाबाद में यह संयंत्र लगाने जा रहे हैं। इस पर काम शुरू हो चुका है।" परियोजना के लिए समूह द्वारा निर्धारित निवेश के बारे में पूछे जाने पर जिंदल ने कहा, "समूह इस पर एक अरब डॉलर का निवेश करेगा। इस कंपनी का स्वामित्व जेएसडब्ल्यू समूह के पास होगा और इसमें प्रौद्योगिकी भागीदार भी होंगे।"

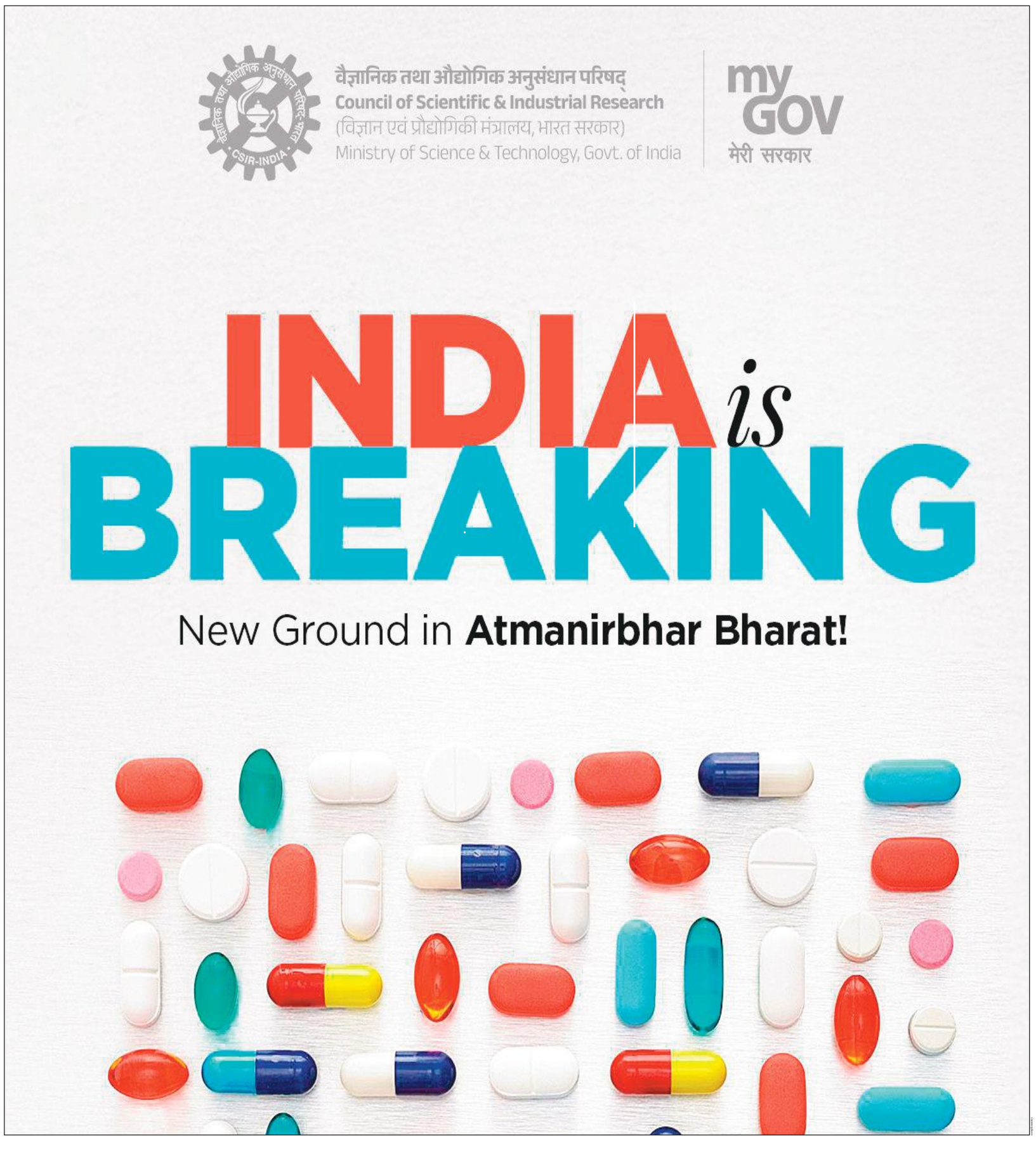

# Dr. Mansukh Mandaviya to Inaugurate International Seminar on "Formalization and Social Security Coverage for Workers in the Informal Sector: Challenges and Innovations"

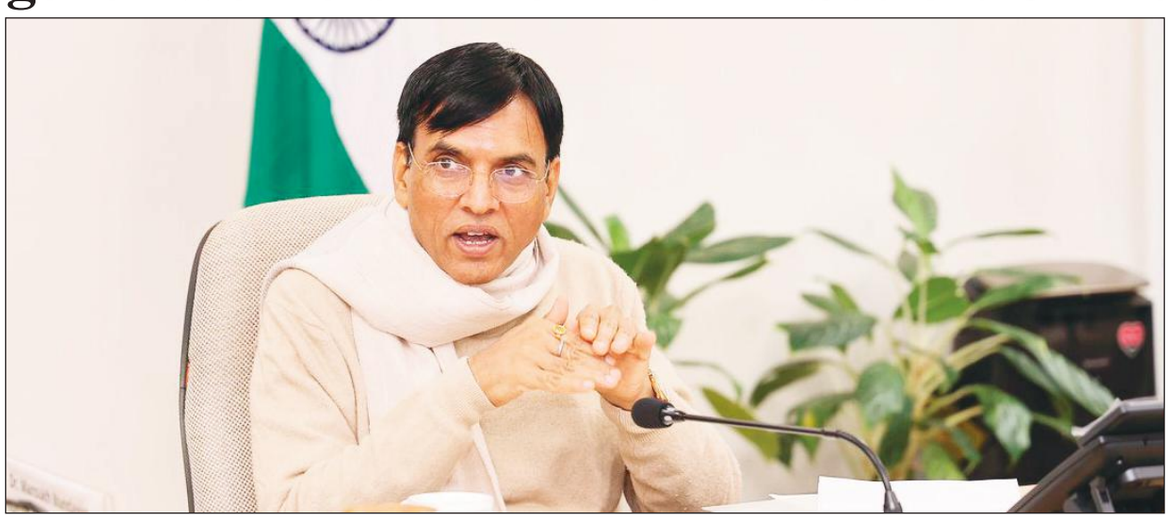

**New Delhi, Focus News:** Union Minister of Labour & Employment and Youth Affairs & Sports, Dr. Mansukh Mandaviya will inaugurate a two-day international seminar on "Formalization and Social Security Coverage for Workers in the Informal Sector: Challenges and Innovations" on 20-21 January 2025 at New Delhi. Hon'ble Minister of State for Labour & Employment, Sushri Shobha Karandlaje and Secretary (Labour & Employment), Ms. Sumita Dawra will also grace the inaugural session of this technical seminar. This international dialogue is being organized by the Ministry of Labour and Employment of India, in collaboration with the Employees' State Insurance Corporation (ESIC) and International Social Security Association (ISSA) at Yashobhoomi - India International Convention and Expo Centre. The technical seminar aims to bring together a diverse group of stakeholders, including policymakers, social security administrators, and experts from social security organizations from countries in the Asia-Pacific region. Over 150 participants will be sharing insights, strategies, and solutions regarding the formalization of informal workers and extension of social security coverage to them. Senior experts from prominent international organizations such as World Bank, United Nations, International Labour Organization, UN Women, Bill and Melinda Gates Foundation will also share their insights at the event. Senior officers from concerned Ministries/Departments of Government of India, States and UTs and social partners including employers' and workers' organizations will also participate. The primary objective of this seminar is to enhance stakeholders' capacity in extending social protection to informal workers. The sessions will include discussions on pathways and strategies to promote formalization and enhance social security coverage for vulnerable workers, workers in informal sector and difficult- to -cover groups including through incentives, extend coverage through transforming social security delivery and outreach, digital solutions and communication. Deliberations will also be held on social security coverage extension to promote gender equality and women empowerment, and aspects of health and medical care insurance coverage. The event will feature exchange of knowledge and experience sharing through technical discussion and sharing of countries' best practices. Landmark initiatives by India for labour welfare and social protection of workers such as e-Shram portal, National Career Service portal, Employment Linked Incentive (ELI) scheme and Labour Reforms will be showcased. Progress made by ESIC and Employees' Provident Fund Organization (EPFO) in advancing social security for formal workers will also be highlighted. The exchange of ideas would enhance capacity of the constituents in the area of extending social protection to informal workers. The seminar will also focus on accurate measurement of progress in social security coverage through improved data collection and reporting. International discourse on this issue is crucial as global reporting on social protection needs harmonization to account for in-kind social protection and welfare measures for more accurate reporting of progress in national and global social protection coverage. In this context, the Ministry of Labour and Employment had initiated in collaboration with ILO, a national data pooling exercise of over 34 Central Government social protection and welfare schemes. Owing to this, India's social protection coverage doubled from 24.4% to 48.8% in ILO's latest World Social Protection Report (WSPR) 2024-26.

## Nehru Yuva Kendra Hosts Border Area Youth Exchange Program in Delhi

**New Delhi, Focus News:** The Nehru Yuva Kendra Sangathan (NYKS) successfully organized the Border Area Youth Exchange Program at the Gandhi Smriti and Darshan Samiti (GSDS) in Rajghat, New Delhi, from January 15 to 19, 2025. The event brought together young people from various border areas across India, providing them with a platform to interact, learn, and share experiences of unity, peace, and cultural exchange. The five-day program focused on fostering national integration, promoting youth leadership, and creating awareness about the rich cultural diversity of India's border regions. It saw the participation of over 100 youth representatives from Jammu & Kashmir, Punjab, Himachal Pradesh, Rajasthan, Uttar Pradesh, Bihar and Uttarakhand. The program included a mix of cultural activities, workshops, discussions, and visits to significant places in Delhi, including the Raj Ghat Memorial, where Mahatma Gandhi's legacy of peace and non-violence was highlighted. The program was started with chief guest Dr.Nupur Tiwari, Special Director, NTRI, Dr. Nishant, Director, Cyber Security (MHA), Dr.Jwala Prasad, Director,Gandhi Darshan,Rajghat Sh. Prakash Vaidya, Director (i/c), NYKS, Dr. Lal Singh, State Director, NYKS Delhi.

**Key Highlights of the Program:** Cultural Exchange: Participants showcased their regional traditions, music, and dance, promoting mutual understanding and respect for different cultures.

Workshops & Sessions: Focused on leadership development, civic engagement, and strategies for youth empowerment in border areas.

Visit to National Monuments: The youth visited prominent historical sites such as Raj Ghat, Qutub Minar, and the National Museum to learn about India's heritage. Interactive Discussions: Experts from various fields led sessions on national security, the importance of youth involvement in governance, and sustainable development in border regions. The closing of the program was done by Sh.Ruchitra Narayan Tyagi,Joint Director Program,NYKS and Dr. Lal Singh, State Director, NYKS Delhi.

## Actor Gul Panag, Boxer Saweety Boora Urges for Road Safety; Lead Nationwide 'Fit India Sundays on Cycle'

**New Delhi, Focus News:** Well-known actor Gul Panag and Arjuna awardee boxer Saweety Boora rallied behind the 'Fit India Sundays on Cycle' campaign saying "it is the only way to build a sporting and fitness culture" in the country as they led more than 500 cyclists at the Leisure Valley park in Gurugram. Road safety was the theme for this week's nationwide cycling event, which was launched by Union Sports Minister Dr. Mansukh Mandaviya last month. "I have been associated with the Fit India movement from the time it was launched many years ago. It is a fantastic initiative by the Sports Authority of India. I think Fit India movement is the only way we will build a sporting and a fitness culture which will lead India into winning more medals in competitive arenas. But we have to start with the fitness culture. That's where Fit India makes an incredible contribution and Sundays on Cycle is a fabulous initiative. If not on other days we can take out time on Sundays for an easy ride," Gul Panag said later. "Road safety especially for cyclists is very important. Every year scores of cyclists get deeply injured and some fatally because of automobile drivers not being aware about the cyclists on the road. Cyclists must wear helmets and protective gear like knee guards and elbow guards. I would urge all motorists to be cognizant of cyclists on the streets and look out for them. Please ride safe," she reminded about road safety. World champion boxer in light heavyweight category, Saweety Boora, who completed the 20km ride meandering through Golf Course Road, AIT chowk, Arya Samaj Road and Millenium City Centre back to Leisure Valley park, gave the slogan: "Pollution ko punch aur drugs ko right hook kyuki Sundays hai cycling ke liye" (Out punch pollution and deliver a right hook to drugs because Sundays are for cycling). She further added, "This is a great initiative by Fit India. I am very happy to cycle after a long time. Cycling has many benefits including keeping one's knees in good condition, muscle strength and stamina also improves, which helps in better mobility. It also betters the health of your heart and lungs. Whether you are young or old, cycling is beneficial for overall fitness and remaining healthy."

# ISKCON Mayapur Elephants to Receive Lifelong Care and Support at Vantara

### New Partnership Formed in the Wake of Tragic Incident Involving an Elephant Fatally Attacking Her Mahout

**Jamnagar, Focus News:** Vantara, a state-of-the-art animal rescue and rehabilitation organization founded by visionary philanthropist Anant Ambani, is set to welcome two cow elephants, 18-year-old Bishnupriya and 26- year-old Lakshmipriya, from the International Society for Krishna Consciousness (ISKCON) in Mayapur, near Kolkata. This transfer follows a tragic incident last April when Bishnupriya fatally attacked her mahout, highlighting the urgent need for specialized care and a more suitable environment for their well-being. The transfer project, initiated by Vantara in partnership with ISKCON, has received full approval from the High-Powered Committee, constituted by the Tripura High Court and affirmed by the Supreme Court of India, which is entrusted with rescuing and ensuring safe, stress-free environments for wild animals in distress. At Vantara, Bishnupriya and Lakshmipriya will settle into a permanent home thoughtfully designed to replicate an elephant's natural habitat. This chain-free environment will provide expert veterinary care, including psychological evaluations and treatments rooted in positive reinforcement training—building trust through rewards and non-coercive methods. They will also benefit from engaging enrichment activities, opportunities to socialize and bond with other elephants, and the compassionate attention of their caretakers, all of which are essential for them to thrive.

ISKCON Mayapur has been keeping Lakshmipriya since 2007 and Bishnupriya since 2010, using them for temple rituals and various festival occasions. Animal protection organizations, including People for the Ethical Treatment of Animals (PETA) India and World Animal Protection, had advocated for the release of the ISKCON elephants to a trusted and renowned elephant care facility. PETA India even offered a mechanized elephant for temple rituals in exchange for their transfer to a rescue center. Hrimati Devi Dasi, a senior member of the ISKCON temple and manager for mahouts and elephants in Mayapur, said, "According to our beliefs in ISKCON, everyone is the same spiritual soul inside their outer shell, or material body. We do not make any distinction between species or castes. The different bodies may have different natures; however, the soul within each body is of a spiritual nature and deserves compassion and respect. By treating animals with kindness and respect, we express our devotion to Lord Krishna, who teaches us that true service lies in protecting and nurturing all living creatures. Having visited Vantara myself, I could see that the same principles I believe in are followed there. I am confident that Bishnupriya and Lakshmipriya will thrive at Vantara, will soon make new friends, and will live a fulfilling life, experiencing the freedom and joy elephants enjoy in the wild."

Living in captivity causes significant mental suffering to elephants, who, in the wild, rely on their freedom to roam and bond socially, which ensures their overall well-being. In captivity, these fundamental needs are often unmet, leading to severe psychological distress that manifests in repetitive behavior, depression, and aggression. At Vantara, the care of rescued elephants extends beyond their physical health, placing equal importance on their mental and emotional recovery. Expert veterinarians and animal psychologists conduct detailed psychological evaluations to identify and address trauma. Vantara's state-of-the-art facilities, which includes the world's largest elephant hospital are designed to offer personalized mental health support through positive reinforcement training, stimulating enrichments, and opportunities for social interaction that mimic their natural environment. This holistic approach ensures that rescued elephants not only regain their physical strength but also achieve emotional stability and mental well-being, embodying Vantara's commitment to their full rejuvenation and improved quality of life.

# Divya Kala Mela concludes in Vadodara with a Spectacular 'Divya Kala Shakti' Performance

**New Delhi, Focus News:** The grand closing ceremony of the Divya Kala Mela took place at Akota Stadium, Vadodara, in the esteemed presence of Union Minister of State for Social Justice and Empowerment, Shri Ramdas Athawale. The event commenced with a mesmerizing dance performance on Ganesh Vandana. Athawale assured every possible support to Divyangjans, emphasizing their integral role in building an Atmanirbhar Bharat. Highlighting the vision of Prime Minister Shri Narendra Modi, he said, "By 2047, when India would celebrate 100 years of independence, our Divyangjans will inspire the entire world." He further added that under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, several initiatives have been implemented to promote entrepreneurship, skill development, and financial support for Divyangjans. On this occasion, CMD of NDFDC, Shri Navin Shah, stated that this was the 23rd fair, providing a major platform for the economic empowerment and marketing of Divyangjan products. The 11-day fair, held from 9th - 19th January, 2025, provided a unique platform to encourage Divyang artisans and entrepreneurs to showcase their products and craftsmanship. Over 100 Divyang artisans and entrepreneurs from 20 States and Union Territories participated in the event. Gujarat's 30 Divyangjans were handed loan sanction letters worth Rs. 1 crore. Motorized tricycles were distributed to 11 Divyangjans through IRCON's CSR fund, and assistive devices were provided to 14 Divyangjans by ALIMCO. A Job Fair for Divyangjans was also organized on January 17, where appointment letters were distributed to 18 Divyangjans during the closing ceremony.

The 'Divya Kala Shakti' cultural programme featured 78 talented Divyang artists from 15 States who enthralled the audience with 36 captivating performances. The event began with a group dance on the song 'Jay Jay Garvi Gujarat'. Swati from Jammu & Kashmir performed a mesmerizing dance on the song 'Radha Kaise Na Jale', from the movie Lagaan. Sanyotani Samadar from Odisha left everyone spellbound with her classical dance performance. The finale saw a patriotic performance by artists from the Blind People's Association, Ahmedabad. Artists from institutions like Arpan Charitable Trust, Samarth Group, and Parth Group also delivered outstanding performances. Artists from Jammu & Kashmir, Tamil Nadu, and North-Eastern states exhibited their exceptional products, including handicrafts, handlooms, embroidery, and packaged food, thereby promoting the 'Vocal for Local' initiative. The cultural performances and diverse food stalls further enhanced the event's charm.

## Dr. Jitendra Singh inaugurates India's First-of-Its-Kind CSIR Mega "Innovation Complex" at Mumbai, dedicates it to Start Ups and Industry stakeholders

**New Delhi, Focus News:** Union Minister of State (Independent Charge) for Science and Technology, Minister of State (Independent Charge) for Earth Sciences, Minister of State in the Prime Minister's Office, Department of Atomic Energy, Department of Space, and Personnel, Public Grievances, and Pensions, Dr. Jitendra Singh inaugurated India's first-of-its-kind CSIR Mega "Innovation Complex" at Mumbai on 17th January through virtual mode and dedicated it to StartUps and Industry stakeholders. The new Innovation Complex at Mumbai, inaugurated by the Science & Technology Minister, is a huge state-of-the-art set up spread over nine floors, equipped with 24 "ready-to-move" incubation labs in addition to furnished office and networking spaces for innovative StartUps, MSMEs, industry, and CSIR labs. The Mega facility will provide high-end scientific infrastructure, expertise, and regulatory support to stakeholders including CSIR labs, StartUps, MSMEs, and industry, for the SOP-driven studies necessary for regulatory submissions and compliance. The Complex includes ready-to-move world-class incubation labs and IP/business development support for innovative start-ups, companies partnering with CSIR labs, MSMEs, deep-tech companies from India and abroad, public-funded research institutions, and CSIR labs." Catching up with the excitement of the audience, Dr. Jitendra Singh remarked, "This inauguration is just the beginning. We are excited about the future potential and the immense contributions this Innovation Complex will make to India's growth story." Narendra Modi for his vision, which has enabled India to emerge as a global hub for start-ups and innovation. He described the inauguration of this complex as another landmark step. He reiterated that under the visionary leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, India has emerged as a global hub for start-ups and innovation. Dr Jitendra Singh said, "We are proud to be the third-largest start-up ecosystem in the world, with over 100 Unicorns that stand as testaments to India's entrepreneurial spirit. This remarkable growth is a reflection of the transformative initiatives and policies introduced by our government to empower the youth and drive economic self-reliance." The Science and Technology Minister further highlighted that the CSIR Innovation Complex Mumbai comes at a pivotal moment in India's start-up journey. According to the Minister, the state-of-the-art facility has been designed to provide incubation and business spaces, enabling start-ups, MSMEs, and industry stakeholders to collaborate with CSIR's network of researchers and innovators. It serves as a bridge between cutting-edge science and its application to address real-world challenges, thereby contributing to the vision of Atmanirbhar Bharat. He called the Innovation Complex a significant milestone for CSIR, representing a giant leap forward in India's innovation landscape and reinforcing the nation's position as a global leader in science and technology. Dr. Jitendra Singh underscored the high-end scientific infrastructure and expertise designed to foster critical translational unmet needs (spanning lab-to-regulator and regulator-to-industry domains) for start-ups, MSMEs, and CSIR labs, while catalyzing faster tech-transfer processes. Dr. Jitendra Singh informed that the IC-Mumbai will provide high-end scientific infrastructure, expertise, and regulatory support to stakeholders (CSIR labs, start-ups, MSMEs, and industry) for the SOP-driven studies necessary for regulatory submissions and compliance. Adding further, he said, "The facility includes ready-to-move world-class incubation labs and IP/business development support for innovative start-ups, companies partnering with CSIR labs, MSMEs, deep-tech companies from India and abroad, public-funded research institutions, and CSIR labs. Informing the industry and start-ups, Dr. Jitendra Singh shared that the complex will function as an innovation and incubation hub to support, collaborate, and partner in key industrial sectors such as healthcare (pharma, biopharma, medtech), chemicals, materials, energy, and other relevant areas of interest to CSIR labs. Speaking about the physical infrastructure of IC-Mumbai, Dr. Jitendra Singh informed that the facility, spread over nine floors, is equipped with 24 "ready-to-move" incubation labs and furnished office and networking spaces for innovative start-ups, MSMEs, industries, and CSIR labs. Concluding his remarks, Dr. Jitendra Singh said, "The inauguration is just the beginning. We are excited about the future potential and the immense contributions this Innovation Complex will make to India's growth story." He added that facilities like the C-ICM embody the spirit of collaboration, innovation, and inclusivity that define the nation's approach to building a self-reliant India. The event was attended by Dr. V.K. Saraswat and Dr. V.K. Paul, Members of NITI Aayog; Dr. N. Kalaiselvi, Secretary of DSIR and DG CSIR; and Dr. Ram Vishwakarma. The inaugural event witnessed participation from industry leaders, foreign delegates from Norway, Switzerland, and Germany, MSMEs, start-ups, and over 1,000 scientists from CSIR labs across India.

## Raman Research Institute faculty honored with the Gates-Cambridge Impact Prize 2025

**New Delhi, Focus News:** Professor Urbasi Sinha, faculty in the Light and Matter Physics theme at the Raman Research Institute (RRI), was honored with the Gates-Cambridge Impact Prize 2025 by the Bill & Melinda Gates Foundation at Cambridge, UK. Prof. Sinha is among the eight winners of Gates-Cambridge's Impact Prize to celebrate its 25th anniversary. She says: "I have seen how the scholarship has evolved over the 25 years and am thrilled to celebrate its anniversary and to be recognised for my work over a similar time span. It is very humbling, but also makes me believe in the impact I can have in the next 25 years." The nomination for her Gates-Cambridge Impact Prize said: "Professor Sinha's vision and dedication are paving the way for a future where quantum computing serves as a catalyst for solving humanity's most pressing issues, embodying the true spirit of science in service of global progress." Prof. Sinha is a researcher in both quantum fundamentals and technologies, and she heads the Quantum Information and Computing (QuIC) lab at RRI an autonomous institute of Department of Science and Technology.

# Amit Shah, attends the 20th Raising Day ceremony of NDRF as the Chief Guest in Vijayawada, Andhra Pradesh

**New Delhi, Focus News:** Union Home Minister and Minister of Cooperation, Shri Amit Shah, attended the 20th Raising Day ceremony of the National Disaster Response Force (NDRF) as the Chief Guest in Vijayawada, Andhra Pradesh. During the event, Shri Amit Shah inaugurated many projects and laid the foundation stones for other projects worth approximately Rs 220 crore. These include National South Campus of Institute of Disaster Management (NIDM), the 10th Battalion of the NDRF, and the Regional Response Centre at Supaul Campus. The Home Minister also laid the foundation stone of the new 'Integrated Shooting Range' at the National Police Academy in Hyderabad and inaugurated the Regional Forensic Science Laboratory building in Tirupati. Several dignitaries were present on the occasion, including Andhra Pradesh Chief Minister Shri N. Chandrababu Naidu, Union Minister of Civil Aviation Shri K. Rammohan Naidu, Union Minister of State for Home Shri Bandi Sanjay Kumar, Home Secretary Shri Govind Mohan, and NDRF Director General Shri Piyush Anand. In his address, Union Home Minister and Minister of Cooperation, Shri Amit Shah, said that when natural calamities strike, NDRF comes to the rescue, and when man-made calamities occur, the Narendra Modi government comes to the help. Shri Shah said that in the five years from 2014 to 2019 Andhra Pradesh has faced significant setbacks due to the man-made disaster, affecting the immense potential of the state. He said that to make up for the developmental losses during the period, Prime Minister Shri Narendra Modi and Chief Minister Shri N. Chandrababu Naidu are driving Andhra Pradesh's growth at three times the speed. Shri Amit Shah praised Shri Chandrababu Naidu for propelling the state forward through sound administrative, financial, and developmental strategies, while noting that Prime Minister Modi has facilitated investments and aid exceeding Rs. 3 lakh Crore for Andhra Pradesh in past six months. Shri Shah highlighted the recent Union Cabinet approval of Rs. 11,000 Crore for the Visakhapatnam Steel Plant, a move aimed at securing the plant's long-term viability and preserving its status as a symbol of pride for Andhra Pradesh. He also recalled the vision of Amaravati as the state capital, conceptualized by Shri Chandrababu Naidu and inaugurated with a groundbreaking ceremony (Bhoomi Pujan) by Prime Minister Modi. However, he criticized the previous government for neglecting this ambitious project.

# Railway Protection Force apprehends 586 bangladeshi and 318 rohingya to prevent illegal migration, since 2021

**New Delhi, Focus News:** Railway Protection Force (RPF) has successfully apprehended 916 individuals, including 586 Bangladeshi nationals and 318 Rohingya since 2021, showing their commitment to safeguard the nation. In June and July 2024, RPF apprehended 88 Bangladeshi and Rohingya migrants in areas under the Northeast Frontier Railway (NFR). Some of these individuals confessed to entering India illegally and were intercepted while traveling by train to destinations such as Kolkata. In October 2024, reports highlighted that despite increased security measures along the Bangladesh border, illegal migrants continue to infiltrate India, using Assam as a transit route and railways as their preferred mode of travel to reach other parts of the country. These incidents underscore the challenges faced by Indian authorities in monitoring and securing railway networks against illegal infiltration. The use of railways by infiltrators not only facilitates their movement across states but also complicates efforts to detect and prevent unauthorized entry into the country. For considering the above issue, the RPF has intensified its efforts by collaborating with key security agencies such as the Border Security Force (BSF), local police, and intelligence units. This inter-agency approach has significantly enhanced operational efficiency, enabling swift identification and detention of individuals involved in illegal migration. Despite its significant contributions, the RPF is not directly empowered to prosecute apprehended individuals. Instead, detained persons are handed over to police and other authorized agencies for further legal proceedings.

In the light of recent political turmoil going on in the neighboring countries such as Bangladesh and Myanmar and geopolitical developments and socio-religious factors in these regions have led to an influx of individuals seeking refuge, employment, and shelter deep within India's hinterlands. It remains a significant concern for national security. While precise statistics on the number of infiltrators using railways are limited, recent reports indicate that illegal migrants often utilize railway networks to transit through regions like Assam and Tripura en route to other parts of India. The Railway Protection Force has risen to the challenge of addressing this critical issue, playing a pivotal role in identifying and apprehending illegal migrants attempting to penetrate India's borders. These individuals are not only a matter of national security concern but are also highly vulnerable to exploitation, including human trafficking for bonded labor, domestic help, prostitution, and even organ harvesting.

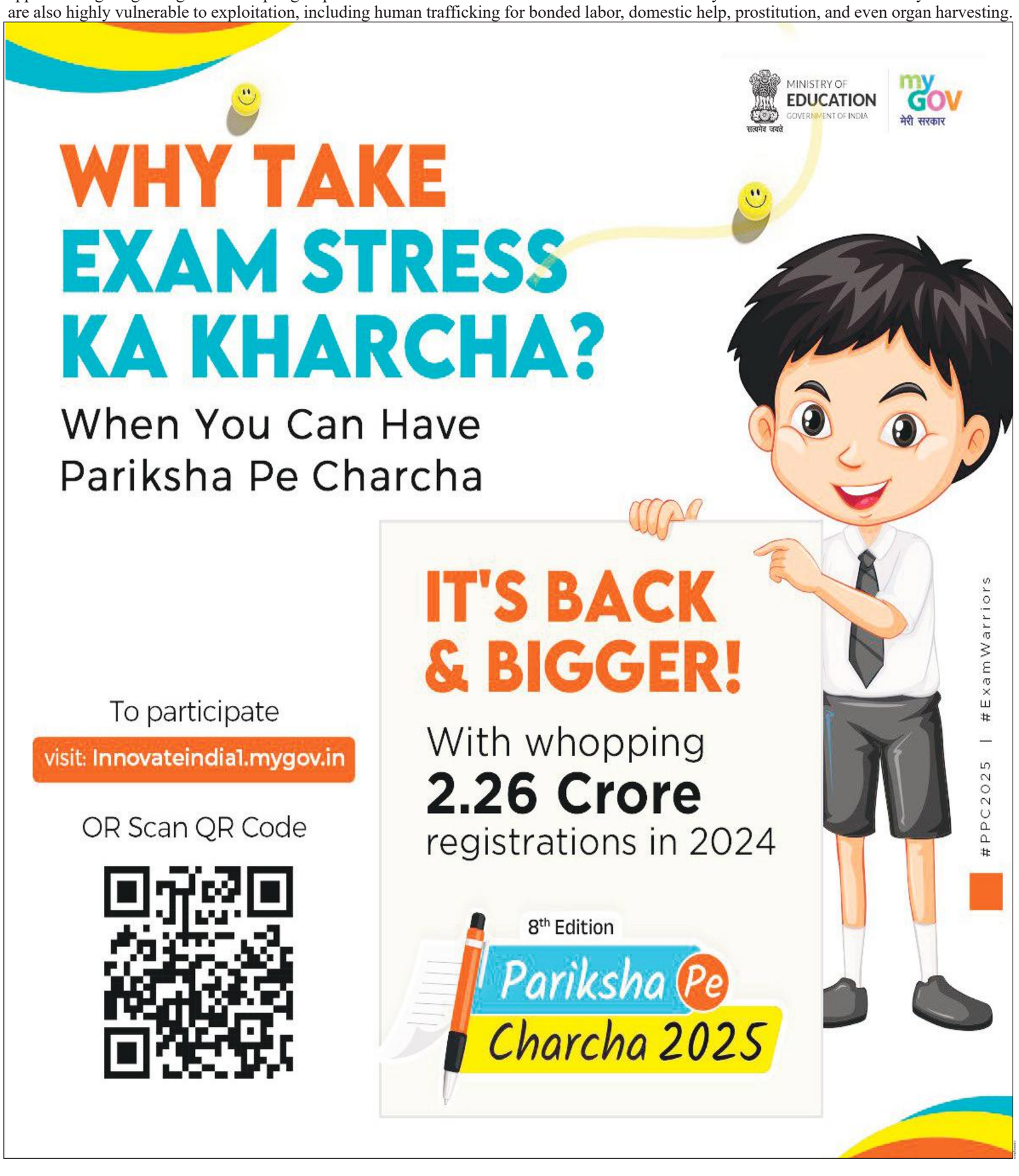

## सिर्फ छह माह में आंध्र प्रदेश के लिये तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई: शाह

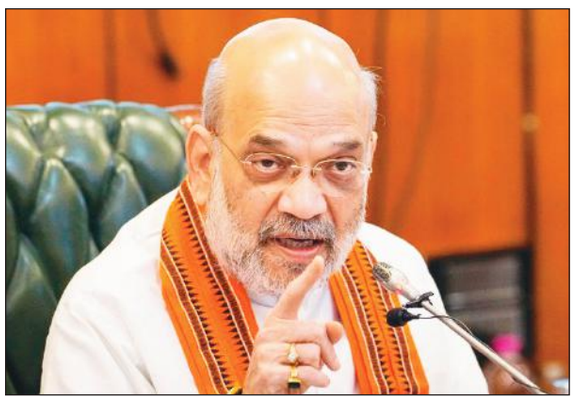

**अमरावती,** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आंध्र प्रदेश के लिए केवल छह महीनों में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। शाह, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के दक्षिणी परिसर और विजयवाड़ा के पास राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 10वीं बटालियन के परिसर तथा अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हुडको और विश्व बैंक के माध्यम से अमरावती के विकास के लिए 27,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। शाह ने युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) की पिछली सरकार पर कटाक्ष करते हुए आंध्र प्रदेश के लोगों से कहा कि वे 'बर्बाद' हुए पांच वर्ष पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायडू और प्रधानमंत्री मोदी राज्य के विकास के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित कर तेजी से प्रयास करते हुए मिलकर काम करेंगे। गृह मंत्री ने कहा, "मैं यह आश्वासन देना चाहता हूं कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी नीत सरकार आंध्र प्रदेश के विकास के लिए चंद्रबाबू नायडू के साथ चट्टान की तरह खड़ी है।" शाह ने एनडीआरएफ के बारे में कहा कि आज भारत आपदा प्रबंधन के मामले में विश्व स्तर पर अगुआ के रूप में उभरा है और आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में देश दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। एनडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं के दौरान काम करता है, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 'मानव निर्मित' संकटों के दौरान लोगों की सेवा करने के लिए आगे आता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा में 2024 के विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत के बाद राजग 2025 की शुरुआत में दिल्ली में भी सरकार बनाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय मंत्री से राज्य के पूरी तरह से आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति में आने तक केंद्र से निरंतर समर्थन सुनिश्चित करने की अपील की।

## आरएसएस ने भाजपा और सहयोगी संगठनों के साथ दो दिवसीय मंथन सत्र आयोजित किया

**मुंबई, (भाषा)** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भाजपा और अन्य सहयोगी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ विचार–मंथन सत्र आयोजित कर रहा है। एक पदाधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने दो दिवसीय सत्र में शनिवार को भाग लिया, जबकि मंत्री चंद्रकांत पाटिल, चंद्रशेखर बावनकुले व अन्य भाजपा नेता रविवार को मौजूद रहे। भाजपा के अलावा, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और अन्य संगठनों के पदाधिकारी बैठक में मौजूद थे। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए यह बैठक महत्वपूर्ण है। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि यह नियमित बैठक है और संगठन के विभिन्न कार्यक्षेत्रों में विकास की समीक्षा के लिए हर छह महीने में आयोजित की जाती है।

## राहुल को नहीं पता कि इंदिरा और नेहरू ने संविधान के साथ कैसे छेड़छाड़ की : नड्डा

**अहमदाबाद,** केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है और वह नहीं जानते कि उनके पिता (राजीव), दादी (इंदिरा) और दादी के पिता (नेहरू) ने संविधान के साथ छेड़छाड़ करने के क्या–क्या प्रयास किए थे। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने 65 वर्षों तक देश पर शासन किया और उसके नेताओं ने संविधान के साथ छेड़छाड़ कर इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। वह भाजपा के 'संविधान गौरव अभियान' में बोल रहे थे। हाल में, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ एक टिप्पणी में ''इंडियन स्टेट'' (भारतीय राज व्यवस्था) शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर राहुल पर उन्होंने प्रहार किया। नड्डा ने कहा, ''आज हमारे कांग्रेस नेता कहते हैं कि वे ''इंडियन स्टेट (भारतीय राज व्यवस्था) के खिलाफ लड़ रहे हैं।'' उन्हें इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है, न ही उनका इससे कोई लेना–देना है। उन्होंने कहा कि राहुल उन्हें सौंपे गए भाषणों की सामग्री और संदर्भ को समझे बिना उन्हें ''सिर्फ पढ़ते'' हैं। राहुल ने हाल ही में कहा था, ''भाजपा और आरएसएस ने इस देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है और अब हम भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज व्यवस्था से लड़ रहे हैं।'' नड्डा ने कहा, ''भारत अपना 76 वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है।

## दिल्ली चुनाव: 'एम्बुलेंस मैन' शंटी ने महिलाओं के लिए 'पिंक एम्बुलेंस' का वादा किया

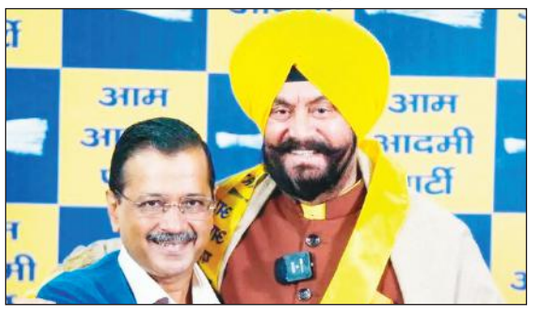


**नयी दिल्ली,** आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार जितेंद्र सिंह शंटी ने कहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में शाहदरा से विधायक चुने जाने पर वह इस क्षेत्र को महिला निवासियों के लिए और बेहतर बनाने के वास्ते 'पिंक एम्बुलेंस', कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल और उनके बच्चों के लिए 'क्रेच' जैसी सुविधाएं शुरू करने की योजना पर काम कर रहे हैं। शंटी ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए औपचारिक त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) और इलाके की संकरी गलियों में आपात स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन टीम की स्थापना भी उनकी प्रमुख योजनाओं में शामिल है। कोविड–19 महामारी के दौरान अपने काम के चलते लोगों के बीच 'एम्बुलेंस मैन' के रूप में लोकप्रिय शंटी ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा कि शाहदरा के लोगों की सेवा और महिलाओं की जरूरतों को पूरा करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "अगर विधायक निर्वाचित हुआ, तो मैं समाज कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं के पूरा करूंगा। कामकाजी महिलाओं, अकेली माताओं और बाहर से आई महिला पेशेवरों के जीवन को आसान और सुरक्षित बनाना मेरी प्राथमिकता होगी।" शंटी ने कहा, "इस क्षेत्र में बाहर से आने वाली कई ऐसी महिला पेशेवर हैं, जिन्हें सुरक्षित और किफायती आवास की जरूरत है। उनके बच्चों के लिए क्रेच भी आवश्यक हैं।

## महाकुंभ: मुख्यमंत्री शर्मा ने त्रिवेणी संगम घाट पर स्नान किया

**जयपुर, फोकस न्यूज,** राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में त्रिवेणी संगम घाट पर स्नान किया तथा मां गंगा की पूजा अर्चना कर देश–प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना की। शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा,' प्रयागराज में आस्था, श्रद्धा और एकता के महासमागम 'महाकुम्भ–2025' में पवित्र त्रिवेणी संगम पर आस्था की पावन डुबकी लगाने का अनुपम सौभाग्य प्राप्त हुआ। तत्पश्चात, लेटे हुए हनुमान जी महाराज के दिव्य दर्शन एवं पूर्ण विधि–विधान से पूजन–अर्चन कर समस्त प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि, मंगलमय एवं आरोग्यमय जीवन के लिए प्रार्थना की।' यहां जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि देश की प्राचीन संस्कृति और परम्परा समृद्ध है और ऐसी पुरातन एवं वैभवशाली परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है। उन्होंने कहा, "हमारी संस्कृति सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः के भाव के साथ हम सब को सुख–शान्ति से रहने का संदेश देती है।" उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। शर्मा ने बोट से त्रिवेणी संगम का अवलोकन किया। उन्होंने राजस्थान मण्डप में संत–महात्माओं का अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद लिया। शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को भी प्रयागराज महाकुंभ स्थित राजस्थान मण्डप में सुना। मुख्यमंत्री ने कहा, 'इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री ने न केवल देश की वर्तमान परिस्थितियों पर प्रकाश डाला, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

## बाइडन ने रिकॉर्ड बनाया, लगभग 2,500 लोगों की सजा कम की

**वाशिंगटन, (एपी)** अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह मादक पदार्थों से जुड़े हिंसा रहित अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए लगभग 2,500 लोगों की सजा कम कर रहे हैं। 20 जनवरी को अमेरिका में सत्ता परिवर्तन होगा और अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों का इस्तेमाल बाइडन ने कैदियों की सजा में छूट और माफी देने के लिए भी किया है। बड़े पैमाने पर इस तरह के क्षमादान और सजा की अवधि कम कर बाइडन ने एक रिकॉर्ड बनाया है। बाइडन ने एक बयान में कहा, ''यह कार्रवाई ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने, सजा की असमानताओं को ठीक करने और योग्य व्यक्तियों को सलाखों के पीछे बहुत अधिक समय बिताने के बाद अपने परिवारों और समुदायों में लौटने का अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' व्हाइट हाउस ने सजा में छूट प्राप्त करने वालों के नाम तुरंत जारी नहीं किए।

## इंडियन होटल्स कंपनी का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 29 प्रतिशत बढ़कर 582 करोड़ रुपये पर

**नयी दिल्ली,** टाटा समूह की इंडियन होटल्स कंपनी लि. (आईएचसीएल) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 29 प्रतिशत बढ़कर 582.32 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में यह लाभ 451.95 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी की कुल आय समीक्षाधीन तिमाही में 29 प्रतिशत बढ़कर 2,592 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्तवर्ष 2024 की अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में 2,003.64 करोड़ रुपये थी। आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक और सीईओ पुनीत चटवाल ने मजबूत तिमाही प्रदर्शन का श्रेय हवाई और संस्थागत खानपान व्यवसाय के एकीकरण को दिया। उन्होंने कहा, ''तीसरी तिमाही भी लगातार 11 तिमाहियों के रिकॉर्ड प्रदर्शन वाली तिमाहियों का हिस्सा है, जिसमें होटल खंड ने 16 प्रतिशत की मजबूत राजस्व वृद्धि दर्ज की है... ।'' आईएचसीएल के पास 360 होटल है, जिसमें 13 देशों में और 150 से अधिक स्थानों पर वैश्विक स्तर पर 123 परियोजनाएं शामिल हैं।